THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

नेवल कमांडर्स कॉन्फ्रेंस में समुद्री सुरक्षा पर हुआ मंथन बढ़ती चुनौतियों के लिए बनी रणनीति

नई दिल्ली, 9 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय नौसेना के द्विवार्षिक नेवल कमांडर्स कॉन्फ्रेंस के पहले संस्करण का समापन हो गया। यह सम्मेलन 5 मार्च से लेकर 8 मार्च 2024 तक चला। जिसमें समुद्री सीमाओं की निगरानी और सुरक्षा के मुद्दे पर फोकस किया गया। इस दौरान भारतीय नौसेना की क्षमताओं को भी परखा गया। नेवल कमांडर्स कॉन्फ्रेंस एक संस्थागत फोरम है, जिसमें सैन्य-रणनीतिक स्तर के अहम मुद्दों पर चर्चा होती है। इस सम्मेलन का आगाज नौसेना के एयरक्राफ्ट कैरियर आईएनएस विक्रमादित्य पर हुआ, जहां शीर्ष अधिकारियों ने बदलते वैश्विक परिदृश्य और बढ़ती चुनौतियों पर मंथन किया।

वर्ष-28 अंक : 352 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **फाल्गुन अमावस्या 2080 रविवार, 10 मार्च-2024**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16+32** **मूल्य : 8 रुपये**

कांग्रेस शिलान्यास करके भाग जाती है : मोदी

> हम जो कहते हैं, वो करते हैं > असम में 17,500 करोड़ के प्रोजेक्ट का इनॉगरेशन किया

*** मोदी ने कई प्रोजेक्टस का उद्घाटन किया**

*** काजीरंगा नेशनल पार्क में जंगल सफारी की**

जोरहाट, 9 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिन असम और अरुणाचल प्रदेश में थे। वे शुक्रवार शाम को तेजपुर पहुंचे और रोड़ शो करते हुए काजीरंगा नेशनल पार्क स्थित गेस्ट हाउस पहुंचे। यहां रात को रुकने के बाद शनिवार सुबह उन्होंने जंगल सफारी की। करीब 10:30 बजे पीएम तेजपुर से अरुणाचल प्रदेश की राजधानी ईटानगर पहुंचे। उन्होंने यहां 55 हजार 600 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इसमें दुनिया की सबसे ऊंचाई पर बनी डबल लेन टनल भी शामिल है। पीएम ईटानगर से एक बार फिर असम के जोरहाट पहुंचे। यहां उन्होंने स्वास्थ्य, आवास और पेट्रोलियम से जुड़े 17 हजार 500 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन किया। इसके अलावा उन्होंने असम के योद्धा लाचित बोरफुकन के 125 फीट की प्रतिमा का भी अनावरण किया। मोदी ने कहा, विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए पूर्वोत्तर का विकास आवश्यक है। कांग्रेस ने परियोजनाओं का शिलान्यास किया, तस्वीरें खिंचवाईं, लोगों को गुमराह किया और भाग गईं। लेकिन मोदी पूरे पूर्वोत्तर को अपना परिवार मानता है। दिन रात उनकी सेवा ही मेरा धर्म है।

मोदी को गाली देने वाली कांग्रेस और उसके दोस्तों ने आजकल कहना शुरू किया है कि मोदी का परिवार नहीं है। उनकी गाली के जवाब में पूरा देश खड़ा हो गया है, पूरा देश कह रहा है- मैं हूं मोदी का परिवार। देश का ये प्यार मोदी को इसलिए मिलता है क्योंकि मोदी ने 140 करोड़ देशवासियों को सिर्फ अपना परिवार ही नहीं माना, बल्कि उनकी दिनरात सेवा भी कर रहा है। 'विरासत भी और विकास भी' हमारी डबल इंजन की सरकार का मंत्र रहा है। विरासत के संरक्षण के साथ ही असम की डबल इंजन सरकार यहां के विकास के लिए भी उतनी ही तेजी से काम कर रही है। इंफ्रास्ट्रक्चर, स्वास्थ्य और ऊर्जा के क्षेत्र में असम ने अभूतपूर्व तेज गति दिखाई है। भाजपा सरकार देश में 3 करोड़ लखपति दीदी बनाने के अभियान पर भी काम कर रही है। इस अभियान के तहत स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं को और सशक्त किया जा रहा है, उन्हें नए अवसर उपलब्ध कराएं जा रहे हैं। इस अभियान का लाभ असम की भी लाखों महिलाओं को मिल चुका है। पीएम मोदी ने जिन प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन किया उसमें प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) के तहत बनाए गए

5.5 लाख से ज्यादा घरों का गृह प्रवेश भी था। इसके अलावा इन प्रोजेक्ट्स में बरौनी से गुवाहाटी तक 3,992 करोड़ रुपये की पाइपलाइन परियोजना भी शामिल है। इसके अलावा उन्होंने 768 करोड़ रुपये की लागत से डिगबोई रिफाइनरी के 0.65 मिलियन मीट्रिक टन से 1 मिलियन मीट्रिक टन तक विस्तार की आधारशिला भी रखी। साथ ही 510 करोड़ रुपये की लागत से गुवाहाटी रिफाइनरी के 1 मिलियन मीट्रिक टन से 1.2 मिलियन मीट्रिक टन तक विस्तार की आधारशिला भी उन्होंने रखी। मोदी शनिवार सुबह असम के काजीरंगा नेशनल पार्क में सुबह 6 बजे हाथी पर बैठकर जंगल सफारी की। इसके बाद जीप से नेशनल पार्क का भ्रमण किया।

सिलिगुड़ी में पीएम बोले-टीएमसी वालों को भतीजे की चिंता

सिलिगुड़ी, 9 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार 9 मार्च को असम और अरुणाचल प्रदेश के बाद पश्चिम बंगाल के सिलिगुड़ी पहुंचे। उन्होंने यहां 4,500 करोड़ रुपये के रेल और रोड प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री का पिछले 9 दिनों में पश्चिम बंगाल का ये तीसरा दौरा है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम ने कहा, टीएमसी वालों को भतीजे (ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी) की चिंता है। वहीं, कांग्रेस वालों को शाही परिवार के बेटे-बेटियों की चिंता है। ये आपकी चिंता क्या करेंगे। इससे पहले पीएम 6 मार्च को कोलकाता गए थे। यहां उन्होंने देश की पहली अंडर ग्राउंड मेट्रो का उद्घाटन किया था। इसके बाद उन्होंने संदेशखाली से 85 किलोमीटर दूर बारासात में रैली की थी। वे संदेशखाली की पीड़ित महिलाओं से भी मिले थे। इसके अलावा 1 मार्च को उन्होंने आरामबाग में जनसभा को संबोधित किया और फिर राजभवन में ममता बनर्जी से मुलाकात की। 2 मार्च को उन्होंने नदिया जिले के कृष्णानगर में 15 हजार करोड़ के प्रोजेक्ट्स का इनॉगरेशन किया था। आजादी के बाद लंबे समय तक पूर्वी भारत के विकास को, यहां के हितों को नजरअंदाज किया गया। हमारी सरकार पूर्वी भारत को देश के विकास का ग्रोथ इंजन मानकर चलती है। अब इस क्षेत्र में कनेक्टिविटी पर अभूतपूर्व निवेश हो रहा है। एक समय था, जब नॉर्थ-ईस्ट की तरफ बढ़ते ही ट्रेनों की रफ्तार धीमी हो जाती थी। हमारी सरकार का प्रयास नॉर्थ बंगाल में भी ट्रेनों की रफ्तार वैसी ही बढ़ाने का है, जैसे पूरे देश में बढ़ाया जा रहा है। अब तो नॉर्थ बंगाल से बांग्लादेश के लिए भी रेल कनेक्टिविटी शुरू हो गई है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत जिन 500 से ज्यादा स्टेशनों को आधुनिक बनाया जा रहा है, उनमें सिलीगुड़ी भी शामिल है। इन 10 सालों में हम बंगाल और पूर्वोत्तर के रेल विकास को पैसेंजर्स से एक्सप्रेस स्पीड तक ले आए हैं।

'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' का तीसरा दिन

अडानी का कर्ज माफ होता है किसानों-आदिवासियों का नहीं

अहमदाबाद, 9 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा का शनिवार को तीसरा दिन है। राहुल गांधी की यात्रा ने आज सुबह बोडेली के अलीपुर सर्किल से शुरू होकर नसवाड़ी से होते हुए नर्मदा जिला में प्रवेश किया। यहां से केवडिया और इसके बाद अब वे राजपीपला होते हुए अब यात्रा नेत्रंग पहुंची है।

नेत्रंग जनसभा में राहुल गांधी ने कहा, बीजेपी वाले आपको बताएंगे कि अच्छा विकास हो रहा है, लेकिन विकास आपका नहीं, अडानी-अंबानी का हो रहा है। हिंदुस्तान में जमीन के पहले मालिक आदिवासी हैं। लेकिन, भाजपा ने आपको वनवासी बना दिया है। वह आपको आपका अधिकार नहीं देना चाहती। अडानी का कर्ज माफ होता है, लेकिन किसानों और आदिवासियों का कर्ज माफ नहीं होता। बीजेपी आपकी ही जेब से चोरी कर रही है और कुछ लोग इसे विकास कहते हैं। कांग्रेस आपको पानी और आपकी जमीन का पूरा अधिकार देगी। इसके बाद यात्रा नेत्रंग से भरूच में प्रवेश करेगी। भरूच से होते हुए यात्रा शाम को सूरत पहुंचेगी, जहां रात्रि विश्राम किया। यात्रा के तीसरे दिन राहुल गांधी नर्मदा जिले में 70 सामाजिक संगठनों से मुलाकात करेंगे। यह बैठक नर्मदा जिले के कुंवरपारा में होगी, जिसमें किसानों, आदिवासियों और दलितों के मुद्दे पर काम करने वाले कार्यकर्ता भी शामिल होंगे। भरूच में होने वाली जनसभा में आप के विधायक चैतर वसावा भी मौजूद रहेंगे। बता दें, लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने गुजरात में आम आदमी पार्टी के साथ गठबंधन किया है।

राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा गुरुवार शाम मध्यप्रदेश से गुजरात के दाहोद पहुंची थी। इसके बाद राहुल गांधी झालोद पहुंचे, जहां उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम के आदिवासी नायक गोविंद गुरु के झालोद के कंबोई धाम में स्थित उनकी स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित कर गुजरात में यात्रा की शुरूआत की। राहुल गांधी 10 मार्च तक गुजरात में करीब 400 किमी की यात्रा करेंगे। इस दौरान 70 से अधिक स्थानों पर समर्थक उनका स्वागत करेंगे।

ओडिशा में भाजपा-बीजेडी के बीच गठबंधन पर बातचीत फेल

भाजपा बोली-हम अकेले चुनाव लड़ेंगे, दोनों पार्टियाँ विधानसभा-लोकसभा में ज्यादा सीटों पर अड़ी थीं

भुवनेश्वर, 9 मार्च (एजेंसियां)। ओडिशा में सत्तारूढ़ बीजू जनता दल (बीजेडी) और भाजपा के बीच गठबंधन को लेकर बातचीत फेल हो गई है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मनमोहन सामल ने शुक्रवार (8 मार्च) को दिल्ली से भुवनेश्वर लौटने के बाद कहा कि हमारी पार्टी राज्य में अकेले चुनाव लड़ेगी। किसी भी पार्टी के साथ गठबंधन या सीट बंटवारे पर कोई बातचीत नहीं हुई है।

सामल ने कहा, हम चुनावों के लिए अपनी तैयारियों पर चर्चा करने के लिए दिल्ली में केंद्रीय नेताओं से मिलने गए थे। भाजपा ओडिशा में आगामी लोकसभा और विधानसभा चुनाव जीतने को लेकर आश्वस्त है। पार्टी दोनों चुनाव अपने बल पर लड़ेगी।

भाजपा और बीजेडी के बीच गठबंधन को लेकर गुरुवार (7 मार्च) को अटकलें शुरू हुई थीं। दरअसल, बीजेडी नेता वीके पांडियन और प्रणब प्रकाश दास 7 मार्च को भाजपा के केंद्रीय नेताओं से मिलने एक चार्टर्ड विमान से दिल्ली गए थे। हालांकि, दिल्ली से लौटने के बाद बीजेडी नेताओं ने चुप्पी साधी रही।

बीजेडी और भाजपा को एक-दूसरे की मांग मंजूर नहीं :

सूत्रों के हवाले से बताया कि बीजेडी और भाजपा के बीच गठबंधन की बातचीत सीट बंटवारे पर अटक गई है। बीजेडी ने विधानसभा की 147 सीटों में से 112, लगभग 757 सीटों की मांग की थी, लेकिन भाजपा को यह मंजूर नहीं था। वर्तमान में, विधानसभा में बीजेडी के 114 सदस्य हैं।

इसके उलट भाजपा ने राज्य की 21 लोकसभा सीटों में से 14 सीटें मांगी थीं, जिसे बीजेडी ने खारिज कर दिया। बीजेडी ने 2019 के लोकसभा चुनावों में 12 सीटें जीती थीं, जबकि भाजपा ने 8 सीटें जीती थीं। बीजेडी के एक सीनियर नेता ने कहा कि 10 से कम लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ना हमारे लिए आत्मघाती होगा।

आंध्र प्रदेश में भाजपा का टीडीपी-जनसेना के साथ गठबंधन

इससे राज्य को फायदा मिलेगा, 6 साल पहले टूटा था गठबंधन : नायुडू

नई दिल्ली, 9 मार्च (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश में शनिवार को भाजपा, तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) और जनसेना पार्टी के बीच गठबंधन की सहमती बन गई है। टीडीपी सुप्रीमो चंद्रबाबू नायुडू ने कहा कि आंध्र प्रदेश बुरी तरह से बर्बाद हो गया है। इस गठबंधन के साथ आने से देश और राज्य को फायदा मिलेगा।

वहीं, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स में कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में देश और राज्य का विकास जरूर होगा। साथ ही भाजपा ने कहा कि एक-दो दिन में सीट शेयरिंग को लेकर भी बातचीत हो जाएगी। अलायंस को लेकर शनिवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के आवास पर एक बैठक हुई। इसमें टीडीपी सुप्रीमो चंद्रबाबू नायुडू और जनसेना पार्टी के अध्यक्ष पवन कल्याण शामिल हुए। बाद में टीडीपी सांसद कनकमेदाला रवींद्र कुमार ने भी बताया कि उनकी पार्टी एनडीए में शामिल हो रही है।

दरअसल, 2018 तक टीडीपी भाजपा की अगुआई वाले गठबंधन एनडीए के सबसे महत्वपूर्ण घटक दलों में से एक था। रिपोर्ट के मुताबिक दोनों पार्टियों के बीच सीट शेयरिंग को लेकर चर्चा चल रही है। आंध्र प्रदेश में 25 लोकसभा सीटें और 175 विधानसभा सीटें हैं। भाजपा चाहती है कि 8-10 लोकसभा सीटों पर उम्मीदवार उतारे, लेकिन अगर पवन कल्याण की जन सेना पार्टी भी एनडीए में शामिल होती है तो 5-6 सीटें भी भाजपा अपने पक्ष में ले सकती है। जेएसपी पहले ही टीडीपी के साथ गठबंधन कर चुकी है। उसे टीडीपी ने तीन लोकसभा सीटें और 24 विधानसभा सीटें दी गई हैं। भाजपा चाहती है कि वाइजैग, विजयवाड़ा, अराकु, राजामपेट, राजमंड्री, तिरुपति जैसी महत्वपूर्ण सीटों पर चुनाव लड़े।

टीडीपी ने 2019 के लोकसभा चुनावों से पहले 2018 में एनडीए गठबंधन से अपना नाम वापस ले लिया था। आंध्र प्रदेश को पूर्ण राज्य का दर्जा न मिलने से नाराज चंद्रबाबू नायुडू ने एनडीए सरकार से नाम वापस ले लिया था। उन्होंने गठबंधन से नाम वापस लेते हुए कहा था कि हमारा फैसला बिल्कुल सही है। केंद्र सरकार ने आंध्र के लिए अपने वादे पूरे नहीं किए। हम बजट सत्र की शुरूआत से ही संसद में मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं, पर अब तक कोई जवाब नहीं मिला।

आसिफ अली जरदारी पाकिस्तान के 14वें राष्ट्रपति बने

इस्लामाबाद, 9 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान में आज राष्ट्रपति पद के चुनाव में आसिफ अली जरदारी ने जीत हासिल की है। जरदारी पाकिस्तान के 14वें राष्ट्रपति बन गए हैं। उन्होंने इमरान खान के कैंडिडेट को 230 वोटों से हराया। जरदारी को 411 वोट मिले, जबकि इमरान खान के कैंडिडेट सिर्फ 118 वोट हासिल कर पाए। नवाज की पार्टी पीएमएल-एन और बिलावल की पार्टी पीपीपी ने मिलकर आसिफ अली जरदारी को उम्मीदवार बनाया था। वे साल 2008 में भी राष्ट्रपति बने थे। वहीं इमरान समर्थक एसआईसी पार्टी ने महमूद खान अचकजई को राष्ट्रपति उम्मीदवार बनाया था। राष्ट्रपति चुनाव में मतदान करते हुए पाकिस्तान नेशनल असेंबली के कुछ सदस्यों ने इमरान खान जिंदाबाद के नारे लगाए थे। हालांकि, जरदारी का राष्ट्रपति बनना पहले से तय माना जा रहा था।

जरदारी को 5 पार्टियों का समर्थन मिला :

जरदारी को अपनी पार्टी पीपीपी के अलावा नेशनल असेंबली में नवाज की पार्टी पीएमएल-एन और 3 अन्य पार्टियां एमक्यूएम-पी, बीएपी, आईपीपी का समर्थन मिला। वहीं, मौलाना फजल-उर-रहमान की जेयूआई-एफ पार्टी आम चुनाव में धांधली का आरोप लगाते हुए संसद से जुड़े सभी इलेक्शन बॉयकॉट कर रही है। ऐसे में उन्होंने राष्ट्रपति चुनाव में हिस्सा नहीं लिया था।

धर्मनिरपेक्षता का मजाक बनाकर रख दिया : देवगौड़ा

बेंगलूरू, 9 मार्च (एजेंसियां)। आगामी लोकसभा चुनाव से पहले सियासी दलों के एक-दूसरे पर हमले तेज हो गए हैं। इस बीच जद (एस) प्रमुख और पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा ने शनिवार को विपक्षी गठबंधन पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि 'इंडिया' उन दलों का संगठन है, जिन्होंने धर्मनिरपेक्षता का मजाक बनाकर रख दिया है। विपक्षी गठबंधन पर निशाना साधते हुए उन्होंने उन्हें याद दिलाया कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सुप्रीमो ममता बनर्जी प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार में रेल मंत्री थीं। इसी तरह तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के पिता एम करुणानिधि छह साल तक भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ थे। उनके दामाद तत्कालीन केंद्र सरकार मे मंत्री थे।

देश में मजाक बन गई धर्मनिरपेक्षता :

टीएमसी और डीएमके विपक्षी गंठबंधन 'इंडिया' के घटक दल हैं। देवगौड़ा ने कहा, हम कई उदाहरण दे सकते हैं। इस देश में अगर कोई धर्मनिरपेक्षता के बारे में बोलता है तो लोग कहते हैं कि यह एक मजाक है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के संस्थापक शरद पवार ने महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से हाथ मिलाया है। कांग्रेस का एक सदस्य (महाराष्ट्र में) विधानसभा अध्यक्ष था। मैं कई मामलों का हवाला दे सकता हूं और ये घटनाक्रम धर्मनिरपेक्षता के वास्तविक अर्थ के अनुरूप नहीं हैं।

कांग्रेस पर साधा निशाना :

कांग्रेस के इस आरोप पर कि उनके दल जद (एस) ने सांप्रदायिक भापा के साथ हाल मिलाया है, पूर्व प्रधानमंत्री ने पूछा कि देश की सबसे पुरानी पार्टी कितने राज्यों में सत्ता में है। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि यह केवल हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना में है। देवगौड़ा ने तीसरी बार जनादेश मांगने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा की।

उन्होंने कहा, मोदी, वाजपेयी से अलग हैं। वाजपेयी के नेतृत्व में भाजपा लोकसभा चुनावों में 180 से ज्यादा सीट का आंकड़ा पार नहीं पाई। जबकि मोदी को 282 सीट (अकेले भाजपा को) मिलीं और राजग सहयोगियों के पहले कार्यकाल में 350 से ज्यादा सीट थीं। पूर्व प्रधानमंत्री देवगौड़ा ने कहा कि अब वह गठबंध के साथ 400 का आंकड़ा पार करने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि मोदी के नेतृत्व को न केवल भारत बल्कि अन्य देशों में भी पहचान मिली है।

लोकसभा चुनाव ऐलान से पहले ईसी अरुण गोयल का इस्तीफा

नई दिल्ली, 9 मार्च (एजेंसियां)। चुनाव आयुक्त (ईसी) अरुण गोयल ने इस्तीफा दे दिया है। शनिवार 9 मार्च को जारी गजट नोटिफिकेशन में इसके बारे में जानकारी दी गई। गोयल का इस्तीफा उस वक्त आया है, जब कुछ दिनों में लोकसभा चुनाव का ऐलान होने वाला है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया है।

अरुण गोयल मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) बनने की कतार में थे, क्योंकि मौजूदा राजीव कुमार फरवरी 2025 में रिटायर होने वाले हैं। गोयल पंजाब कैडर के रिटायर्ड आईएएस अधिकारी हैं। उन्होंने नवंबर 2022 में चुनाव आयुक्त का पद संभाला था।

फरवरी में रिटायर हुए हैं चुनाव आयुक्त अनूप पांडे :

2024 लोकसभा से पहले चुनाव आयुक्त अनूप पांडे भी रिटायर हो चुके हैं। पांडे का रिटायरमेंट 15 फरवरी को हुआ था। इसके बाद से तीन सदस्यीय भारतीय चुनाव आयोग में एक पद खाली था। अरुण गोयल के इस्तीफे के बाद आयोग में अब केवल सीईसी राजीव कुमार ही रह गए हैं।

गोयल के इस्तीफे की वजह पता नहीं :

21 नवंबर 2022 को चुनाव आयुक्त बनाए गए अरुण गोयल का कार्यकाल दिसंबर 2027 तक था। हालांकि अभी यह पता नहीं चल सका है कि अरुण ने अपने पद से इस्तीफा क्यों दिया।

दो साल में पूरा होगा कुलशेखरपट्टनम लॉन्चपैड का काम

मदुरै, 9 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के प्रमुख एस सोमनाथ ने शनिवार को कहा कि चंद्रयान-4 को अभी अंतिम रूप नहीं दिया गया है।

उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुलशेखरपट्टनम लॉन्चपैड की आधारशिला रखी थी और यह काम दो साल में पूरा हो जाएगा। सोमनाथ ने बताया कि कुलशेखरपट्टनम से 500 किलोमीर तक के रॉकेट लॉन्च किए जा सकते हैं।

पुरी में श्रीजगन्नाथ मंदिर परिसर में गिरा पत्थर, मच गया हड़कंप

पुरी, 9 मार्च (एजेंसियां)। ओडिशा में श्रीजगन्नाथ मंदिर परिसर में शनिवार को एक मंदिर से पत्थर की पटिया गिर गई। मिली जानकारी के अनुसार, 12वीं शताब्दी के श्रीमंदिर परिसर में देवी बिमला मंदिर के पास बराह मंदिर से सुबह-सुबह पांच इंच चौड़ा और 10 इंच लंबा पत्थर का एक टुकड़ा गिर गया। अचानक हुई इस घटना से हड़कंप मच गया।

पहले भी हो चुका है हादसा

इससे पहले भी श्रीजगन्नाथ मंदिर के 'जलक्रीड़ा मंडप' (जल मनोरंजन कक्ष) से करीब 40 किलोग्राम वजनी एक पत्थर की पटिया गिर गई थी। मंदिर के जनसंपर्क अधिकारी लक्ष्मीधर पूजापंडा ने बताया था कि पत्थर सुबह के वक्त गिरा। हालांकि इस घटना में भी कोई हताहत नहीं हुआ था क्योंकि उस समय वहां कोई भक्त मौजूद नहीं था। उन्होंने बताया था कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने मरम्मत का काम शुरू कर दिया है। उन्होंने बताया कि दिन में मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं के विरोध के बाद लोगों को स्थल के पास जाने से रोक दिया गया है। 'जलक्रीड़ा मंडप' मुख्य मंदिर परिसर में मां बिमला मंदिर के करीब स्थित है।

पहाड़ों पर बर्फबारी तो इन राज्यों में जारी हुआ बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली, 9 मार्च (एजेंसियां)। देश के कई हिस्सों में मौसम का मिजाज बदला हुआ नजर आ रहा है। आने वाले दिनों में पहाड़ी इलाकों में एक बार फिर बर्फबारी और बारिश हो सकती है। मौसम विभाग (आईएमडी) के मुताबिक, 11 से 14 मार्च के बीच पश्चिमी हिमालयी क्षेत्रों और मैदानी इलाकों में हल्की बारिश होने की संभावना है। वहीं, हिमाचल प्रदेश, लद्दाख, जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड के

कुछ हिस्सों में हल्की बारिश और बर्फ गिर सकती है। 12 से 14 के बीच पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में बारिश होने की उम्मीद है।

अगले 24 घंटों में कैसा रहेगा मौसम?

अगले 24 घंटों में जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगितबाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, अरुणाचल प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में अलग-अलग स्थानों पर में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश और बर्फबारी हो सकती है। वहीं, पंजाब, झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, केरल और सिक्किम में अलग-अलग स्थानों पर भी हल्की बारिश होने की उम्मीद है।

इन राज्यों में बर्फबारी, बारिश का अलर्ट

13 और 14 मार्च को हिमालयी राज्यों में गरज के साथ बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने हिमाचल प्रदेश के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। वहीं, पंजाब में 12 और 13 मार्च को छिटपुट बारिश हो सकती है। आईएमडी ने 7 और 9 मार्च को ओडिशा, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में छिटपुट बारिश की भविष्यवाणी की है।अगले हफ्ते अरुणाचल प्रदेश में हल्की से मध्यम बारिश और बर्फबारी हो सकती है। इसके अलावा आज यानी 9 मार्च को तटीय आंध्र प्रदेश में हल्की छिटपुट वर्षा हो सकती है।

पश्चिम बंगाल: झारग्राम से भाजपा सांसद कुनार हेम्ब्रम ने दिया इस्तीफा, निजी कारणों का दिया हवाला

कोलकाता, 9 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के झारग्राम से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद कुनार हेम्ब्रम ने शनिवार को कहा कि उन्होंने लोकसभा की सदस्यता और पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। हेम्ब्रम ने संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने निजी कारणों से यह फैसला लिया है। भाजपा की प्रदेश इकाई के प्रवक्ता समिक भट्टाचार्य ने कहा, ''हेम्ब्रम ने कुछ दिन पहले पार्टी को अपने फैसले के बारे में सूचित किया था।'' इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए तृणमूल कांग्रेस ने कहा कि उन्होंने ''पराजय को भांपते हुए'' इस्तीफा दिया है।

कांग्रेस छोड़ आम आदमी पार्टी में शामिल हुए गुरप्रीत जीपी, सीएम भगवंत मान ने किया पार्टी में स्वागत

चंडीगढ़, 9 मार्च (एजेंसियां)। बस्सी पठाना के पूर्व कांग्रेस विधायक गुरप्रीत जीपी ने आज आम आदमी पार्टी का दामन थाम लिया। वे सुबह सीएम भगवंत मान से मिलने पहुंचे और उनकी अगुवाई में आम आदमी पार्टी की सदस्यता ली। इस दौरान कैबिनेट मंत्री गुरमीत सिंह मीत हेयर भी मौजूद रहे। माना जा रहा है कि जीपी फतेहगढ़ साहिब लोकसभा सीट से टिकट के उम्मीदवार भी रहेंगे। फतेहगढ़ साहिब के विधानसभा क्षेत्र बस्सी पठाना से गुरप्रीत सिंह जीपी कांग्रेस के पूर्व विधायक रहे हैं। वह 2017 में विधायक बने थे।

पिता के खिलाफ बच्चे के मन में अलगाव पैदा करना मानसिक क्रूरता, हाईकोर्ट से पति को मिला तलाक

जबलपुर, 9 मार्च (एजेंसियां)। जबलपुर हाईकोर्ट बेंच ने पति की तलाक की अर्जी को मंजूरी देते हुए सख्त टिप्पणी की। बेंच ने कहा कि पिता के खिलाफ बच्चे के मन में अलगाव पैदा करना मानसिक क्रूरता है। हाईकोर्ट जस्टिस शील नागू और जस्टिस विनय सराफ की युगलपीठ ने कुटुम्ब न्यायालय के आदेश को निरस्त करते हुए तलाक की डिग्री जारी करने के आदेश जारी किए हैं। दरअसल, मुंबई निवासी करणदीप सिंह छाबड़ा ने कुटुम्ब न्यायालय द्वारा तलाक का आवेदन खारिज किए जाने पर हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी।

जिसमें उसने बताया कि साल 2014 में उसकी शादी जबलपुर की रहने वाले एक युवती से हुई थी। विवाह के पांच महीने बाद पत्नी गर्भवती हुई तो वह अपने माता-पिता के साथ मायके आ गई। मायके आने के बाद पत्नी ने जबलपुर में उसके परिजनों, रिश्तेदार के खिलाफ घरेलू हिंसा ,धोखाधड़ी और धमकाने का केस दर्ज करा दिए।

याचिका में पीड़ित पति ने कहा कि पत्नी बिना किसी उचित कारण के स्वेच्छा से मायके में रह रही है। उसके अपनी मर्जी से सुसराल का परित्याग कर दिया है। जिसके कारण वह वैवाहिक अधिकार से वंचित है। युगलपीठ ने सुनवाई के दौरान पाया कि अनावेदक पत्नी जानबूझकर बेटी को पिता से नहीं मिलने देती थी। उसने अपनी बेटी के मन में पिता के खिलाफ अलगाव पैदा कर दिया। जिसके कारण बेटी अपने पिता के खिलाफ बोलने लगी, जो मानसिक क्रूरता के अंतर्गत आता है। युगलपीठ ने अपने आदेश में कहा कि पत्नी दो साल की अधिक अवधि से बिना किसी उचित कारण के पति से अलग रह रही है। इसके अलावा उसने पति सहित उसके परिजनों और रिश्तेदारों के खिलाफ पुलिस में रिपोर्ट भी दर्ज करवाई है।

कांग्रेसियों का भाजपा में आना मोदी को फिर से पीएम बनाने की रणनीति, डिप्टी सीएम देवड़ा बोले

खंडवा, 9 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा शनिवार सुबह खंडवा जिले पहुंचे। जहां उन्होंने मूंदी नगर स्थित मांधाता विधायक नारायण पटेल के घर पहुंचकर उनसे मुलाकात की। जिसके बाद वे खंडवा विधायक कंचन तनवे के निवास पर भी पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस के दिग्गज नेताओं के भाजपा में शामिल होने को लेकर मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दोबारा दिल्ली के सिंहासन पर बैठाने की रणनीति है। बता दें कि शनिवार सुबह कांग्रेस के पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी और पूर्व विधायक संजय शुक्ला समेत 13 नेता भाजपा में शामिल हुए थे।

दिल्ली के सिंहासन पर मोदी को बैठाने चल रहे ये सब कार्यक्रम

कांग्रेस नेताओं के भाजपा में शामिल होने को लेकर उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा से कहा कि यह प्रक्रिया निरंतर चल रही है। कांग्रेस के बहुत सारे साथी भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर रहे हैं। भाजपा के प्रति हिंदुस्तान की जनता का अपार उत्साह है और पीएम मोदी के प्रति अटूट विश्वास है। मोदी प्रधानमंत्री के रूप में दिल्ली के सिंहासन पर बैठेंगे, इसी सिलसिले में यह सब कार्यक्रम चल रहे हैं।

छात्रा के सामने की अश्लील हरकत एफआईआर दर्ज कर आरोपी की तलाश में पुलिस

नई दिल्ली, 9 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस ने जेएनयू में एक छात्रा के सामने अश्लील हरकत करने के आरोप में एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। घटना गुरुवार 7 मार्च की है। यह मामला जेएनयू प्रशासन की ओर से शिकायत दर्ज कराए जाने के बाद दर्ज किया गया था। आरोपियों की तलाश जारी है। दिल्ली पुलिस ने यह जानकारी दी है।

लोकसभा चुनाव से पहले गृह मंत्रालय का बड़ा फैसला

अनुप्रिया पटेल को मिली जेड कैटेगरी की सुरक्षा

वाराणसी, 9 मार्च (एजेंसियां)। आगामी लोकसभा चुनाव से पहले गृह मंत्रालय ने बड़ा फैसला लिया है। अपना दल (एस) की नेता और केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल जेड कैटेगरी की सुरक्षा मिली है। इससे पहले उन्हें वॉय कैटेगरी की सुरक्षा मिली हुई थी। जानकारी के अनुसार, अपना दल (एस) की नेता अनुप्रिया पटेल की सुरक्षा में बढ़ोतरी की गई है। गृह मंत्रालय ने उनको दी गई वॉय कैटेगरी की सुरक्षा को बढ़ाकर जेड कैटेगरी कर दी है। जेड श्रेणी में 22 कर्मी होते हैं। इसमें चार से छह एनएसजी कमांडो और पुलिसकर्मी शामिल होते हैं।

कुल्लू जिला में 180 ग्राम चरस बरामद

कुल्लू, 9 मार्च (एजेंसियां)। थाना सैंज और थाना पतलीकुहल के अंतर्गत पुलिस ने चरस तस्करी के आरोप में तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। चरस तस्करी का मामला वीरवार रात उस दौरान सामने आया है जब पुलिस लारजी फॉरेस्ट चेक पोस्ट पर नाका पर मौजूद थी। इस दौरान पुलिस ने एक बाइक एचपी 87 - 0867 को जांच के लिए रोका गया।

जांच के दौरान बाइक सवार दो युवकों के कब्जे से 180 ग्राम चरस बरामद की। पुलिस ने आरोपी पूर्ण चंद (27) पुत्र मंगलू राम निवासी गाँव व डाकघर कलहनी तहसील थुनाग जिला मंडी व दीवान चंद (21) पुत्र श्री शोभा राम निवासी गाँव ढिंगचा डाकघर गुशैणी तहसील बन्जार जिला कुल्लू के विरुद्ध मादक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है। अन्य मामले में पतलीकुहल पुलिस ने फोजल नेरी में एक व्यक्ति के कब्जे से 298 ग्राम चरस बरामद की। पुलिस अधीक्षक डॉक्टर कार्तीकेयन ने बताया कि पुलिस ने आरोपी अमर चंद (51) पुत्र सोहन लाल निवासी कास्था डाकघर फोजल ज़िला कुल्लू के विरुद्ध मादक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

2000 करोड़ के ड्रग्स की तस्करी के आरोप में फिल्म निर्माता गिरफ्तार

नई दिल्ली, 9 मार्च (एजेंसियां)। देश से बाहर 2,000 करोड़ रुपये से अधिक के ड्रग्स की तस्करी के आरोप में पुलिस ने एक फिल्म निर्माता को गिरफ्तार किया गया है। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने शनिवार को कहा कि दक्षिण के फिल्म इंडस्ट्री में काम कर चुके डीएमके के पूर्व पदाधिकारी जाफर सादिक को चार महीने की तलाशी के बाद गिरफ्तार किया गया। एनसीबी ने सादिक को भारत-ऑस्ट्रेलिया-न्यूजीलैंड ड्रग्स तस्करी नेटवर्क का किंगपिन भी बताया है। एनसीबी के अनुसार सादिक पर आरोप है कि उसने ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में 2,000 करोड़ रुपये की दवाओं की तस्करी की है। एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि आरोपी ने 45 से अधिक बार 3,500 किलोग्राम स्यूडोएफ़ेड्रिन विदेश भेजा है।

बता दें कि सादिक ने अब तक चार फिल्में बनाई हैं और उनकी आखिरी फिल्म इसी महीने रिलीज होने वाली है। अधिकारियों ने सादिक की गिरफ्तारी मदुरई में दो रेल यात्रियों और चेन्नई में एक डंप यार्ड से 180 करोड़ रुपये मूल्य की मेथामफेटामाइन जब्त करने के एक हफ्ते बाद की है। जांच में पता चला है कि ये ड्रग्स श्रीलंका में तस्करी के लिए थीं। अधिकारियों ने कहा कि 29 फरवरी को पैसेंजर कपल से कुल 36 किलोग्राम और चेन्नई के कोडुंगैयुर डंप यार्ड से 6 किलोग्राम जब्त किया गया था। बरामदगी के बाद दंपति को हिरासत में लिया गया।

पहले राजस्व खुफिया निदेशालय ने कहा था कि मेथमफेटामाइन, जिसे आइस या क्रिस्टल मेथ के रूप में भी जाना जाता है, एक अत्यधिक नशे की लत वाली साइकोस्टिमुलेंट ड्रग्स है, जो कोकीन के समान शक्तिशाली उत्साहजनक प्रभाव प्रदर्शित करती है और इसके जीवन-घातक परिणाम होते हैं। ड्रग्स पकड़े जाने के बाद भाजपा के राज्य प्रमुख के अन्नामलाई ने सत्तारूढ़ द्रमुक पर हमला बोला था और कहा था कि तमिलनाडु भारत की नशीली दवाओं की राजधानी बन गया है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय ड्रग सरगना और डीएमके पदाधिकारी जाफर सादिक फरार था। एनसीबी डीएमके पदाधिकारियों के प्रतिष्ठानों पर छापेमारी कर रही थी।

तमिलनाडु के रास्ते में 1,200 करोड़ की कीमत का माल गुजरात के तट से पकड़ा गया, और आज राजस्व खुफिया निदेशालय द्वारा मदुरै में परिवहन के दौरान 30 किलोग्राम मेथामफेटामाइन पकड़ा।

शिकारियों के बिछाए करंट की चपेट में आने से बाघ की मौत, दस किमी दूर खेत में मिला शव

बालाघाट, 9 मार्च (एजेंसियां)। बालाघाट के कान्हा नेशनल पार्क के मुक्की गेट से लगभग दस किलोमीटर दूर स्थित एक खेत में व्यस्क बाघ का शव मिला। बाघ की मौत का कारण करंट लगना बताया जाता है। इसकी सूचना मिलने पर पार्क प्रबंधक तथा वन विभाग में हड़कंप की स्थिति निर्मित हो गई। वन प्राणियों के शिकार के लिए शिकारियों ने विद्युत तार लगाया था। जानकारी के अनुसार बैहर तहसील के ग्राम करेली स्थित एक खेत में लोगों ने व्यस्क नर बाघ का शव देखा। ग्रामीणजनों द्वारा पार्क प्रबंधक को इसकी सूचना दी गई। सूचना पर पार्क प्रबंधक के कर्मचारी घटनास्थल पर पहुंचे। जिस खेत में बाघ का शव पड़ा हुआ है वहां विद्युत तार मिले थे। संभावना व्यक्त की जा रही है कि वन्य प्राणियों का शिकार करने शिकारियों ने विद्युत तार बिछाए थे। विद्युत तार से करंट लगने के कारण व्यस्क बाघ की मौत हुई है। पार्क प्रबंधक ने बाघ के शव को अपने कब्जे में ले लिया है। व्यस्क बाघ की आयु लगभग 8 साल के लगभग है। इस घटना से पार्क प्रबंधन में हड़कंप की स्थिति बनी हुई है। पार्क प्रबंधन बाघ की मौत के कारण पर चुप्पी धारण किए हुए है। कान्हा तथा बांधवगढ़ नेशनल पार्क में लगातार बाघ की मौत हो रही है।

महाराष्ट्र की सियासत से बड़ी खबर

एनडीए गठबंधन ने सीट शेयरिंग के लिए तैयार किए ये 2 फॉर्मूले

मुंबई, 9 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की सियासत में शीट शेयरिंग को लेकर एनडीए गठबंधन से जुड़ी बड़ी खबर सामने आ रही है। एनडीए कैंप में सबसे ज्यादा माथापच्ची महाराष्ट्र को लेकर चल रही है। बताया जा रहा है कि महाराष्ट्र के लिए एनडीए ने सीट शेयरिंग के दो फॉर्मूले तैयार किए हैं। पहले फॉर्मूले के मुताबिक, बीजेपी 34 सीटों पर अपनी कैंडिडेट उतार सकती है।

वहीं शिवसेना (शिंदे गुट) 10 सीट पर चुनाव लड़ सकती है। वहीं अजित पवार की एनसीपी को 4 सीट मिल सकती हैं। दूसरे फॉर्मूले के मुताबिक, बीजेपी 36 सीटों पर चुनाव लड़ सकती है। शिवसेना(शिंदे गुट) को 8 सीट मिल सकती हैं। वहीं अजित पवार की पार्टी 2 सीट पर चुनाव लड़ सकती है। दो सीट निर्दलीय कैंडिडेट को मिल सकती हैं। महाराष्ट्र में कौन सा फॉर्मूला चलेगा? इस पर अंतिम निर्णय होना बाकी है। वहीं एक और बड़ी खबर सियासी दुनिया से सामने आ रही है कि आंध्र पर टीडीपी, बीजेपी और जनसेना की मीटिंग खत्म हो गई है। तीनों दलों के बीच करीब एक घंटे बैठक चली है। इस बैठक में गृह मंत्री अमित शाह और बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा मौजूद थे।

मध्य प्रदेश: कांग्रेस को बड़ा झटका!

पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी समेत कई नेता बीजेपी में शामिल हुए

भोपाल, 9 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस नेता सुरेश पचौरी बीजेपी में शामिल हो गए हैं। उन्होंने सीएम मोहन यादव, पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान, प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष वीडी शर्मा और मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की मौजूदगी में बीजेपी ज्वाइन की। बता दें कि उन्होंने राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा से दूरी बनाई हुई थी। मध्य प्रदेश में भी भारत जोड़ो न्याय यात्रा में वह नहीं दिखे थे। सुरेश कांग्रेस नेतृत्व से नाराज चल रहे थे। सुरेश पचौरी 4 बार के

सांसद रहे हैं। वह कांग्रेस की सरकार में केंद्रीय मंत्री रह चुके हैं। उन्होंने अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत साल 1972 में युवा कांग्रेस कार्यकर्ता के रूप में की थी। फिर वह 1984 में राज्य युवा कांग्रेस अध्यक्ष बने। 1984 में ही सुरेश पचौरी को राज्यसभा के लिए चुना गया। इसके बाद साल 1990, 1996 और 2002 में वे सांसद बने। सुरेश पचौरी दो बार चुनावी मैदान में उतरे। 1999 में उन्होंने भोपाल सीट से उमा भारती के खिलाफ चुनाव लड़ा, लेकिन हार गए। साल 2013 में वह सुरेंद्र पटवा के खिलाफ चुनाव लड़े लेकिन उन्हें हार मिली। उन्हें कांग्रेस का सीनियर नेता माना जाता है। उन्हें कांग्रेस संगठन का काफी अनुभव है।

रिलायंस पेट्रोल पम्प सील, राजस्व राशि बकाया होने पर की गई कार्रवाई

छिंदवाड़ा, 9 मार्च (एजेंसियां)। छिंदवाड़ा शहर के सिवनी रोड स्थित रिलायंस पेट्रोल पम्प में शनिवार को राजस्व विभाग ने दबिश दी। डायवर्जन राशि जमा नहीं करने के चलते दबिश दी गई। डायवर्जन राशि जमा नहीं करने पर रिलायंस पेट्रोल पम्प सील किया गया। तहसीलदार धर्मेंद्र चौकसे ने जानकारी दी कि रिलायंस पेट्रोल पंप संचालक मिहिर पंड्या को ढाई लाख रुपए की बकाया डायवर्सन राशि जमा करने नोटिस जारी किया गया था। पेट्रोल पंप संचालक ने बकाया राशि जमा नहीं की थी। इसके चलते पेट्रोल पम्प को सील करने की कार्रवाई की गई थी। इस संबंध में तहसीलदार धर्मेंद्र चौकसे ने बताया कि वसूली अभियान चलाया जा रहा है। इसके चलते बड़े बकायादारों पर कार्रवाई की जा रही है।

गुजरात सरकार ने 3 मदरसों पर चलाया बुलडोजर अवैध रूप से सरकारी जमीन पर हुआ था निर्माण

कच्छ, 9 मार्च (एजेंसियां)। गुजरात सरकार ने कच्छ पश्चिम के कुरण और कांधवण गांव में बड़ी कार्रवाई की है। गुजरात सरकार ने 3 मदरसों पर बुलडोजर चलाया है। ये मदरसे सरकारी जमीन पर अवैध रूप से बने थे। गुजरात के गृह राज्य मंत्री हर्ष सांघवी ने हालही में दिया था ये बयान हालही में गुजरात के गृह राज्य मंत्री हर्ष सांघवी ने बताया था कि राज्य में 108 अवैध मजार जमींदोज कर गई हैं। जूनागढ़ के ऊपरकोट में बनाई गई अवैध मजारों के गिराए जाने की बात भी उन्होंने बताई थी। उन्होंने कहा था कि हमारा बुलडोजर हर उस इमारत को गिराने के लिए तैयार है, जो साजिशन बनाई गई है। हर्ष सांघवी ने ये भी कहा था कि भूपेंद्र भाई पटेल का बुलडोजर राज्य के हर कोने में घूम रहा है। कोई नहीं जानता कि बुलडोजर कहां जाएगा। उन्होंने कहा कि सोमनाथ के आसपास का अतिक्रमण भी हटा दिया गया है। सरकार अतिक्रमण हटाओ अभियान आगे भी चलाती रहेगी। इससे पहले मंत्री ने गरबा पर भी बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि गुजरात में लोग गरबा नहीं कर सकते हैं तो क्या वे पाकिस्तान में ऐसा करेंगे? इस बयान के अगले ही दिन एक पक्ष के लोगों ने हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर कर दी थी।

विदेशी आईडी का इस्तेमाल कर देश के पैसे को बाहर भेज रहे हैं जालसाज, तीन आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, 9 मार्च (एजेंसियां)। देश में जालसाज भी हाईटेक होते जा रहे हैं। जालसाज ठगी के पैसे को विदेशी आईपी एड्रेस का इस्तेमाल कर देश से बाहर भेज रहे हैं। दक्षिण जिले की साबइर थाना पुलिस ने एक ऐसे ही गिरोह का पर्दाफाश कर तीन जालसाज विकास यादव, अर्जुनलाल यादव और अंकित यादव को गिरफ्तार किया है। इन जालसाजों के एक बैंक खाते से मात्र 18 दिन में 3.95 करोड़ रुपये का लेन-देन हुआ है। जालसाजों ने आरबीएल बैंक खाते में ऑनलाइन बैंकिंग की है, उन इंटरनेट का आईपी एड्रेस सिंगापुर, चीन व हांगकांग आ रहा है।

मोरबी में हादसा,नवनिर्मित मेडिकल कॉलेज का स्लैब गिरा, कई दबे

मोरबी, 9 मार्च (एजेंसियां)। गुजरात के मोरबी में एक बार फिर बड़े हादसे की खबर सामने आई है। मोरबी में नवनिर्मित मेडिकल कॉलेज का एक स्लैब गिर गया, जिसकी चपेट में कई लोगों के आने की खबर है। हादसे के तुरंत बाद बचाव दल मौके पर पहुंच गया है। जो मलबे में दबे लोगों को निकालने के लिए रेस्क्यू अभियान चला रहा है। जानकारी के अनुसार निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज की इमारत का एक हिस्सा शुक्रवार शाम ढह गया, जिसमें कम से चार कर्मचारियों के घायल होने की खबर है। हादसे को लेकर अधिकारियों ने बताया कि रात करीब आठ बजे छत गिरने की घटना सामने आई, जिसमें छत भरने में लगे चार मजदूर घायल हो गए। जिसके बाद लोगों को बचाने के लिए प्रशासन की ओर से राहत एवं बचाव अभियान चलाया गया। पुलिस ने कहा कि यह घटना मेडिकल कॉलेज की नई इमारत की पहली मंजिल पर भराई के काम के दौरान हुई, जिसके रिणामस्वरूप स्लैब गिर गया, जिससे कम से कम चार कर्मचारी घायल हो गए। सूचना के बाद, अधिकारी, अन्य कॉलेज अधिकारियों के साथ, स्थिति की निगरानी करने और सहायता प्रदान करने के लिए घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि सभी घायल लोगों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया है। बताया जा रहा है कि एक अन्य मजदूर मलबे में फंसा हुआ है और उसे बचाने के लिए ऑपरेशन जारी है। बता दें कि इससे पहले मोरबी उस वक्त चर्चाओं में आया, जब यहां एक केबल पुल गिरने से बड़ा हादसा हुआ, जिसमें 141 लोगों की मृत्यु हो गई थी। हादसा 30 अक्टूबर 2022 को हुआ था।

सुविचार: फिर से प्रयास करने से कभी मत घबराना क्योंकि इसबार शुरुआत शून्य से नहीं अनुभव से होगी।

हरीश राव ने सरकार की आलोचना की

हैदराबाद, 9 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सिद्दीपेट विधायक हरीश राव ने आज कहा, केसीआर के शासन के दौरान किसी भी दिन बिजली कटौती नहीं हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार के शासनकाल में बिजली कटौती शुरू हो गयी है। उन्होंने याद करते हुए कहा कि जब वह शुक्रवार को एक गांव में गए थे तो किसान चिंतित थे कि बिजली कटौती शुरू हो गई है। जहीराबाद संसदीय क्षेत्र में मुन्नुरु कापू समुदाय के नेताओं ने तेलंगाना भवन में हरीश राव से मुलाकात की और संसदीय चुनाव में मौका देने की मांग करते हुए एक ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर बोलते हुए, हरीश राव ने कहा कि वह उनके अनुरोध को पार्टी अध्यक्ष केसीआर के समक्ष उठाएंगे। हम आपके विचार स्पष्ट करेंगे। केसीआर ऐसे व्यक्ति हैं जो अधिक लोगों को अवसर देते हैं। हरीश राव ने याद दिलाया कि मुन्नुरु कापू समुदाय के कई कापू नेताओं को पहले भी पार्टी ने मौका दिया था। उन्होंने कहा कि हुए कि कांग्रेस नेताओं ने 9 दिसंबर को 13 वादे किए थे, उन्होंने कहा कि ऋण माफी का वादा अब तक लागू नहीं किया गया है। हरीश राव ने आलोचना करते हुए कहा कि कितनी भी तारीखें बदल जाएं, कर्जमाफी नहीं हो रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी द्वारा कुल 420 धोखाधड़ी का वादा किया गया था। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के हितों के लिए लड़ने वाले बीआरएस को आगामी एमपी चुनावों में जीतना चाहिए। हरीश राव ने कहा, अगर कांग्रेस के वादों को लागू किया जाना है, तो यह बीआरएस के संघर्ष से ही संभव होगा। उन्होंने कहा कि किसानों को एक साथ आना चाहिए और आगामी लोकसभा में कांग्रेस पार्टी को सबक सिखाने के लिए हाथ मिलाना चाहिए।

आईटीआई में उन्नत तकनीकी कौशल प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने के लिए समझौता

हैदराबाद, 9 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने सचिवालय में टाटा टेक्नोलॉजीज के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, मंत्री श्रीधर बाबू, सरकार की मुख्य सचिव शांति कुमारी और अन्य अधिकारी उपस्थित थे। टाटा समूह की एक कंपनी ने राज्य के 65 आईटीआई में उन्नत तकनीकी कौशल प्रशिक्षण केंद्र (कौशल केंद्र) स्थापित करने के लिए राज्य सरकार के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। अधिकारियों ने संबंधित एमओयू दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए। टाटा टेक्नोलॉजीज लिमिटेड (टीटीएल) राज्य में सरकारी आईटीआई को उन्नत प्रौद्योगिकी केंद्रों में अपग्रेड करेगी। टाटा टेक्नोलॉजीज सरकार के साथ साझेदारी में यह नया प्रोजेक्ट कर रही है।

कौशल अंतर को पाटने के लिए 9 दीर्घकालिक, 23 अल्पकालिक पाठ्यक्रमों के साथ-साथ ब्रिज पाठ्यक्रमों का संचालन करना है। सरकार इस परियोजना को इसी शैक्षणिक वर्ष 2024-25 से लागू करने की तैयारी कर रही है।

केसीआर ने नवीन कुमार रेड्डी को बी-फॉर्म सौंपा

हैदराबाद, 9 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के अध्यक्ष कल्वाकुंतला चंद्रशेखर राव ने आज पार्टी नेता नागरकुंटा नवीन कुमार रेड्डी को बी-फॉर्म सौंपा, जो महबूबनगर स्थानीय निकायों के एमएलसी उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं। ज्ञात हो कि हाल ही में नवीन कुमार रेड्डी को केसीआर ने बीआरएस पार्टी एमएलसी उम्मीदवार के रूप में फाइनल किया है। यह निर्णय अविभाजित पालमुरु जिले के नेताओं की राय के अनुसार लिया गया। नवीन कुमार का गृहनगर नंदीगामा मंडल में ममिदिपल्ली है। उन्होंने अविभाजित पालमुरु जिला परिषद के उपाध्यक्ष के रूप में कार्य किया। ज्ञात हो कि स्थानीय निकायों के कोटे से महबूबनगर के एमएलसी चुने गए कासिरेड्डी नारायण रेड्डी ने हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में कलवाकुर्ती से कांग्रेस पार्टी के विधायक के रूप में जीत हासिल की। मालूम हो कि उन्होंने एमएलसी पद से इस्तीफा दे दिया है।

इंदिराम्मा आवास योजना के लिए केन्द्र से सहायता लेगी राज्य सरकार

हैदराबाद, 9 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार गरीबों के लिए अपने घर के सपने को साकार करने की दिशा में कदम उठा रही है। इसके एक हिस्से के रूप में राज्य सरकार राज्य में इंदिराम्मा हाउस योजना के तहत कस्बों में घरों के निर्माण के लिए केंद्र सरकार का सहयोग लेने की योजना बना रही है। केंद्र ने सभी के लिए आवास योजना के तहत कुछ धनराशि जुटाकर एक कदम आगे बढ़ाने का फैसला किया है। केंद्र ने पहले भी आवास निर्माण के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की है। पिछली सरकार द्वारा बनाए गए दो-बेड वाले मकानों के निर्माण के लिए 2016-17 में एक बार केंद्र से 1,100 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता मिली थी। ग्रेटर हैदराबाद में लाभार्थियों को आवंटित घरों की जानकारी हाल ही में केंद्रीय वेबसाइट पर अपलोड करने के साथ, केंद्र से 430 करोड़ मिलेंगे। शहरी और ग्रामीण इलाकों में मकान निर्माण के लिए केंद्र की गाइडलाइन अलग-अलग हैं।

अधिकारियों के मुताबिक, ग्रामीण घरों के निर्माण के लिए केंद्र द्वारा लागू नियम शहरी क्षेत्रों की तुलना में उतने अनुकूल नहीं हैं।

केंद्र सरकार शहरी क्षेत्रों में प्रत्येक घर के निर्माण के लिए डेढ़ लाख रुपये तक की सहायता दे रही है। ग्रामीण इलाकों में रकम कम है और शर्तें भी ज्यादा हैं। अधिकारियों का कहना है कि ग्रामीण इलाकों में बनने वाले मकानों के लिए केंद्र सिर्फ 72 हजार रुपये ही मुहैया करा रहा है। ग्रामीण इलाकों में केंद्र से सहायता लेने के संबंध में कोई निर्णय नहीं लिया गया है। मालूम हो कि राज्य सरकार ने प्रत्येक घर के निर्माण पर 5 लाख रुपये खर्च करने का फैसला किया है।

केंद्र द्वारा लगाई गई शर्तों में से एक यह है कि केंद्र सरकार की मदद से घर बनाने की स्थिति में उनके द्वारा बनाया गया लोगो मुद्रित होना चाहिए। इसके लिए शहरी क्षेत्रों में बनने वाले घर के मुख्य द्वार के दोनों ओर की दीवारों पर केंद्र और राज्य सरकार के लोगो छापने की योजना है। राज्य सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि इंदिराम्मा आवास के दिशानिर्देशों में भी इस पहलू का उल्लेख किया जाना चाहिए।

इंदिराम्मा आवास योजना में जिला प्रभारी मंत्रियों की भूमिका अहम है। किस गांव और नगर पालिका में कितने मकान स्वीकृत किए जाएं से लेकर लाभार्थियों के चयन तक, अंतिम निर्णय संबंधित जिलों के प्रभारी मंत्रियों पर निर्भर करता है। ऐसा लगता है कि राज्य सरकार दिशानिर्देशों में यह शामिल करेगी कि 2 चरणों में आवास निर्माण के निरीक्षण के लिए 'चेकर्स और मार्कर' के नाम पर निरीक्षण अधिकारियों का चयन करते समय प्रभारी मंत्रियों की मंजूरी ली जानी चाहिए। इस महीने की 11 तारीख को इंदिराम्मा हाउस योजना शुरू होगी इंदिराम्मा मकान योजना के लिए हुडको से सरकार को 3 हजार करोड़ का लोन मिलेगा।

श्री आईजी गौशाला [रजि.नं. 720/2008]
मल्काराम, बालाजीनगर (कापरा मंडल)
आज रविवार, दिनांक 10.03.2024 फाल्गुण अमावस्या
प्रातः 10.30 बजे से 1 बजे तक सुंदरकांड पाठ एवं भजन कार्यक्रम पंडित सत्यनारायणजी शर्मा द्वारा
आज भोजन-प्रसादी की व्यवस्था ✲ कीसरा एसोसिएशन मित्र मंडल ✲
8074611658, 9948177436 की तरफ से रहेगी
धार्मिक अमावस्या के अवसर पर सपरिवार पधारकर गौसेवार्थ दान-पुण्यकर लाभ लेवें
गौशाला के बैंक एकाउंट में भी अपनी दान राशी जमा कराकर, पुण्य के भागीदार बनें
(Sri Aaiji Gowshala, SBI A/c Cheeryal A/c no: 62492036580; IFSC: SBIN0020435)
निवेदक: श्री आईजी गौशाला के पदाधिकारी व सदस्यगण
अध्यक्ष : मंगलाराम पंवार 9246108583 सचिव : हुक्माराम सानपुरा 9441118022

जय श्री राम ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ (स्थापना: दि. 13.01.2010) जय श्री राम
आज रविवार दिनांक 10-03-2024
फाल्गुन अमावस्या
यादेवी श्री आईजी गौशाला
शुभस्थल : एन एच 44, मेडचल रोड, कल्लाकल।
गौशाला प्रांगण में भोजन प्रसादी एवं भजनों का कार्यक्रम रहेगा।
गौशाला में पधार करदान पुण्य कर, दर्शन, पूजन, सेवा का लाभ लैवे।
सम्पर्क : नारायणलाल :8712311785, सिरवि वी ताराराम पंवार :9246368842
Gpay / phone pay : 9246368842
CHOUDHARY BROTHERS
HNo : 1-307, NH 44, OPP BUS DEPOT, MEDCHAL
SOHANLAL : 9032160794

।। जय गौ माता।। जय जय रघुवीर समर्थ ।। श्री श्री श्री सद्गुरु ।।
श्री समर्थ कामधेनु गौशाला
श्री सद्गुरु समर्थ नारायण आश्रम, शिवबाग, जियागुड़ा, हैदराबाद. फोन : 9296358630, 7013711317
आज रविवार, 10-3-2024 को अमावस्या
"गौ माता की सेवा से आयु, स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि एवं ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है। पापों का नाश होता है।" गौ-ग्रास सेवा से सुख-शांति, मंगलमय जीवन, सर्व दोष निवारण का लाभ उठाएँ। गौशाला में गौ दान की सुविधा उपलब्ध है।
(For Income Tax Exemptions u/s 80g)
Online गौ सेवा के लिये
SHREE KALPAVRUKSHA KAMDHENU WELFARE TRUST
SBI Bank King koti Branch A/c No. 10015542319 IFSC: SBIN0007054
SHRI SADGURU SAMRATH NARAYAN ASHRAM
SBI PPB, Red Hills A/c No. 20100020864 IFSC: SBIN0002790
PAYTM - 9296358630/GOOGLE PAY/PHONE PAY/7013711317
सत्यनारायण गोपाल बल्दवा
GB GOPAL BALDAWA GROUP

निवेदक : कार्य समिति
ॐ शिव मंदिर गौशाला, पालमाकुल, शमशाबाद
OM SHIV MANDIR GOSHALA
MAHAVEER CO.OP.URBAN BANK LTD. Shamshergunj Branch
C/A No. 003103000000072 IFSC CODE: HDFC0CMCUBL
शिव मंदिर गौशाला, शमशेरगंज, हैदराबाद
SHIV MANDIR GOSHALA
AP MAHESH BANK CO.OP.URBAN BANK LTD. Begum Bazar Branch
C/A No. 002001200018617 IFSC CODE: APMC00002
गौमाता को हरी घांस की सेवा कर पुण्य के भागी बनें।
आज रविवार, 10-3-2024 को अमावस्या
जो पुरुष गौओं की सेवा करता है और सब प्रकार से उनका अनुगमन करता है, उस पर संतुष्ट होकर गौएँ उसे अत्यंत दुर्लभ वर प्रदान करती है। गौओंके साथ मन से भी कभी द्वेष न करे, उन्हे सदा सुख पहुँचाये, उनका यथोचित सत्कार करे और नमस्कार आदि के द्वारा उनका पूजन करते रहे। जो मनुष्य जितेन्द्रिय और प्रसन्नचित होकर नित्य गौओंकी सेवा करता है, वह समृद्धि का भागी होता है।
Digital Donation are accepted on Google Pay/Phone Pay 9959271866
FOR MORE DETAILS CONTACTS 9849710223, 9848097776, 9247888983, 7989734546
सत्यनारायण गोपाल बल्दवा
GB GOPAL BALDAWA GROUP

आज रविवार, 10-03-2024
फाल्गुन अमावस्या के अवसर पर गौशाला अवश्य पधारें
नारायणी गो सेवा सदन
रोड नं. 17, शालीवाहन नगर, मूसारामबाग, हैदराबाद
सम्पर्क सूत्र : 9581348889, 9246522435, 9490929321
आज फाल्गुन अमावस्या है अपने पितरो के मोक्ष के लिए गौशाला अवश्य पधारें।
गौ ग्रास का अनुदान कर पुण्य के भागीदार बनें। अनुदान भेजने हेतु गौशाला एकाउंट विवरण Bank account detail:
NARAYANI GOW SEVA SADAN, A/C No. 50200065063209, for RTGS/ NEFT IFSC CODE HDFC 0001996, TYPE OF ACCOUNT: CURRENT ACCOUNT, HYDERGUDA BRANCH, HYD. Gpay and Phonepe No. 9581348889
JAI GOMATA Address: Narayani gow seva sadan, street No 17, shalivahana nagar, dilsukh nagar Hyd.
गौ माता के दर्शन एवं प्रसाद ग्रहण कर पुण्य के भागीदार बनें।
निवेदक : नारायणी गो सेवा सदन
शालीवाहन नगर, मूसारामबाग, मलकपेट, हैदराबाद
सत्यनारायण गोपाल बल्दवा
GB GOPAL BALDAWA GROUP

आज रविवार दिनांक 10 मार्च 2024 अमावस्या है
हज़ारों गौवंश एव कबूतरों को अपने करकमलों से चारा-दाना अर्पण कीजिये।
वे बड़े भाग्यशाली हैं जो अपने पारिवारिक प्रसंग या तो गौनिवास प्रांगण मे मनाते हैं या फिर इन प्रसंगो मे आशीर्वाद रूपी प्राप्त सम्पूर्ण राशि गौनिवास मे 6000 से अधिक गौवंश की चारा व्यवस्था के लिये भेंट दी।
अतः गौनिवास की सम्पूर्ण कार्य समिति इस मंगलकार्य के लिये हृदय से अनुमोदना कर आभार प्रकट करती है।
सत्यम् शिवम् सुंदरम् गौ निवास
SATYAM SHIVAM SUNDARAM GAUNIVAS
Bankers : BANK OF BARODA, Nallakunta Br, Hyd.A/c. : 75450200001071 IFSC CODE : BARB0VJNAKU
To Avail 80G Kindly Donate - AKSHYA PASHU PAKSHI TRUST
CANARA BANK - Basheerbagh Branch, Hyd. A/c : 0878132000033, IFSC CODE : CNRB0000878

विश्व मंगल गौशाला
सोमारम ग्राम, मेडचल, हैदराबाद (तेलंगाना)
सस्नेह निमंत्रण
आज रविवार 10 मार्च 2024 प्रातः 11 बजे से
फाल्गुन अमावस्या
शुभ स्थल : विश्व मंगल गौशाला, सोमारम ग्राम, मेडचल, हैदराबाद
गौ-माता पूजन ✲ भजन ✲ भोजन प्रसादी
सभी से निवेदन है कि अधिक से अधिक संख्या में पधारकर गौसेवा, दान, पुण्य के भागीदार बनें।
दूरभाष : 6305431734, 9346917593
Bank Details : GOU GRAM VIKAS SEVA SAMITHI
A/c No. 50200063938688 | IFSC : HDFC0009429
HDFC Bank, Kanajiguda Branch

श्री धर्मसाई गौशाला
धर्मगिरी, शमशाबाद, आरआर डिस्ट्रीक तेलंगाना-501218
सस्नेह निमंत्रण
फल्गुन अमावस्या
आज रविवार, दर्श अमावस्या दिनांक 10-3-2024 को
गौ माता पूजन : सभी से निवेदन है कि अधिक से अधिक संख्या में पधार कर गौ सेवा, दान पुण्य के भागीदार बने
C/o Sree Dharmasai Temple, Dharmagiri, Shashabad
SRI DHARMASAI GOW RAKSHA TRUST
A/c no-922020006836112
AXIS BANK, Shamshabad branch
IFSC code-UTIB0000867
Paytm,GOOGLE PAY, Phone pe-
9440828585
सत्यनारायण गोपाल बल्दवा

गावो विश्वस्य मातर ।। जय श्री कृष्ण ।। जय गो माता
श्री गोपाल गौशाला
संत विनोबानगर, रामदास पल्ली के पास, सागर रोड, इब्राहिमपटनम
आज रविवार, 10-3-2024 को अमावस्या है। प्रसाद की व्यवस्था रहेगी।
अमावस्या के उपलक्ष्य में सभी गौ प्रेमियों से विनम्र अनुरोध है कि गौसेवा कर पुण्य के भागी बने और हमें सहयोग राशी इन बैंक खाते में जमा करा सकते है।
SRI GOPAL GOSHALA TRUST MAHESH BANK, VANASTHLIPURAM BRANCH, S/A NO. 025001100001224 IFSC CODE : APMC0000025
निवेदक : श्री गोपाल गौशाला ट्रस्ट (रजि.)

बसपा का अकेले चुनाव लड़ने का फैसला अटल

मायावती बोलीं- गठबंधन और तीसरा मोर्चा बनाने की अफवाह न फैलाएं; यूपी में बीएसपी मजबूत

लखनऊ, 9 मार्च (एजेंसियां)। बसपा लोकसभा चुनाव अकेले लड़ेगी। एक बार फिर बसपा प्रमुख मायावती ने साफ कर दिया है। यानी, बसपा के इंडी गठबंधन में शामिल होने की कयासबाजी पर विराम लग गया है। मायावती ने शनिवार को उन्होंने एक्स लिखा-लोकसभा चुनाव को लेकर तरह-तरह की अफवाहें फैलाई जा रही हैं, जो की गलत है। उन्होंने कहा- बीएसपी लोकसभा चुनाव अकेले अपने बलबूते पर पूरी तैयारी और दमखम के साथ लड़ेगी। यह फैसला अटल है। तीसरे मोर्चा बनाने की अफवाह फैलाना गलत है। बीएसपी के मजबूती से चुनाव लड़ने के कारण विरोधी लोग काफी बेचैन लगते हैं। इसलिए यह आए दिन तरह-तरह की अफवाहें फैलाकर लोगों को गुमराह करने का प्रयास करते रहते हैं। मगर बहुजन समाज के हित में बीएसपी का अकेले ही चुनाव लड़ेगी। बसपा प्रमुख ने मीडिया को भी आड़े हाथों लिया। उन्होंने लिखा कि मीडिया ऐसी शरारतपूर्ण खबरें देकर अपनी विश्वसनीयता न खोए, लोग भी सावधान रहें। इससे पहले 15 जनवरी को मायावती ने अपने बर्थडे पर अकेले चुनाव लड़ने का ऐलान किया था।

कांग्रेस और अन्य राज्यों में गठबंधन की उठी थी ये चर्चा

दरअसल, एक बार फिर मीडिया में बीएसपी को लेकर अलग-अलग तरह की खबरें सामने आई थीं। तमाम मीडिया की वेबसाइट और समाचार पत्रों में खबर प्रकाशित की गई कि मायावती ने वैसे तो पिछले लोकसभा चुनाव से पहले भी अकेले ही लड़ने की घोषणा की थी। मगर बाद में सभी को चौंकाते हुए उन्होंने धुर विरोधी सपा से गठबंधन किया था। ऐसे में इस बार बसपा का कांग्रेस से गठबंधन हो सकता है। सियासी गलियारों में यह भी चर्चा थी है कि प्रियंका गांधी और मायावती की लोकसभा चुनाव में एक साथ मिलकर चुनाव लड़ने को लेकर टेलीफोन पर बातचीत भी हो चुकी है। यह बातचीत सोनिया गांधी की पहल पर शुरू की गई है।

"गठबंधन से फायदा कम, नुकसान ज्यादा"

15 जनवरी को मायावती ने अपने बर्थडे पर कहा था कि गठबंधन से फायदा कम, नुकसान ज्यादा होता है। बसपा से कई पार्टियां गठबंधन करना चाहती हैं। मगर हम सभी पार्टियों से दूरी बनाकर रखेंगे। हालांकि, चुनाव के बाद सरकार में शामिल हो सकते हैं। गठबंधन में बीएसपी का वोट, तो दूसरी पार्टियों को मिलता है, मगर हमें नहीं मिलता है। 1993 और 1996 में बीएसपी के गठबंधन का फायदा सपा, कांग्रेस को मिला था। 2002 में बसपा अकेले चुनाव लड़कर 100 सीट जीती थी।

ग्रेटर नोएडा में हॉस्टल का खाना खाने के बाद 100 छात्रों को फूड प्वॉइजनिंग, अस्पताल में भर्ती

ग्रेटर नोएडा, 9 मार्च (एजेंसियां)। ग्रेटर नोएडा में करीब 100 छात्र फूड प्वॉइजनिंग का शिकार हो गए। शाम के समय खाना खाने के बाद छात्रों की तबियत बिगड़ गई जिसके बाद उन्हें आनन-फानन में नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। शिकायत के आधार पर पुलिस और फूड विभाग की टीम जांच में जुटी है।

मामला आर्यन रेसीडेंसी का

मामला ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क थाना क्षेत्र में स्थित आर्यन रेजिडेंसी नाम के एक हॉस्टल का है। इस हॉस्टल में अलग-अलग कॉलेज के छात्र रहते हैं। शुक्रवार शाम को छात्रों को खाना मिला और खाना खाने के बाद अचानक से सभी की तबीयत बिगड़ गई। इस दौरान उनका जी मिचलना, पेट में दर्द और उल्टी होनी शुरू हो गई। एक साथ इतने बच्चों की तबीयत खराब होते ही पूरे हॉस्टल में हड़कंप मच गया और आनन फानन में सभी छात्रों को अलग-अलग अस्पतालों में भेजा गया। इस दौरान रेजिडेंसी के पास में मौजूद कैलाश अस्पताल में करीब 47 छात्रों को भर्ती कराया गया।।

डॉक्टर ने क्या कहा ?

ये सभी छात्र रात में भर्ती हुए हैं और अभी भी अस्पताल में हैं। छात्रों ने बताया कि रात रात हमने खाना खाया था और उसके बाद अचानक से तबीयत खराब हो गई तबीयत इतनी खराब हुई कि अस्पताल में आना पड़ा। कैलाश अस्पताल के डॉक्टर हक ने बताया कि रात में करीब 47 छात्रों को अस्पताल में लाया गया था। यह सभी लोग खाना खाने के बाद फूड प्वॉइजनिंग का शिकार हुए थे। अभी सभी छात्र स्टेबल है। इनकी स्थिति में और सुधार होने पर इन्हें छुट्टी दे दी जाएगी। वहीं, इस घटना के बाद फूड विभाग भी हरकत में आ गया है। उनके द्वारा इस मामले में कहा गया है कि हॉस्टल में जो खाना छात्रों को दिया गया था उसके सैंपल लिए जाएंगे और जांच की जाएगी।

ट्रक में भरा हुआ था मुर्गी दाना, नोएडा में पुलिस ने रोका, तलाशी ली तो मिला गांजा

नोएडा, 9 मार्च (एजेंसियां)। यूपी के गौतमबुद्ध नगर जिले में पुलिस की टीम ने बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए 351 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। साथ ही पुलिस ने 2 तस्करों को भी गिरफ्तार किया है। अपर पुलिस उपायुक्त (जोन तृतीय) अशोक कुमार सिंह ने बताया कि थाना कासना पुलिस व स्वापक रोधी कार्यबल, मेरठ की एक संयुक्त कार्रवाई के तहत आज हरीश कुमार उर्फ अंकुर (37) तथा हिमांशु उर्फ कमल (20) को गिरफ्तार किया गया। सिंह ने बताया कि इनके पास से पुलिस ने 351 किलोग्राम ग्राम गांजा बरामद किया है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 1.71 करोड़ रुपये है। उन्होंने बताया कि मादक पदार्थ तस्करी के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले ट्रक को भी पुलिस ने जब्त किया है। उन्होंने बताया कि आरोपी ट्रक में ऊपर से मुर्गी दाना भरकर नीचे गांजा छुपाकर ले जा रहे थे। सिंह ने बताया कि इनके खिलाफ विभिन्न थानों में दर्जनों मुकदमे दर्ज हैं। एक अन्य घटना में थाना दनकौर पुलिस ने सूचना के आधार पर शुक्रवार शाम को एक युवक को गिरफ्तार कर उसके पास से 200 ग्राम गांजा बरामद किया है। थाना दनकौर के प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार सिंह ने बताया कि सूचना के आधार पर नरेश योगी को गिरफ्तार किया गया है। वहीं, आपको बता दें कि कल ही नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने मध्य प्रदेश के सागर जिले में एक ट्रक से करीब 655 किलोग्राम गांजा बरामद कर दो तस्करों को गिरफ्तार किया था। गांजे को पोहे की आड़ में छिपाकर ओडिशा से सागर लाया जा रहा था। एनसीबी की टीम ने कार्रवाई करते हुए गांजा और ट्रक जब्त कर लिया है।

सीएम योगी की बढ़ी डिमांड

पीएम मोदी और अमित शाह के बाद संभालेंगे मोर्चा, लोगों में जबरदस्त क्रेज

लखनऊ, 9 मार्च (एजेंसियां)। आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर जहां बीजेपी पूरी रणनीति के साथ मैदान में उतरने की तैयारी कर चुकी है। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मांग तेज हो गई है। यूपी समेत दूसरे राज्यों में भी उनकी सभाओं और रोड शो कराने की मांग की जा रही है। लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ की मांग यूपी के अलावा दूसरे राज्यों में भी की जा रही है। यूपी के अलावा उनकी लोकप्रियता देश के दूसरे राज्यों में भी जबरदस्त देखने को मिल रही है। सीएम योगी के आक्रामक का लोगों में काफी क्रेज हैं। उनको सुनने और देखने को लिए भी भारी संख्या में लोग पहुंचते हैं।

कई राज्यों में रोड शो करेंगे सीएम योगी

उत्तर प्रदेश के साथ दूसरे राज्यों में भी बीजेपी के पदाधिकारी सीएम योगी के रोड शो, रैलियां और जनसभाएं कराने की मांग कर रहे हैं। जिसके देखते हुए योगी आदित्यनाथ राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक में भी चुनावी जनसभा करेंगे। इसके साथ ही तमिलनाडु, हिमाचल, उत्तराखंड, बिहार में भी चुनावी जनसभा करने का प्लान है। लोकसभा चुनाव के पहले चरण के प्रत्याशी घोषित होने के बाद चुनाव प्रचार में और तेजी देखने को मिलेगी ऐसे में बीजेपी प्रस्तावित रैली, रोड शो और तमाम जनसभाएं कराने का प्लान कर रही है। चुनाव प्रचार को लेकर बीजेपी के प्लान के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और सीएम योगी आदित्यनाथ पूरब से पश्चिम तक देश के कई राज्यों में चुनावी जनसभाएं और रोड शो करेंगे।

बीजेपी ने इसके लिए अभी से प्लान पर काम करना शुरू कर दिया है। सूत्रों के मुताबिक बीजेपी पूरे आक्रामक तरीके से चुनाव प्रचार में उतरने की तैयारी में जुटी है। इसके लिए पीएम मोदी और सीएम योगी समेत तमाम बड़े नेता चुनाव प्रचार करते हुए दिखाई देंगे। इनमें पीएम मोदी और सीएम योगी के अलावा, राजनाथ सिंह, स्मृति ईरानी, केशव प्रसाद मौर्य, भूपेंद्र सिंह चौधरी समेत कई बड़े केंद्रीय मंत्रियों को भी मैदान में उतारा जाएगा।

नमाज पढ़ते लोगों को पुलिसवाले ने मारी लात वायरल वीडियो पर भड़के अखिलेश यादव

लखनऊ, 9 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली के इंद्रलोक इलाके में सड़क किनारे नमाज पढ़ रहे नमाजियों का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें सब-इंस्पेक्टर नमाज पढ़ रहे कुछ लोगों को लात मारता दिख रहा है। इस वीडियो के सामने आने के बाद सब इंस्पेक्टर को सस्पेंड कर दिया गया है। अब इस मामले में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव की प्रतिक्रिया सामने आई है। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसके कुछ ही घंटे बाद पुलिस उपायुक्त (उत्तर) एम.के। मीणा ने आदेश जारी कर कहा कि उप-निरीक्षक (एसआई) मनोज कुमार तोमर को तीन महीने के लिए निलंबित कर दिया गया है। इस वीडियो को लेकर अखिलेश यादव ने अपने सोशल मीडिया हैंडल 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा, "प्रार्थनाओं पर प्रहार अच्छा नहीं।

कांग्रेस में आजम खान के विरोधियों की मिल रही तरजीह दी ये बड़ी जिम्मेदारी, उठने लगे सवाल

रामपुर, 9 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस ने आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर अपनी उत्तर प्रदेश ईकाई के लिए राजनीतिक मामलों की समिति (पीएसी) और प्रदेश चुनाव समिति का गठन किया। लेकिन कांग्रेस की इस लिस्ट में एक चौंकाने वाला नाम है, जिसके बाद कहा जा रहा है कि समाजवादी पार्टी के दिग्गज नेता आजम खान के विरोधियों को कांग्रेस अब यूपी में तरजीह दे रही है। पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पीएसी और प्रदेश निर्वाचन समिति के गठन के प्रस्ताव को मंजूरी दी। कांग्रेस के उत्तर प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडे को पीएसी का संयोजक बनाया गया है। समिति में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय और पार्टी के वरिष्ठ नेता प्रमोद तिवारी, सलमान खुर्शीद, मोहसिना किदवई, निर्मल खत्री, राजीव शुक्ला तथा कई अन्य नेताओं को शामिल किया गया है।

बेगम नूर बानो को मिला मौका

अजय राय की अध्यक्षता में प्रदेश चुनाव समिति का गठन किया गया है। इस समिति में प्रमोद तिवारी, सलमान खुर्शीद, मोहसिना किदवई, आराधना मिश्रा और कई नेताओं को जगह दी गई है। इन सबके अलावा राजनीतिक मामलों की समिति (पीएसी) में बेगम नूर बानो का नाम है। दरअसल, रामपुर में नवाब परिवार को हमेशा से सपा नेता आजम खान का विरोधी माना जाता रहा है। हालांकि अब आजम खान के साथ उनकी पत्नी और बेटे अब्दुल्ला के जेल जाने से आजम परिवार की राजनीति हासिए पर आ गई है। लेकिन इस बीच कांग्रेस द्वारा नवाब परिवार की बेगम नूर बानो को पीएसी में सदस्य बनाए जाने के बाद सवाल उठ रहा है कि क्या गठबंधन के लिए रामपुर में आगे की सियासी जमीन को निखारने का काम नवाब परिवार के हाथों में होगा? बता दें कि आजम खान के साथ ही उनकी पत्नी और बेटे अब्दुल्ला को सजा होने की वजह से उनमें से कोई भी चुनाव नहीं लड़ सकता है।

हॉस्पिटल जाते वक्त दो पक्षों में हुआ झगड़ा, प्रेग्नेंट महिला के पेट पर चढ़ा दी बुग्गी, हालत गंभीर

गाज़ियाबाद, 9 मार्च (एजेंसियां)। यूपी के गाजियाबाद में स्थित मुरादनगर से दिल दहला देने वाली खबर सामने आ रही है। रावली गांव में दो पक्षों में विवाद हुआ। विवाद के बाद आरोपी ने उसकी प्रेग्नेंट पत्नी के पेट पर बुग्गी चढ़ा दी। इस वीभत्स घटना के बाद महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। इस समय उसका इलाज अस्पताल में चल रहा है। भर्ती महिला आठ महीने की प्रेग्नेंट है। घरावली गांव के रहने वाले बबलू ने मामले में बताया कि पत्नी ज्योति आठ महीने की प्रेग्नेंट है। वह ज्योति का रूटीन चेकअप कराने के लिए मोटरसाइकिल से हॉस्पिटल लेकर जा रहा था। उसी समय रास्ते में बाइक के सामने बुग्गी आ गई। उसने बुग्गी वाले से कहा कि बाइक रास्ते से इसे हटा ले। इसी बात को लेकर दोनों में बहस भोजन लगी। मामला मारपीट तक पहुंच गया। अपने पति को पीटता हुआ देखकर पत्नी बीच-बचाव में उतर आई।

लालू के करीबी नेता सुभाष यादव के घर ईडी की ताबड़तोड़ छापामारी; इस मामले में हुआ एक्शन

पटना, 9 मार्च (एजेंसियां)। राजद प्रमुख लालू यादव के एक और करीबी जांच एजेंसी के रडार पर चढ़े हैं। राजद सुप्रीमो के करीबी व लोकसभा के प्रत्याशी रह चुके सुभाष यादव के कई ठिकानों पर ईडी ने रेड की है। शनिवार को ईडी ने पटना में सुभाष यादव के कई ठिकानों पर छापेमारी की है। बालू कारोबार से जुड़े मामले में हो रही कार्रवाई की बात सामने आयी है। दानापुर के तकियापर समेत कई अन्य जगहों पर ये छापेमारी चल रही है

सुभाष यादव के ठिकानों पर ईडी की रेड

राजद नेता सुभाष यादव के कई ठिकानों पर ईडी ने शनिवार की सुबह से कार्रवाई शुरू की है। सुभाष यादव के दानापुर के तकियापर समेत कई अन्य जगहों पर छापेमारी की गयी है। इस रेड से जुड़ी अधिकारिक पुष्टि अभी ईडी की ओर से नहीं की गयी है। बता दें कि सुभाष यादव के खिलाफ पूर्व में भी जांच एजेंसियों ने कार्रवाई की थी। सुभाष यादव को राजद ने झारखंड के चतरा से लोकसभा चुनाव 2019 में प्रत्याशी बनाया था। सुभाष यादव चुनाव हार गए थे।

पहले भी हो चुकी है कार्रवाई

मिली जानकारी के अनुसार, सुभाष यादव के ठिकानों पर वर्ष 2018 में भी जांच एजेंसी ने रेड मारी थी। आयकर विभाग ने तब सुभाष यादव के कई ठिकानों पर कार्रवाई की थी।

वहीं ईडी ने सुभाष यादव के यहां तीसरी बार अब छापेमारी की है। ढाई साल पूर्व भी उनके आवास पर इडी ने छापेमारी की थी। इडी सूत्रों के अनुसार करीब आधा दर्जन ठिकाने पर सर्च ऑपरेशन जारी है।

इन ठिकानों पर की गयी छापेमारी

मिली जानकारी के अनुसार, पटना के दानापुर अंतर्गत सगुना मोड़, तकियापर स्थित सुभाष यादव के आवास, नारियल घाट स्थित उनके बिस्कुट फैक्ट्री पर भी इडी की टीम पहुंची है। अलग-अलग जगहों पर ईडी की छापेमारी जारी है। पानी फैक्ट्री मरछिया देवी अपार्टमेंट, शाहपुर ऑफिस सहित दियारा में अहले सुबह से छापेमारी जारी है।

'लालू जी, अब किस मुंह से हिंदू धर्म का सर्टिफिकेट बांटिएगा ?'

तेजस्वी और तेजप्रताप की तस्वीरें दिखा जेडीयू नेता ने पूछा सवाल

पटना, 9 मार्च (एजेंसियां)। आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ 'परिवार' से जुड़ा विवादित बयान देने पर जेडीयू ने कड़ा पलटवार किया है। जेडीयू नेता नीरज कुमार ने बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव और तेज प्रताप यादव की पुरानी तस्वीरें जारी करते हुए पूछा है कि अब लालू यादव किस मुंह से 'हिंदू धर्म का सर्टिफिकेट' बांटेंगे। बता दें कि कुमार से पहले बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बारे में आरजेडी अध्यक्ष लालू प्रसाद की टिप्पणियों की आलोचना करते हुए उसे आपत्तिजनक और सनातन धर्म के प्रति अपमानजनक करार दिया था।

नीरज कुमार ने बयान के खिलाफ वीडियो जारी करते हुए कहा, '26 मार्च 2021 को लालू यादव के भाई महावीर यादव का निधन हुआ। लालू यादव के दोनों पुत्र तेजस्वी यादव एवं तेज प्रताप यादव शव यात्रा में शामिल हुए लेकिन 7 अप्रैल और 9 अप्रैल को जारी तस्वीर में दोनों बाल मुंडवाये

नहीं दिख रहे। अब किस मुंह से लालू जी आप हिन्दू धर्म का सर्टिफिकेट बांटियेगा।' बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी ने 'परिवार' को लेकर लालू के हमले पर पलटवार करते हुए सोमवार को पूरे भारत को अपना परिवार करार दिया था और अपने जीवन को एक 'खुली किताब' बताते हुए कहा कि लोगों की सेवा करने के सपने के साथ उन्होंने कम आयु में ही घर छोड़ दिया था। बता दें कि लालू ने रविवार को पटना में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा था, 'अगर नरेंद्र मोदी के पास अपना परिवार नहीं है तो हम क्या कर सकते हैं।

वह राम मंदिर के बारे में डींगें मारते रहते हैं। वह सच्चे हिंदू भी नहीं हैं। हिंदू परंपरा में बेटे को अपने माता-पिता के निधन पर अपना सिर और दाढ़ी मुंडवानी चाहिए। जब मोदी की मां की मृत्यु हुई तो उन्होंने ऐसा नहीं किया।' पीएम मोदी ने लालू के आरोप पर पलटवार करते हुए कहा कि भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टीकरण में आकंठ डूबे 'इंडी अलायंस' के नेता बौखलाते जा रहे हैं।

पीएम मोदी ने पलटवार करते हुए कहा था, 'मैं इनके परिवारवाद पर सवाल उठाता हूं तो इन लोगों ने अब बोलना शुरू कर दिया है कि मोदी का कोई परिवार नही है। कल ये ऐसा भी कह सकते हैं कि तुम्हें कभी जेल की सजा नहीं हुई इसलिए तुम राजनीति में भी नहीं आ सकते।' पीएम मोदी ने 140 करोड़ देशवासियों को अपना परिवार बताया और कहा कि जिसका कोई नहीं है, वह भी मोदी के हैं और मोदी उनका है। उन्होंने कहा, 'मेरा भारत-मेरा परिवार, इन्हीं भावनाओं का विस्तार लेकर मैं सपनों को संकल्प के साथ सिद्ध करने के लिए आपके लिए जी रहा हूं, आपके लिए जूझ रहा हूं और आपके लिए जूझता रहूंगा।'

डूबती हुई नाव है कांग्रेस : गिरिराज सिंह ने कहा- विकास के मुद्दे पर राजद को बोलने का अधिकार नहीं

बेगूसराय, 9 मार्च (एजेंसियां)। बीजेपी के नेता और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने आज फिर विपक्ष को निशाने पर लिया है। उन्होंने कांग्रेस को डूबती हुई नाव बताया तो राजद पर भी तीखा तंज कसा है। वही, अमित शाह के बिहार दौरे को लेकर उठाए गए सवाल पर आज बेगूसराय में गिरिराज सिंह ने कहा कि आरजेडी को कुछ भी कहने का अधिकार नहीं है। बिहार को एनडीए की सरकार ने जो दिया है, उस पर राजद को कुछ कहने को अधिकार नहीं है। गिरिराज सिंह ने कहा कि 15 साल का डाटा निकाल बहस कर लें, उन्होंने विकास के बदले विनाश का काम किया था। इसलिए उन्हें बोलने का अधिकार नहीं है। बीजेपी और एनडीए द्वारा किया गया सब काम बिहार में दिख रहा है। उनको जितना मिलना है, मिला लें पता चल जाएगा। कांग्रेस द्वारा लोकसभा चुनाव के लिए जारी सूची में अमेठी की घोषणा नहीं किए जाने पर गिरिराज सिंह ने कहा कि कांग्रेस को अमेठी की जनता पर भरोसा नहीं है। अमेठी ने इंदिरा गांधी के परिवार को सम्मान दिया। लेकिन कांग्रेस ने 5 साल अपने भाषण में सम्मान के बदले अमेठी की जनता को अपमानित किया।

कांग्रेस को सिर्फ मुस्लिम मतदाता पर भरोसा है, इसलिए तो राहुल गांधी ने वायनाड से फिर चुनाव लड़ने की घोषणा की और अमेठी को भूल गए। उन्हें अमेठी की जनता पर भरोसा नहीं है। स्मृति ईरानी 5 साल में जितनी बार अमेठी गई, उसका एक चौथाई भी गांधी परिवार अमेठी नहीं गया। अमेठी की जनता स्मृति ईरानी को अपनी बेटी और बहन के रूप में मानती है। उद्धव ठाकरे द्वारा महाराष्ट्र में जय भवानी और जय शिवाजी कहकर वोट डालने के सवाल पर गिरिराज सिंह ने कहा कि जय भवानी, जय शिवाजी, जय बजरंगबली और जय श्री राम का नारा बीजेपी का है। कहा कि जो लोग भटक गए हैं, कुछ भी बोलने का अधिकार नहीं है। बाल ठाकरे जी की आत्मा रो रही होगी,

कौशांबी जिले में पुलिस और गो-तस्करों के बीच हुई मुठभेड़, एक तस्कर के पैर में लगी गोली

कौशांबी, 9 मार्च (एजेंसियां)। कोखराज पुलिस ने रोही गांव स्थित ओवरब्रिज के नीचे से अंतरजनपदीय गो तस्कर को मुठभेड़ में गिरफ्तार किया। उसके पैर में गोली लगी। लहूलुहान हालत में उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। आरोपित के खिलाफ लिखा-पढ़ी की गई। साथ ही तमंचा व कारतूस को पुलिस ने कब्जे में लिया। कोखराज पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर गोवंश लदे एक कंटेनर को पकड़ने के लिए घेराबंदी की। पुलिस को देखते ही तस्कर गाड़ी अंदावां गांव के समीप छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने कंटेनर से 30 गोवंश बरामद किए।

साथ ही गोशाला के सुपुर्द किया। वहीं, एसपी बृजेश कुमार श्रीवास्तव के निर्देश पर तस्करों की तलाश शुरू कर दी। एसपी के मुताबिक शुक्रवार की भोर कोखराज पुलिस गश्त पर थी। इस बीच सूचना मिली कि गोवंश लदा कंटेनर छोड़कर फरार हुए तस्करों का एक साथी इस समय रोही स्थित ओवरब्रिज के नीचे खड़ा है। इस पर प्रभारी निरीक्षक इंद्रदेव सिंह फोर्स के साथ पहुंचे और तस्कर को घेरकर पकड़ना चाहा तो उसने तमंचा से पुलिस टीम पर फायर करना शुरू कर दिया। किसी तरह बचते हुए पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की।

लिहाजा तस्कर के दाहिने पैर में गोली लगी। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जिला अस्पताल में भर्ती कराया। उसने अपना नाम रेहान पुत्र मुस्तफा निवासी चमरूपुर कोखराज बताया। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक का कहना है कि आरोपित के अन्य साथियों की तलाश की जा रही है। जल्द ही उन्हें भी पकड़ लिया जाएगा।

आरोपित के खिलाफ कई जनपदों में दर्ज हैं मुकदमे

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पकड़े गए आरोपित के खिलाफ जनपद के कोखराज व सैनी के अलावा वाराणसी, बांदा, इटावा व चंदौली में भी कुल 12 मुकदमे पंजीकृत हैं। इसके लिए गैंगस्टर एक्ट की भी कार्रवाई की जाएगी। यही नहीं, आरोपित रेहान पर चंदौली जनपद के सैयद रजा थाना में बीते वर्ष गोवध अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया है। वहां के एसपी ने फरार आरोपित पर 25 हजार रुपये का इनाम भी घोषित कर रखा है।

पूर्व महिला विधायक तथा एमएलए पुत्र को न्यायालय उठने तक की सजा

जबलपुर, 9 मार्च (एजेंसियां)। जबलपुर जिले के बरगी विधानसभा क्षेत्र की पूर्व विधायक प्रतिभा सिंह, विधायक पुत्र सहित एक अन्य पुत्र को एमपी एमएलए विशेष कोर्ट ने न्यायालय उठने तक की सजा से दंडित किया है। न्यायाधीश विश्वेश्वरी मिश्रा ने आरोपियों को एक-एक हजार रुपये के अर्थदंड की सजा से भी दंडित किया गया। आरोपियों के खिलाफ उनकी बहू ने न्यायालय में परिवाद दायर किया था। आवेदिका ज्योति सिंह की तरफ से दायर किए गए परिवाद में कहा गया था कि उसका विवाह प्रतिवादी प्रतिभा सिंह के पुत्र नितिन सिंह के साथ साल 2007 में हुआ था। उसके जेठ अनुराग उर्फ गोलू सिंह का विवाह उनके बाद हुआ था। जेठ के विवाह के बाद ससुराल पक्ष के लोग उसे मानसिक व शारीरिक रूप से प्रताड़ित करने लगे थे। जिसके कारण उनका पति उसे लेकर गांव में रहने लगा था। पति की हत्या के बाद सुसराल पक्ष उसे जबलपुर स्थित घर ले आए थे। सुसराल पक्ष द्वारा उसे प्रताड़ित किया जाता था। इस संबंध में उसने पुलिस तथा मुख्यमंत्री से शिकायत की थी। परिवाद में कहा गया था कि सास प्रतिभा सिंह उनके बेटे नीरज सिंह, गोलू उर्फ अनुराग सिंह ने उसकी गैर उपस्थिति में उसके घर का ताला तोड़कर उसके समान की चेक किया था।

गांधी से लेकर नेहरू तक का लिया नाम

बोले शिवराज- राहुल गांधी कांग्रेस को पूरी तरह खत्म करके ही लेंगे चैन की सांस

भोपाल, 9 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा, मैंने पहले ही कहा था कि महात्मा गांधी ने आजादी के बाद कहा था कि कांग्रेस को भंग कर देना चाहिए और नए राजनीतिक दल बने, लेकिन जवाहरलाल नेहरू ने सत्ता के स्वार्थ के कारण कांग्रेस को भंग नहीं होने दिया और आंदोलन का लाभ उठाया।" शिवराज सिंह चौहान ने आगे कहा कि राहुल गांधी महात्मा गांधी के सुझाव के अनुसार कांग्रेस को पूरी तरह खत्म करके ही चैन की सांस लेंगे। कांग्रेस के सारे अच्छे नेता पार्टी के दिशाहीन नेतृत्व से थक चुके हैं। कांग्रेस खत्म होने की कगार पर है।

मल्लिकार्जुन खरगे पर भी साधा निशाना

पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पहले ट्विटर) पर लिखा, "खरगे जी, सच्चाई कड़वी तो होती है लेकिन सुननी चाहिए। राहुल जी और आपके नेतृत्व में कांग्रेस चुनाव पर चुनाव हारती चली गई। थोड़ा उंगलियों पर हिसाब लगाइए 2013 से अब तक कांग्रेस लगभग 50 से अधिक चुनाव हार चुकी है। कई पुराने मुख्यमंत्री, बड़े नेता कांग्रेस छोड़ चुके हैं, उंगलियों पर हिसाब लगाते रहिए, कहीं ऐसा न हो कि उंगलियों पर गिनने लायक ही नेता पार्टी में बचें।"

खड़गे जी, सच्चाई कड़वी तो होती है लेकिन सुननी चाहिए

राहुल जी और आपके नेतृत्व में कांग्रेस चुनाव पर चुनाव हारती चली गयी। थोड़ा उँगलियों पर हिसाब लगाइए 2013 से अब तक कांग्रेस लगभग 50 से अधिक चुनाव हार चुकी है। कई पुराने मुख्यमंत्री, बड़े नेता कांग्रेस छोड़ चुके हैं, उँगलियों पर...

'आपके नेताओं ने जनभावनाओं का सम्मान नहीं किया'

पूर्व सीएम शिवराज ने कहा कि आपने, आपकी पार्टी ने और आपके नेताओं ने कभी जनभावनाओं का सम्मान नहीं किया। जब सारा देश रामलला की भक्ति में डूबा था, तब कांग्रेस ने श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के आमंत्रण को अस्वीकार किया था। सनातन धर्म और प्रभु श्रीराम से विद्वेष ही आपकी पार्टी के रसातल में जाने का कारण है। भारतीय जनता पार्टी एक परिवार है जो खुद के लिए नहीं, अंत्योदय की भावना के साथ समाज सेवा का काम करती है और यही सेवा का भाव भारतीय जनता पार्टी के हर कार्यकर्ता को अलग बनाता है।

तेरी गाली सुनी और तेरे को लेना पड़ रहा है

विजयवर्गीय ने संजय शुक्ला का भाजपा में कुछ इस तरह किया स्वागत

इंदौर, 9 मार्च (एजेंसियां)। इंदौर-1 के पूर्व विधायक संजय शुक्ला ने आज कांग्रेस पार्टी छोड़ भाजपा ज्वाइंन कर ली। संजय शुक्ला ने सीएम मोहन यादव, पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान, प्रदेशअध्यक्ष वीडी शर्मा और कैलाश विजयवर्गीय में भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। भाजपा का दुपट्टा पहनाते वक्त मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने मजाकिया अंदाज में कहा- साले, तेरी गाली सुनी और तेरे को लेना पड़ रहा है। यह सुनकर संजय जोर से हंस दिए। साथ में कैलाश ने भी ठहाका लगाया। उनके इस मजाक का वीडियो भी सामने आया है। यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। बता दें कि मध्य प्रदेश में लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। इंदौर से पूर्व विधायक संजय शुक्ला और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी भाजपा में शामिल हो गए हैं। आपको बता दें कि उनके साथ पूर्व सांसद गजेंद्र सिंह राजूखेड़ी, पूर्व विधायक विशाल पटेल, अर्जुन पलिया, सतपाल पलिया और भोपाल जिला कांग्रेस अध्यक्ष कैलाश मिश्रा ने भी भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली है।

महिला चपरासी से 45 साल तक 15 रुपये वेतन पर लिया काम

हाईकोर्ट ने लगाया एक लाख हर्जाना; अदालत ने कही ये बात

प्रयागराज, 9 मार्च (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बेसिक शिक्षा विभाग बांदा पर महिला चपरासी से पूर्णकालिक कर्मचारी के बतौर काम लेने के बावजूद निर्धारित वेतन नहीं देने पर एक लाख रुपये का हर्जाना लगाया है। महिला 45 साल तक 15 रुपये वेतन पर काम करते हुए 2016 में सेवानिवृत्त भी हो गईं। उन्होंने दो बार हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया, लेकिन हक हासिल नहीं हो सका। खफा कोर्ट ने हर्जाने सहित बकाया वेतन देने का आदेश दिया है।

यह फैसला न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी की अदालत ने बांदा जिले की भगोनिया देवी की 14 साल से लंबित याचिका को निस्तारित करते हुए दिया है। वह 1971 में बेसिक शिक्षा विभाग के अधीन संचालित कन्या जूनियर हाईस्कूल में 15 रुपये वेतन पर सेविका के रूप में नियुक्त की गईं थीं। 1981 में उन्हें पूर्णकालिक चपरासी के रूप में प्रोन्नति देते हुए वेतन 165 रुपये निर्धारित हुआ। लेकिन, यह उन्हें दिया नहीं गया। इसके खिलाफ उन्होंने 1985 में हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। कोर्ट ने बेसिक शिक्षा अधिकारी बांदा को वेतन संबंधी मांग निस्तारित करने का निर्देश दिया।

बीएसए ने 165 रुपये वेतन देने से यह कहते हुए इन्कार कर दिया कि उनकी सेवाओं और वेतन का अनुमोदन नहीं हुआ है। यह नियुक्ति अनियमित है। फिर, 1996 में उनकी पूर्णकालिक सेवा समाप्त कर दी गई। हालांकि, वह 2016 तक काम करतीं रहीं। 2010 में वह निर्धारित वेतन की मांग को लेकर फिर हाईकोर्ट आईं। वर्ष 2016 में वह सेवानिवृत हो गईं, लेकिन बेसिक शिक्षा विभाग ने बढ़े वेतन का भुगतान नहीं किया। 35 साल की पूर्णकालिक सेवा के बावजूद मात्र 15 रुपये प्रतिमाह वेतन ही मिलता रहा।

कोर्ट ने कहा कि पूर्णकालिक नियुक्ति रद्द करने के आदेश को याची ने चुनौती नहीं दी, लेकिन इसमें कोई विवाद नहीं है कि वह लंबे समय तक पूर्णकालिक चपरासी के रूप में काम करती रही हैं। लिहाजा, याची को पूर्णकालिक चपरासी के रूप में नियुक्त करने का आदेश लागू मानने योग्य है। कोर्ट ने याची की पूर्णकालिक नियुक्ति की तारीख से 165 रुपये की दर से 35 साल की सेवा के लिए 69,300 रुपये अदा करने का आदेश दिया। साथ ही, दो बार कोर्ट आने के लिए विवश करने के लिए बेसिक शिक्षा विभाग पर एक लाख रुपये का हर्जाना लगाते हुए याची को भुगतान करने का आदेश दिया है।

कोर्ट ने कहा, प्रजा के सुख में ही राजा का सुख निहित

हाईकोर्ट ने कहा, विपक्षियों ने अत्यधिक तकनीकी दृष्टिकोण अपनाया है, जो एक कल्याणकारी राज्य की अवधारणा के खिलाफ है। कोर्ट ने कौटिल्य के अर्थशास्त्र के राजधर्म के नीति वचन संबंधी श्लोक प्रजा सुखे सुखं राज्ञः प्रजानां तु हिते हितम, नात्मप्रियं हितं राज्ञः प्रजानां तु प्रियं हितम। का भी उल्लेख किया। अर्थात, प्रजा के सुख में राजा का सुख निहित है। जो स्वयं को प्रिय लगे उसमें राजा का हित नहीं है। उसका हित तो प्रजा को जो प्रिय लगे, उसमें है।

नोटिस मिला तो टीचर ने खोया आपा, स्कूल में निकाल ली पिस्टल, फिर बीईओ को धमकी देने पहुंच गया ऑफिस

खरगोन, 9 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के खरगोन में सीएम राइज स्कूल में पदस्थ एक टीचर को नोटिस मिला तो वो अपना आपा खो बैठा। तमतमाए टीचर ने स्कूल में पिस्तौल निकाल ली और एक अन्य टीचर पर तान दी। यही नहीं, टीचर बीईओ कार्यालय पहुंचे और पिस्टल निकालकर धमकाने लगे। मामले की सूचना मिलने पर आदिवासी विकास विभाग सहायक आयुक्त प्रशांत आर्य ने प्राथमिक शिक्षक पराग सांवले को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। मामले में एफआईआर भी होगी। जिला मुख्यालय से करीब 30 किलोमीटर दूर सेगांव थाना क्षेत्र स्थित सीएम राइज स्कूल में पदस्थ प्राथमिक शिक्षक पराग सांवले की लगातार शिकायत मिलने के चलते आदिवासी विकास विभाग सहायक आयुक्त कार्यालय से कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया। ये पत्र जब गुरुवार को पदस्थ शिक्षक सांवले को दिया जा रहा था

देश की सुरक्षा के मोर्चे पर बहुआयामी चुनौतियां, एयर चीफ मार्शल ने पासआउट अधिकारियों को दिए निपटने के मंत्र

चेन्नई, 9 मार्च (एजेंसियां)। अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी (ओटीए) में सफलतापूर्वक ट्रेनिंग पूरा करने के बाद 184 अधिकारी कैडेट और 36 महिला कैडेट को शनिवार को भारतीय सेना के विभिन्न अंगों और सेवाओं में शामिल किया गया। ओटीए ने कहा कि इसके अतिरिक्त, मित्रवत अन्य देशों के तीन अधिकारी कैडेट और छह महिला कैडेटों ने भी सफलतापूर्वक अपना प्रशिक्षण पूरा किया। इससे सौहार्द के बंधन को बढ़ावा मिला और अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के पार सहयोग को बढ़ावा दिया गया। चेन्नई में ओटीए स्थित परमेश्वरन ड्रिल स्क्वायर पर आयोजित परेड की समीक्षा करते हुए एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने कहा कि नई तकनीक और मौलिक रूप से नए सिद्धांतों के उभरने के साथ युद्ध एक बुनियादी बदलाव के दौर से गुजर रहा है। उन्होंने कहा, भारत की सुरक्षा के मोर्चे पर बहुआयामी खतरे और चुनौतियां शामिल हैं। इसके लिए हमें बहु-डोमेन क्षमताओं का निर्माण करने और एक साथ और कम समय सीमा में इसे निष्पादित करने की आवश्यकता होगी। उन्होंने युवा अधिकारियों से तकनीकी बदलाव के साथ खुद को ढालने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ये अधिकारी उस समय इस महान पेशे में शामिल हो रहे है जब देश तकनीकी बदलाव की दहलीज पर है। उन्होंने कहा, 'हमारे सशस्त्र बलों ने अगली पीढ़ी की युद्ध लड़ने वाली मशीनों को खरीदने के लिए भारी निवेश किया है। इन अत्यधिक शक्तिशाली प्रणालियों के भविष्य के ऑपरेटरों के रूप में आपको उनके साथ पूरी तरह से परिचित होने की आवश्यकता है, और यह केवल कठोर प्रशिक्षण, समर्पण और पेशेवर दृष्टिकोण के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है। भविष्य के अधिकारियों के रूप में, उन्हें सैन्य इतिहास, भू-राजनीति और अंतरराष्ट्रीय मामलों के अध्ययन के माध्यम से जटिल और गतिशील दुनिया की समझ विकसित करनी चाहिए। फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि राष्ट्र अधिकारियों से असाधारण व्यावसायिकता और निर्विवाद निष्ठा की अपेक्षा करता है। चौधरी ने कहा, हम आपसे उम्मीद करते हैं कि आप व्यक्तिगत आचरण और नैतिक मूल्यों के उच्चतम मानकों को बनाए रखेंगे जो हथियारों के पेशे में होने की गरिमा और गर्व को दर्शाते हैं।' इसके अलावा, उन्होंने उनसे काम करते समय निष्पक्ष, सुसंगत और निस्वार्थ होने और अपने अधीनस्थों के साथ व्यवहार करते समय दयालु और समझदार होने का आग्रह किया। इससे पहले, एयर चीफ मार्शल ने एयूओ आर्यन शाही को सोर्ड ऑफ ऑनर और रजत पदक, एसीए शौर्य थापा को ओटीए स्वर्ण पदक और बीसीए सरन्या एम को कांस्य पदक प्रदान किया।

दूसरे जिलों में शिफ्ट किए जाएंगे अतीक अहमद के दोनों बेटे, बाल संरक्षण गृह में नियमों की अनदेखी का लगा था आरोप

प्रयागराज, 9 मार्च (एजेंसियां)। संगम नगरी प्रयागराज में माफिया अतीक अहमद के दो नाबालिग बेटे बाल संरक्षण गृह में सात महीने तक रखे गए थे। बीते दिनों बाल गृह को लेकर तमाम शिकायतें आई थीं। कुछ अनियमितताएं भी पकड़ी गईं थीं। आरोप था कि निजी संस्था इसका संचालन नियमों और मानकों के मुताबिक़ नहीं कर रही है। इसी के मद्देनजर यहां रखे गए बच्चों को दूसरे जिलों में शिफ्ट किया जा रहा है। मानसिक रूप से कमज़ोर आधा दर्जन बच्चों को लखनऊ शिफ्ट किया गया है। जबकि बाकी को वाराणसी। अभी यहां सिर्फ तीन बच्चे हैं, जिन्हे एक से दो दिनों में दूसरी जगहों पर शिफ्ट कर दिया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक़ शिफ्टिंग की कार्यवाही पूरी होने के बाद इस बाल संरक्षण गृह को बंद करने के आदेश जारी किये जा सकते हैं। यह बाल संरक्षण गृह प्रयागराज शहर के राजरूपपुर इलाके में साठ फिट रोड पर है।

इसका संचालन पिछले कई सालों से जगवंती देवी ग्राम विकास समिति नाम की संस्था द्वारा किया जा रहा था। गौरतलब है कि प्रयागराज में पिछले साल एडवोकेट उमेश पाल और उनके दो सरकारी गनर के शूटआउट के बाद माफिया अतीक अहमद के दो नाबालिग बेटे एहजम और आबान चार मार्च को लावारिस हालत में मिले थे। इसके बाद माफिया के इन दोनों बेटों को 221 दिनों तक यहीं रखा गया था।

अतीक के दोनों बेटे पिछले साल 9 अक्टूबर को यहां से रिहा किये गए थे और उन्हें उनकी बुआ के सुपुर्द कर दिया गया था। माफिया अतीक के बेटों की वजह से यह चाइल्ड शेल्टर होम खूब सुर्ख़ियों में रहा। आरोप है कि इस बाल गृह के संचालन में नियमों की अनदेखी की जा रही थी। यहां बच्चों के साथ उचित व सम्मानजनक व्यवहार नहीं किये जाने, उनकी सही देखरेख नहीं होने, एक बार अवैध तरीके से मोबाइल पकडे जाने, एक बच्चे द्वारा खुदकुशी की कोशिश किये जाने, बाल गृह के किराए की बिल्डिंग में चलने जैसी कई शिकायतें आई थीं।

पुलिस इंस्पेक्टर का रेलवे ट्रैक पर मिला शव, दो टुकड़ों में बंटा शरीर; आत्महत्या या संदिग्ध मौत?

बीड, 9 मार्च (एजेंसियां)। (महाराष्ट्र): राज्य खुफिया विभाग (एसआईडी) में कार्यरत एक सहायक पुलिस निरीक्षक ने परली वैजनाथ में रेलवे ट्रैक पर आत्महत्या कर ली। इस घटना से हड़कंप मच गया है। सुभाष दुधाल बीड एसआईडी में सहायक पुलिस निरीक्षक के पद पर कार्यरत थे। कुछ दिन पहले ही उनका तबादला पुणे हो गया है। शव के पास एक नोट भी मिला है, इससे आत्महत्या की वजह का पता चलेगा।

42 वर्षीय पुलिस निरीक्षक सुभाष दुधाल, जो कुछ महीने पहले बीड से ट्रांसफर हुए थे और अभी पुणे में एसआईडी विभाग में कार्यरत थे। आज सुबह वह परली रेलवे स्टेशन क्षेत्र में फ्लाईओवर के नीचे रेलवे ट्रैक पर पाए गए। पुलिस ने प्रारंभिक जानकारी दी है कि पुलिस इंस्पेक्टर दुधाल ने शुक्रवार रात के बाद आत्महत्या कर ली। इसके आधार पर सहायक पुलिस निरीक्षक परमेश्वर सोगे, पुलिस उपनिरीक्षक साबले, जमादार बाबासाहेब फड़, राजू राठौड़, सातपुते और अन्य कर्मचारियों ने घटनास्थल का दौरा किया। आज सुबह फ्लाईओवर के पास रेलवे ट्रैक पर सुभाष दुधाल का क्षत-विक्षत शव मिला। शव दो हिस्सों में कटा हुआ था।

रेलवे पुलिस स्टेशन के सहायक पुलिस निरीक्षक परमेश्वर सोगे ने बताया कि शव पुलिस इंस्पेक्टर सुभाष दुधाल का है, जो कुछ महीने पहले बीड से ट्रांसफर होकर पुणे आए थे। इस बीच, अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि यह आत्महत्या है या संदिग्ध मौत। लेकिन पुलिस ने बताया कि शव के पास से एक नोट मिला है। इस नोट से मौत के पीछे की वजह सामने आएगी।

बारामती सीट पर ननद भाभी

सुप्रिया सुले और सुनेत्रा पवार का मंदिर में हुआ सामना, फिर दोनों गले मिलीं

पुणे, 9 मार्च (एजेंसियां)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र-पवार) की नेता एवं बारामती की सांसद सुप्रिया सुले और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार शुक्रवार को बारामती तहसील के एक मंदिर में मिले और एक-दूसरे को गले लगाया। ऐसी अटकलें हैं कि अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी सुनेत्रा पवार को बारामती लोकसभा क्षेत्र में सुले के खिलाफ मैदान में उतार सकती है। सुले राकांपा संस्थापक शरद पवार की बेटी और अजित की चचेरी बहन हैं। सुले और सुनेत्रा का जलोची गांव के कमलेश्वर मंदिर में एक-दूसरे से आमना-सामना हुआ। सुनेत्रा पवार ने एक बयान में कहा, ''मंदिर में प्रार्थना करने के बाद मेरी मुलाकात सुप्रिया 'ताई' (मराठी में बड़ी बहन) से हुई। हम दोनों ने महाशिवरात्रि और महिला दिवस के अवसर पर शुभकामनाओं का आदान-प्रदान किया।''बता दें कि कुछ दिन पहले ही सांसद सुप्रिया सुले ने अपनी भाभी सुनेत्रा पवार पर अब तक का सबसे बड़ा निशाना साधा था। पुणे में एक जनसभा को संबोधित करने के दौरान सुप्रिया सुले ने कहा था कि मैं वोट मांग रही हूं, मैं अपने पति सदानंद सुले को वोट मांगने के लिए घूमा नहीं रही हूं। पत्नी संसद के भीतर जाएगी और पति को कैंटीन में पर्स लेकर बैठना होगा। संसद में नोटपैड चलता है मैडम।। पर्स नहीं। सुप्रिया सुले ने आगे कहा था कि मैंने अपने पति को बोला है। मेरे पति का यहां क्या काम है? हमारी शादी मतलब आती क्या खंडाला? खंडाला के नीचे पति और ऊपर मैं, क्यों मेरा पति यहां हो? मेरा पति यहां आकर भाषण करें क्या यह आपको मंजूर है? संसद में मेरा पति जाने वाला है या फिर मैं? पति कैंटीन में बैठे, वैसे मेरा पति आता नहीं है लेकिन जिस पति (अजित पवार) को उत्साह है वह पत्नी के अंदर जाने के बाद कैंटीन में पर्स लेकर बैठे हैं। मैं मजाक नहीं कर रही हूं।

ईडी की कार्रवाई अवैध, चीनी फैक्ट्री को जब्त करने पर बोले रोहित पवार

मुंबई, 9 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में प्रवर्तन निदेशालय ने कार्रवाई करते हुए एनसीपी शरद चंद्र पवार के अध्यक्ष शरद पवार के पोते और विधायक रोहित पवार की चीनी फैक्ट्री को जब्त कर लिया है। ईडी ने यह कार्रवाई शिखर बैंक घोटाला मामले में की है। ईडी की इस कार्रवाई पर रोहित पवार का बयान सामने आया है। जिसमें उन्होंने ईडी की कार्रवाई और कुर्की को अवैध करार दिया है। रोहित पवार का कहना है कि ईडी भारत सरकार की एक प्रतिष्ठि एजेंसी है। जिसने गलत तरीके से संपत्ति को जब्त किया है। ईडी की प्रेस नोट में गलत तथ्यों को रखा गया है। रोहित ने ईडी की कार्रवाई को राजनीति से प्रेरित बताया और कहा कि ईडी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई पर विचार किया जा रहा है। इसके आगे रोहित ने कहा कि ईडी ने अपने अधिकार का उल्लंघन किया है। रोहित ने कहा कि खास बात ये है कि प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि ईडी का मामला आर्थिक अपराध शाखा, मुंबई पुलिस द्वारा दर्ज की गई एक एफआईआर पर आधारित है, जिसमें ये आरोप लगाया गया है कि एमएससीबी के अधिकारियों और निदेशकों ने एसएसके को धोखाधड़ी कर बिना किसी उचित प्रक्रिया का पालन किए रिश्तेदारों और अपने खास लोगों को कम कीमत पर बेचा गया था। रोहित पवार का कहना है कि महाराष्ट्र सरकार की एक सम्मानित एजेंसी, प्रतिष्ठित आर्थिक अपराध शाखा ने न केवल बारामती एग्रो लिमिटेड को उक्त एफआईआर में आरोपी के रूप में नामित नहीं किया था।

मंत्रालय के पुराने भवन में तीसरी से छठवीं मंजिल तक भीषण आग, पांच कर्मचारियों को निकाला बाहर

भोपाल, 9 मार्च (एजेंसियां)। भोपाल में मंत्रालय की पुरानी बिल्डिंग की तीसरी मंजिल पर शनिवार सुबह आग लग गई। तेज हवा के कारण तेजी से फैली आग देखते ही देखते चाथी, पांचवीं और छठवीं मंजिल पर भी पहुंच गई। शनिवार सुबह 9:30 बजे मंत्रालय के गेट नंबर पांच और छह के मध्य सफाई कर रहे कर्मचारियों ने मंत्रालय की पुरानी बिल्डिंग की तीसरी मंजिल से धुआं उठता देख सुरक्षाकर्मियों को सूचना दी। इसके बाद दमकल और पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। शुरुआत में चार दमकलों को मौके पर आग बुझाने के लिए लगाया गया था, लेकिन तेज हवा के कारण आग तेजी से बढ़ती गई और चौथी, पांचवीं और छठवीं मंजिल को भी अपनी चपेट में ले लिया। चार दमकलों से आग बुझाने का कार्य शुरू हुआ, लेकिन तेज हवा और आग ऊपर की मंजिल में होने के कारण भोपाल नगर का अमला आग पर काबू नहीं पा सका। इसके बाद भेल, ईएमई सेंटर बैरागढ़ और भोपाल एयरपोर्ट से दमकलें बुलाई गईं। हालांकि, तब तक भोपाल नगर निगम का फायर टेंडर भी मौके पर पहुंच गया था। लेकिन, तेज हवा के कारण आग चौथी, पांचवीं और छठवीं मंजिल को अपनी चपेट में ले लिया है। दमकल कर्मियों ने मंत्रालय की पुरानी बिल्डिंग में फंसे पांच कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है, हालांकि कुछ और कर्मचारी बिल्डिंग के अंदर फंसे हैं या नहीं, इसका खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस और नगर निगम का अमला यह भी स्पष्ट नहीं बता पा रहा कि यह कर्मचारी मंत्रालय में पहले से मौजूद थे, या आग बुझाने और दस्तावेजों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए मंत्रालय के अंदर पहुंचे थे। मंत्रालय में आग लगने का पता शनिवार सुबह करीब 9:30 बजे हुआ, इसके पहले शुक्रवार को मंत्रालय में महाशिवरात्रि और अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की वजह से अवकाश था। मंत्रालय गुरुवार को शाम करीब 6 बजे बंद होने के बाद वहां कोई नहीं था। शुक्रवार को पूरा दिन बंद था, शनिवार को आग लगी, ऐसे में सवाल खड़े हो रहे हैं कि कार्यालय बंद होने के 38 घंटे बाद आग किन करणों से लगी। आज मंत्रालय में अवकाश है, लेकिन आग लगने के कारण मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव ने मुख्य सचिव वीरा राणा से फोन पर बात कर जांच के निर्देश दिए हैं। साथ ही यह भी कहा कि आग लगने के कारणों और ऐसी स्थिति दोबारा न बने, उसके उपाय करने के लिए भी कहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के फोन करने के बाद कई विभागों के प्रमुख सचिव, सचिव और अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे।

प्रकाश अंबेडकर ने मल्लिकार्जुन खड़गे को दी सलाह

कांग्रेस के सुपारीबाज नेताओं को पार्टी से बाहर फेंकिए

मुंबई, 9 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव की तैयारियां देशभर में सभी पार्टियों द्वारा की जा रही है। महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी के नेतृत्व में चुनाव लड़ने की तैयारी है। कांग्रेस और अन्य दलों के बीच सीट शेयरिंग पर बातचीत जारी है। इस बीच बीते दिनों प्रकाश अंबेडकर को भी महाविकास अघाड़ी में शामिल होने का न्यौता दिया गया था। इस बीच प्रकाश अंबेडकर ने कांग्रेस नेताओं पर टिप्पणी की है। उन्होंने कांग्रेस के नेताओं को सुपारीबाज कहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में मौजूद सुपारीबाज नेताओं को मल्लिकार्जुन खड़गे पार्टी से बाहर निकालें। दरअसल महाराष्ट्र के इचलकरंजी में जनसभा को संबोधित करते हुए प्रकाश अंबेडकर ने ये बातें कहीं। प्रकाश अंबेडकर ने अपने भाषण में कहा कि जो मोदी के खिलाफ लड़ रहे हैं उनपर संशय खड़ा किया जा रहा है। आपका एक मुख्यमंत्री (अशोक चव्हाण) छोड़कर चला गया है। दूसरा मुख्यमंत्री (पृथ्वीराज चव्हाण) बचा है। उसे भी एजेंडा दिया गया है। क्या है एजेंडा? एजेंडा है कि गठबंधन में फूट डालो। अगर तुमने गठबंधन में फूट डाला तो मई-जून में किसी राज्य का राज्यपाल बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमें याद रखना होगा कि कांग्रेस में कई ऐसे सुपारीबाज हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को हमारी सलाह है कि इन सुपारीबाज नेताओं की पहचान की जाए। उन्होंने कहा कि मल्लिकार्जुन खरगे को मेरी सलाह है कि इस तरह के कांग्रेस नेताओं सो पार्टी से बाहर निकाल फेंकिए।

जियें तो जियें कैसे बिन आपके : पंकज उधास

अतुल कुमार

रुहानी अवाज़ के गीत - गज़ल गायक पंकज उधास का बीती 26 फरवरी को निधन हो गया . वह गायक नहीं साधक थे . अपनी गायी गज़लों में जो जादुई अंदाज़ पेश किया वह टाइमलेस बना .दुनिया के कोने कोने में गज़ल को पहुंचा लोगों का दिल जीता . अस्सी के दशक में गज़ल गायकी में उनका उदय हुआ तब गज़ल की कोई खास पहचान नहीं थी. हां ! अध्ययन जगत में मशहूर गज़लकार दुष्यंत कुमार की लिखी गज़लों ने धूम मचाना शुरु कर दिया था . पाठक उनकी गज़लों के इस कदर प्रशंसक बने कि हर गज़ल को कंठस्थ कर उसे महफिलों में सुनाने लगे. आज भी उन गज़लों को दिल से पढा व सुनाया जाता है . उसी दरम्यान रुई के फाये जैसी मुलायम आवाज़ को ले पंकज उधास ने गज़ल सिंगिंग में पदार्पण किया . जो गायन की स्लेट पर नयी गाथा लिखने के समान था क्यों कि तब हर ओर फिल्मी गानों का दबदबा था और श्रोता उन्हीं गानों को महत्व देते . प्राइवेट गाने और अलबमों को बहुत कम लिसनर्स मिलते . विपरीत परिस्थितियों में पंकज उधास ने अपनी गायी गज़लों के प्राइवेट अलबम " आहट " से गाना प्रेमियों के कानों पर दस्तक दी .

फिज़ां में उनकी आवाज़ गूंजी तो सुनने वाले अपने आप उनकी ओर खिंचे चले आये . पांच दशकों तक संगीत की दुनिया में गज़ल प्रेमियों के दिल पर राज किया . जब भी जहां भी उनके कंसर्ट्स (कार्यक्रम) होते तो सभागारों में हाउस फुल के बोर्ड लगे होते . फिल्मों के बाद सबसे अधिक हाउस फुल के बोर्ड पंकज उधास के लाइव प्रोग्रामस में लगते क्यों कि गज़ल गायकी के फेनोमिना बने . केवल 19 वर्ष के थे तब फिल्मों में गाना शुरु किया पहला गाना महान गायक किशोर कुमार के साथ सन 1970 में आयी फिल्म " तुम हंसी मैं जवां " के लिये " मुन्ने की अम्मा यह तो बता " गाया, जो दर्शकों को भाया .

असली लोकप्रियता सन 1986 में रिलीस फिल्म " नाम " के गाने " चिट्ठी आयी है वतन से चिट्ठी आयी है ' के सुपर हिट होने के बाद मिली . फिल्म में गीत उन्हीं पर फिल्माया गया . इसके लिये पहले तैयार नहीं थे लेकिन निर्देशक की मनुहार के बाद राज़ी हुए .श्रोता आज भी विभोर हो उसे देखते और सुनते हैं . उनकी आवाज़ में म्यूसिकल रिद्म थी जिसको खूब पसंद किया गया . कमाल की बात है जैसे ही गज़ल गाना शुरु करते तो लोग झूमने लगते . मधुर आवाज़ के मालिक थे जिसको बडे गायकों के बीच अलग पहचान मिली . कभी श्रोताओं से गायन पर ताली नहीं मांगी बल्कि दिल से अपने आप बजतीं और इतनी बजतीं कि उससे महफिल में धूम मच जाती .कभी फुर्सत मिले तो सुनियेगा " चांदी जैसा रंग है तेरा सोने जैसे बाल एक तू ही धनवान है गोरी बाकी सब कंगाल " ने गायकी के जिन खूबसूरत पडावों को प्रस्तुत किया वह सुनते बनते है.

कभी न भुलाये जाने वाले उनके गीतों में एक गीत " जियें तो जियें कैसे बिन आपके " (फिल्म साजन) के गाने को श्रोता जब भी सुनते हैं तो झूम उठते हैं . दिलकश आवाज़ से गीतों , गज़लों के माध्यम से हिंदी ,उर्दू और अन्य भाषाओं को इतना प्रचारित किया कि लोग उन गज़लों को अपनी भाषाओं में ट्रांसलेट करने लगे . मशहूर हिंदी लेखिका अमृता प्रीतम का एक कथन है " इंसान भी एक समुद्र है किसी को क्या मालूम कि कितने हादसे और कितनी यादें उसमें समाई हुई होती है ." पंकज उधास के साथ भी यही था .

दुखद है , जिन कैंसर रोगियों की दिल खोल कर मदद करते उसी रोग की चपेट में आ दुनिया

को अलविदा कहा . शुरुआती सफर असफलताओं में गुज़रा लेकिन कभी गज़ल का साथ नहीं छोडा फिल्मों में काम करने के आफर मिले पर साफ मना कर गज़लों को ही किला बना ऐसी शोहरत हासिल की कि सुनने वाले उन पर फिदा हुए . मीठी आवाज़ और भावपूर्ण गायन ने गज़ल को नयी उंचाइयां दीं .एक कविता की पंक्तियां हैं " यूं ही नहीं मिलती राही को मंज़िल / एक जुनून सा दिल में जगाना पडता है /पूछा चिडियों से कैसे बनता है आशियाना / तो बोली तिनका तिनका उठाना पडता है // पंकज उधास ने गज़ल गायकी से यही किया.

फिल्म उद्योग के महान अभिनेता और शो मैन राज कपूर ने पहली बार जब " चिट्ठी आयी है " गीत सुना तो उनकी आंखें भर आयीं और कहा यह सिंगर बहुत ऊंचे जाएगा .बी बी सी द्वारा इस गाने को सदी के सबसे बेहतरीन 100 गानों में से एक के रूप में चुना गया . उनकी गायी गज़लें सदाबहार के रूप में याद की जाएंगी जिन्होंने संगीत की दुनिया में अमिट छाप छोडी और ज़िंदगी का साउंड ट्रैक बनीं गज़ल को संगीत का वह ज़ोनर माना गया जो दिल को कहीं न कहीं छेडने की ताकत रखता है . उधास की गज़लों में बसे दर्द , हालात और जुदाई की टीस ने श्रोताओं के इमोशंस को झकझोर बार बार उनको सुनने के लिये इंस्पायर किया . बिना किसी मार्केटिंग व हो हल्ले के उनकी गायकी ने अपनी ज़मीन खुद बनायी और लिसनर्स को बंधे बंधाये गीतों के ढर्रे से निकाल गज़ल की ओर आकर्षित किया .

जगजीत सिंह ने गज़ल को स्थापित किया तो पंकज उधास ने उसे उंचाई दे घर घर पहुंचाया . रेडियो , ग्रामा फोन , कैसेट और टेप रिकार्डर के दौर में प्राइवेट गज़लों को पापुलर बनाना कोई आसान नहीं था पर उधास की सुरीली आवाज़ ने पूरे सीनेरियो को बदला . राजकोट ,गुजरात में 17 मई 1951 को जन्मे इस सिंगर की हारमोनियम ,तबला और ग़िटार बजाने में महारत थी . गज़ल के सुकून को आमो खास से परिचित करवाया . गायन में पहला एक्स्पोसर स्कूल में प्रार्थना गाने से मिला जिसने दुनिया जीती . उदाहरण के तौर पर उनकी गायी कुछ गज़लों पर गौर फरमाइये " मोहे आयी न जग से लाज मैं इतना ज़ोर से नाची आज कि घुंघरू टूट गये " " आप जिनके करीब होते हैं वो बडे खुशनसीब होते हैं " " दीवारों से मिल कर रोना अच्छा लगता है " " ऐ ज़िंदगी कुछ दे मशवरा एक तरफ उसका घर एक तरफ मयकदा " और " मिट्टी का घर हटा तो पक्का मकान आया एक वो भी ज़माना था एक ये भी ज़माना है " आदि

गज़ल क्या होती है ? इसके पीछे के जज़्बातों को उधास ने बखूबी समझा अनेक महफिलों में चार चांद लगाये . मूल रूप से गुजराती भाषी होते हुए कई भाषाओं के शब्दों से सजी गज़लों में जान डाली जो यादगार बनीं . शायरों के उन कलामों को शोहरत दी जिसे पाने का सपना वह देखते हैं . लोगों की भावनाओं की डोर को ऐसे थामा कि वह उनकी आवाज़ में व्यक्त हो सीधे दिल में उतरतीं .

नयी पीढी में गज़ल गायन को स्थापित करने के लिये उभरते गायकों को हमेशा बढावा दिया . परोपकार , सामाजिक सेवा और ज़रूरत मंदों की दिल खोल कर मदद की . शोहरत को हमेशा अकड से दूर रखा और साधारण आदमी सा जीवन जी सबकी पहुंच में रहे चार्मिंग पर्सनालिटी के मालिक थे . मशहूर शायर वसीम बरेलवी का शेर है " जहां रहेगा

वहीं रौशनी लुटाएगा/ किसी चराग का अपना मकां नहीं होता // " पंकज उधास ने अपनी गायी गज़लों से वही किया .

काव्य कुंज

प्यारी बिटिया

संजीव ठाकुर, रायपुर

कलेजे का टुकड़ा होती हैं बेटियां,
घर का अहम हिस्सा होती हैं बेटियां,
वेदों की ऋचाएं होती हैं बेटियां,
आकाश की जगमगाती
रोशनियां होती हैं बेटियां।
कुल का मान और
स्वाभिमान होती है बेटियां।
कैसी सुखद घड़ी आई थी ,
जब तू हमारी जिंदगी में आई थी,
न जाने कितने चंदा जगमगाए,
चांदनीयों की रोशनी लहराई थी।
घर के कोने कोने में छुपना छुपाना उसका,
नन्हे मुख से खिलखिलाना उसका,
अचानक गुस्से से रूठ जाना उसका,
फिर प्यार से गले लग जाना उसका।
बेटियां तो घर के दीपक की बाती होती हैं
हमारा घर भी तो बेटियां ही जगमगाती है,
मेरी आत्मा तभी चैन पाती है
बेटी जब भी गले लग जाती है।
उंगली पकड़कर चलना सीखा था उसने,
आज मैं लड़खड़ाइ तो हाथ थामा था उसने,
मेरे आंसुओं को अपनी आंखों में छुपाया था उसने,
आज देखो मेरी मां बनकर दुनिया दिखाया था उसने।
मां बाप के घर पली-बढ़ी आगे चली,
मायके से दूर जा रही गुलाब की
चेहरे पर लिए मां-बाप की लाली,
उसकी यादों में लिख दे हम एक लंबी कहानी।
बात बात में अब भी रूठ कर करती वह मनमानी,
पर मां-बाप की आंखों में ना आने देती कभी पानी।
बड़ी होकर काम ऐसे करती
जैसे घर की हो सयानी नानी,
मां-बाप की आंखों में ना
आने देती कभी दुखों का पानी।
इतनी बड़ी होकर भी पापा की
वह अब भी नन्ही परी,
पापा जी भर के देखो
जाती है आपकी वही बेटी प्यारी।
पापा की परी हुई अब सयानी,
नई जिंदगी की लिखने कहानी।
डर है दूर जाने का
पराए हो जाने का,
अपनों के दूर हो जाने का,
ससुराल के रंग में
पूरा का पूरा रंग जाने का ।
अब विवाह का शगुन आया
पापा की परी का मन घबराया,
अनुनय विनय करती ईश्वर से
कभी उठने ना पाए पीहर का साया,
बचपन की सारी बातें याद आएंगी,
वह पल पल मन ही मन रुलाएगी।
मम्मी पापा तुमने हमें चलना सिखाया,
अपने आंसुओं को रोक हमें हंसना सिखाया।
अपनी खुशियों के लिए कभी
ना होगी उदास ना रोउंगी,
अपने पीहर की तरह ही
ससुराल को भी स्वर्ग बनाऊंगी।
पापा आप की लाडली नन्ही परी
देखो अब कितनी पराई हो चली।
माँ जिन हाथों से तुमने अन्न का दाना खिलाया,
बनाया अपनी प्रतिकृति और अपनी छाया,
अब तुम दिल और आंखों से रोना मत
क्योंकि अब विदाई का समय आया,
और पराया होने का समय आया,
अपनों से बिछड़ने का समय आया,
आपकी प्यारी बिटिया।

तू.. सब पर भारी

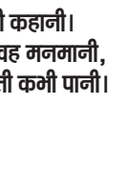

डॉ डी डी देसाई

पराई हुकूमत को ललकारा
गोरों को तूने धूल चटा दी
पीठ पर बांधे दामोदर को,
कस दी कमर तूने बिगुल बजादी।
झाँसी की मर्दानी कर घोड़े की सवारी
हे नारीपड़ी तू सब पे भारी।
घर संभाला.. परिवार भी संभाला,
बड़ों की आज्ञा.. बच्चों की किलकारी,
चूल्हे – चौके की निभा जिम्मेदारी,
तू कल्पना बन ले आतंरिक्ष की भरारी।
हे नारीपड़ी तू सब पे भारी।
जब परदे में थी.. तब परदा हटाया,
अज्ञानी थीतब ज्ञान का पाठ पढ़ाया
बदली ज़माने की कुंठित सोच
सावित्रीबाई फुले बन ललकारी।
हे नारीपड़ी तू सब पे भारी।
शराबी पति से पीड़ित रही.
सास ससुर से जूझती रही..
कभी समाज की बेड़ियों में जकड़ी,
कभी मर्यादाओं की बंदिशों में बंधी रही।
त्याग लोक लाज तू बनी बुलंद
सती सावित्री बन प्राण तारण हारी,
हे नारीपड़ी तू सब पे भारी।

जिंदगी का सफर

जिंदगी का सफर तेरा मेरा सफर।
पर जिंदगी सफर टेढ़ा मेढ़ा सफर।।
महफिल में अपनों की गैरों का सेहरा,
लगाया अपनों ने , गैरों का चेहरा,
दिल पर गुजरी क्या क्या बताएं ,
लगाया अपनों ने ही हमपे पहरा,
टिक सका न कुछ पल पग मेरा ठहर।

गीता अग्रवाल हैदराबाद

जिंदगी का सफर तेरा मेरा सफर।।
जंग जो छिड़ी है तो हारे भी क्यूं ,
उठी मन की तरंगे मारे भी क्यूं ,
जज्बातों के घेरे में गोते लगा लें
अपने में ही रहें खुश, ढूंढे सहारे भी क्यूं,
न सहेंगे अब कभी भी किसी का गदर।
जिंदगी का सफर तेरा मेरा सफर।।
कम सही, कोई तो अपने जैसा मिलेगा,
कांटे होंगे पर फूल गुलाब जैसा मिलेगा,
स्वयं की परवाह करे, चाहने वालों की भी
वर्तिका जैसे दीपक में जलना सिखेगा,
रोशन हो जाएगा तेरा मेरा सफर।
जिंदगी का सफर तेरा मेरा सफर।।

शिवाय

टी तारासिंह हैदराबाद

आज उपवास का दिन है
संकल्प का दिन है
वेदों पुराणों में
शिवाय की महीमा बताई गई है
सब देवों के देव है महादेव शिवार
तीनों मण्डलों के है विधाता
ओर सृष्टिकर्ता
समुद्र मंथन में विश पीकर देवो को बचाये थे
जटाधारी, सर्पधारी ओर त्रिनेत्रधारी है शिवार
राक्षसों का, दानवों का काल बने थे शिवार
उत्तर से दक्षिण, पूरब से पश्चिम तक शिवार नाम गुंजे
करले मन से उपवास मनोकामनाएं पूरी कर ले
कण कण में शिवार सबके मन में है शिवार
सनातन धर्मियों का इष्ट देव है शिवार
आज करे शिवार का शिवाराधना ।।

हम भी कुछ ....

दर्शन सिंह हैदराबाद

पता ही नहीं चला,
कब स्वादली बातों में आ जाते हैं
स्वादिष्ट मीठी मीठी
लोरियों में खो जाते हैं
जब तलक अखियां खुलती,
देर हो जाती है
आंधी तुफानों का बवंडर,
मौन आहार हुए
हम भी कुछ मासूम थे, फरिश्तों की तरह
हाथ दुनिया के लगे जब , तो गुनाहगार हुए
लड़कपन था,इधर उधर कहीं भी पड़ जाते थे
छोड़ो कल की,कभी यहां कभी वहां के हो जाते थे
नहीं नहीं यहां से नहीं जाना, मौज मस्ती करने दो
यह कैसी हास्यास्पद ठिठोली, बेसवाद हुए
हम भी कुछ...
लोग जरूरत के मुताबिक इस्तेमाल करते हैं
हम इस भ्रम में कि लोग हमें पसंद करते हैं
इसी उधेड़बुन में,देखते ही देखते सांझ हो जाती
आंख लग गई थी,भोर हुई,आखिरकार मवाद हुए
हम भी कुछ...
जो ठहर जाते थे मेरी एक आवाज पर
मुद्दत हुए अब मुझे अनसुना कर देते हैं
मानुष! उगते हुए सूरज को सलाम करते हैं
समझने में हुई भूल,विराम की सौगात देते हैं
शून्यों से उलझता रहा, खजल खवार हुए
हम भी कुछ...

रौब झाड़ने की सनक

राजेन्द्र लाहिरी पामगढ़

कुछ लोग, कुछ जातियां, कुछ वर्ग,
रौब झाड़ने की सनक
विरासत में पा लेना मानते हैं,
वो इन्सानों को इंसान नहीं जानते हैं,
क्या उनके शक्लोसूरत,
उनका रक्त, अलग होता है?
दुनिया में आने के तरीके अलग होते हैं?
वो अलग तरह से हंसते या रोते हैं?
मानव होने का सामान्य सा बोध
क्यों नहीं कर पाते हैं?
क्यों नहीं सुधर पाते हैं?
जातिय गर्वोक्तता की सनक कब तक,
वे क्यों नहीं पा रहे
संवैधानिक व्यवस्था में रच बस,
दरअसल ये सब सिर्फ खुद को
सर्वोच्च व अन्य को निकृष्ट मानने की
एक मानसिक बीमारी के सिवाय
और कुछ नहीं है,
संवैधानिक शक्तियों की अक्षमता
ही सबसे ज्यादा जिम्मेदार है,
लागू करने वालों की नजर में
देश नहीं एक परिवार है,
आम अवाम बिना सोचे समझे
किन किन को पॉवर सौंप देते हैं,
जो बाकी काम करे या नहीं लेकिन
जो रौब झाड़ने की सनक पाल लेते हैं।

नारी

डॉ टी महादेव राव

कल
मेरे नयन सागर से गहरे और सुंदर
मेरे नासिका चंपे की कली
अधर मेरे मधुरस घट
कपोल सांध्य सूरज की लाली
बातें समय को पिघलाने वाली
चाँदनी को जलन है मेरे चेहरे से
चाल मेरी हंसिनी सी
मेरे सिंगार में कई चंद्रकलाएं
मेरा साथ और मेरा प्यार ज्यों विश्व पर अधिकार
मेरे आँचल की हवा
तुम्हारे एकाकीपन की दवा
ज्यों मैं अनमोल रतन सी
मेरा अस्तित्व स्वर्ग के सोपान सी
तुम्हारी आँखों में हर पल देखा है मैंने
तुम्हारी सांस हृदय स्पंदन में पाया है मैंने
तब न था हमारे बीच कोई मूर्त भौतिक संबंध
केवल अशरीरी अमूर्त प्रेम संबंध
उन मधुर बंधनों का नहीं कोई नाम
तुम कहते रहे यह बंधन जन्म जन्मांतरों का है
युग बीतते हैं पलों से तेरे साथ रह कर
आज
वह कल्पना ही नहीं है
जिक्र होता ही नहीं प्रेम का
सागर, चम्पा, हंस, चंद्रकलाएं
सूरज, स्वर्ग, हृदय, तारे
कहाँ खो गए सारे
क्या खुले गगन में विचरते पंछी को
पिंजरे में कैद करने का नाम ही बंधन है?
अब मेरे साथ रहने समय नहीं है तुम्हारे पास
आपस में बातें किए हमें हो गए कितने दिन?
मेरे हर चेष्टा तुम्हें पसंद नहीं
जानती हूँ मैं कि मैं बदली बिलकुल नहीं मानसिक रूप से
यह सचाई तुम जानते हो कि बदल गए हो तुम पूरी तरह
चाहा हुआ मिल जाए गर आसानी से
हमारे लिए उसका मोल होता है तिनके के बराबर
क्या रिश्तों को नाम देते ही
हो जाते हैं वे इस तरह स्वादहीन और असहनीय ?
क्या सारे बंधन ऐसे ही हैं?
हम से बेहतर है पंछी
बंधनों के बिना भी वे रह लेते हैं हंसी खुशी
इच्छा है खुले विशाल गगन में उड़ जाने की
इन रिश्तों से दूर... बहुत दूर।

रामसेतु

आया साधु वेश कर धारण,
छल से लिया अपने साथ रावण।
रामप्रिया का जब हुआ हरण,
क्या केवल था हिरण कारण ।
चिंताग्रस्त थे राम-लक्ष्मण,
यहाँ किसके हैं यह रजकण।
निकले ढूँढने कानन कानन ,
मिला मैया का पायल आभूषण।
कुछ तो मिटा हृदय का क्रंदन,
घूमते भाई पहुंचे दिशा दक्षिण।
वहां पर भेंट हुई थी हनुमान,
अशोक वाटिका में सीता रानी।
बताया जब हनुमान मुनी,
बिना रुके,जुट गई उसी क्षण।
लंका पर चढ़ाई हेतु वानर सेना,
पावन कार्य में दिया समपर्ण।
जटायों ने भी दी अपने प्राण
सीता माता को छुडाने उस क्षण।
रीछ,भालू,गिलहरी,हनुमान,
जुटे जामवंत,बाली,सुग्रीव की सेना।
सिंधु ने छुआ रघुवीर के चरण,
राम नाम लिख कर हर पाषाण।
समुद्र में बहाया सकारण,
रामेश्वर में राम सेना का बंधन।
इस धरा पर अनन्य प्रेम का ऐसा है प्रमाण,
रामसेतु में दर्शन देते स्वयं राम भगवान।
अद्भुत अनूठा हुआ निर्माण,
रामसेतु में है, श्रीराम संपूर्ण।

वर्षा शिकंशिका, कुवैत

मुंह से कुछ ना बोल

-बलविंदर सिंह, गुरदासपुर

मुंह से कुछ ना बोल ज़माना ठीक नहीं।
दुनियां देगी रोल ज़माना ठीक नहीं।
तेरी सच्चाई इल्लज़ाम में बदलेंगे,
बंद मुट्ठी ना खोल ज़माना ठीक नहीं।
दुनियां सब कुछ चोरी चोरी देख रही,
पूरा-पूरा तोल ज़माना ठीक नहीं।
दुनियां में आए पाटे खां भी चले गए,
तेरा बजना ढोल ज़माना ठीक नहीं।
मुंह से कोई बात ना कहना उल्फ़त की,
सजना धरती गोल ज़माना ठीक नहीं।
अपने सगे ही आँख बचाकर कुएं में,
ज़हर देते हैं घोल ज़माना ठीक नहीं।
निंदा चुगली बर्बादी ही करती है,
व्यर्थ ना खिदो फोल ज़माना ठीक नही।
मूर्ख व्यक्ति को शिक्षा क्यों देता है,
बन कर रह अनमोल ज़माना ठीक नहीं।
सांपों से याराने क्यों है पाल रहा,
जीवन है अनमोल ज़माना ठीक नहीं।
बंदूकों में फिर दोबारा चलते नहीं
गोली के यह खोल ज़माना ठीक नहीं।
रिश्वत देकर यारों से करवाना मत,
पुस्तक की पड़चोल ज़माना ठीक नहीं।
बालम तुम को लोग कहेंगे मूर्ख है,
बाणी रख समतोल ज़माना ठीक नहीं।

पगली की कहानी

एक चौराहे से जब भी मैं गुजरती थी
एक पगली पर अक्सर नजर पड़ती थी
गाड़ी रुकते ही वह कुछ मांगने आतीं थी
मैले फटें कपड़ों पर लिखी
उसकी कहानी नजर आती थी
पगली थी मगर खुद्दार नजर सी लगती थी
इमारत बुलंद थी कभी यह बात चेहरा बताती थी
रोज देखते देखते उससे अनजाना सा रिश्ता जुड़ गया
उसका मासूम सा चेहरा
दिल में उतर गया
बहुत दिनों तक वह पगली
मुझे नजर नहीं आयी
एक अनजानी सी आशंका
पता नहीं क्यों मन में समाई
लेकिन, एक दिन अचानक उसी जगह

पूजा महेश हैदराबाद

वह पगली फिर नज़र आती है
देखकर उसे
मेरे दिल की धड़कन बढ़ जाती है
उसका बैडोल शरीर
सारी कहानी बयां कर रहा था
हैवानियत का खेला गया खेल
इन्सानियत को शर्मशार कर रहा था
उस बेचारी को तो पता भी नहीं था
कि उसके साथ क्या हुआ है
और क्या होने वाला है
उस अभागे का क्या होगा
जो इस दुनिया में आने वाला है।

नारी तुम सृजन करो

धीरज-ए-वरदान है मिला
तुम्हें जो प्रकृति से,
उससे तुम कुछ अर्जन करों
नारी तुम सृजन करो।
भौतिकी के वेग से तेज अनगिनत
प्रतिरोध उत्पन्न करने पर भी,
रसायन के कितने असंतुलित
समीकरणों को संतुलित किया तुमने
जीवविज्ञान के आक्सीडक्शन, रीडक्शन
और पाइथागोरस प्रमेय भी सुलझाया हैं
जीवन के कुछ पन्नो ने ना जाने क्यों,
यूँ तुमको उलझाया हैं
हैं बनी नहीं तुम इन उलझनों के खातिर,
अपने जहाँ से दूर, इनका विसर्जन करो
नारी तुम सृजन करो।
यूँ लाली, बिंदिया, झुमके, बाली....
को तुम खुद से विलग करो
सच कहते हैं कि लोग
जब तुम दिमाग में विज्ञान और
दिल में साहित्य से सजती हो,
खुदा कसम! बहुत खुबसूरत लगती हो
गले में सरस्वति का वास,
जब होंठो से कुछ गुनगुनाती हो,
है प्रतित होता ऐसा मानो जैसे
सारे जहां को मधुरस पान कराती हो।
सुनो...ठहरो जरा तुम अब !
ग़र कर दे कोई तारीफ़ तुम्हारी .
शहद की वो वर्षा भी करा दे
तो फिर भी तुम इतराना मत
तुम्हारे शारिरीक बनावट को भी
अगर तुम्हारा आन बताए
तो फिर भी तुम इठलाना मत
जरुरत-ए-जहां में अगर बनना पड़े
तो मेघ का गर्जन भी बन जाओ,
नारी तुम सृजन करो ।
तेज हवाओं को तुमनें मोड़ा है,
दो गैसों को मिलाकर जल बनाया है
राधा के रूप में, प्रेम किया
मीरा सा, इंतजार किया
जब आया दुनिया का अस्तित्व खतरे में,
दूर्गा बन तुमने संहार किया।
है फलीभूत बसती ऊर्जाएँ तुम में,
जैसे.... फूलों में बसती हैं महक
मृग में बसती है कस्तूरी
इन्द्रधनुष में बसते हैं रंग
अपनी ऊर्जाओं का ना तुम,
यूं अपघटन न करो तुम,
फेनिस्ट के नारे छोड़....
खुद का तुम अस्तित्व बनाओ
नारी तुम सृजन करो ।

सरिता कुमारी यादव, सारण, बिहार

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA, Publications, Ltd,
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

स्वतंत्र वार्ता साप्ताहिकी
हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम
रविवार, 10 मार्च 2024

क्षेत्रीय दलों ने बदला दक्षिण का समीकरण

कर्नाटक और तेलंगाना के चुनावों के बाद भाजपा के खराब प्रदर्शन और कांग्रेस की बड़ी सफलता के लिए उत्तर और दक्षिण भारत की राजनीतिक संस्कृति के अंतर को जिम्मेदार माना गया था। तब से यह तर्क दिया जाने लगा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास के मुद्दे और भाजपा की हिंदुत्व की राजनीति दक्षिण में नहीं चल सकती। इस आख्यान का इस्तेमाल लोगों को यह समझाने के लिए किया गया कि पीएम मोदी के लाख जोर लगाने के बाद भी दक्षिण की 130 लोकसभा सीटों पर भाजपा आसानी से कब्जा नहीं कर सकती। यह ऐतिहासिक रूप से सच है कि आपातकाल के बाद 1977 में जब इंदिरा गांधी का पतन हुआ था, तब कांग्रेस को दक्षिण भारत में ही शरण मिली थी। यहां तक कि 2014 और 2019 में जब कांग्रेस सबसे खराब स्थिति में पहुंच गई, तब भी दक्षिण भारत ने गांधी परिवार को मजबूती प्रदान की थी। इससे भी पहले, जब 2004 और 2009 में कांग्रेस ने केंद्र में वापसी की कोशिश की, तो दक्षिण के मतदाताओं ने भरपूर समर्थन दिया था। लेकिन आज इस बात में संदेह है कि दक्षिण में वैसी ही स्थिति बनी हुई है, क्योंकि जमीनी हकीकत करवट ले रही है। दक्षिण में क्षेत्रीय दलों की भूमिका प्रमुख होती है इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है। इसमें कोई शक नहीं कि कर्नाटक एवं तेलंगाना की जीत ने कांग्रेस को बेहद जरूरी गतिशीलता दी है। फिर भी कांग्रेस दक्षिण को हल्के में नहीं ले सकती। अब उसे कई नई और चतुर क्षेत्रीय पार्टियों से जूझना होगा। भाजपा ने भी मतदाताओं तक पहुंचने की कोशिश में कोई कसर नहीं छोड़ी है। भाजपा उत्तरी और पश्चिमी भारत में अपने चरम पर पहुंच चुकी है, इसलिए प्रधानमंत्री दक्षिण में दृढ़तापूर्वक प्रयास कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने पिछले दो महीने में दक्षिण भारत की चार ताबडतोड यात्राएं की हैं। चुनाव की घोषणा होने पर वह दक्षिण में और ज्यादा प्रचार करेंगे। विधानसभा चुनाव हारने के बावजूद कर्नाटक में अब भी भाजपा के लिए संभावनाएं कम नहीं हुई हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 28 में से 25 सीटें जीती थीं, जबकि कांग्रेस मात्र एक सीट जीत पाई थी। अब सबकी निगाहें इस पर टिकी हैं कि कांग्रेस विधानसभा चुनाव की अपनी जीत (135 सीटों और 42.88 फीसदी वोट) और भाजपा के विधानसभा प्रदर्शन (66 सीट एवं 36 फीसदी वोट) का लोकसभा में कैसे मुकाबला करती है । देवगौड़ा की पार्टी जनता दल (एस) के साथ गठबंधन करके भाजपा ने पारंपरिक रूप से त्रिकोणीय मुकाबले को सीधी लड़ाई में बदल दिया है और उसे वोक्कालिगा और लिंगायत वोटरों के एकसाथ आने की उम्मीद है। भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने राज्य पार्टी का नेतृत्व येदियुरप्पा खेमे को सौंपकर एक सुधार किया है। माना जाता है कि 'मोदी फैक्टर' लोकसभा चुनावों में भाजपा को बढ़त दिला सकता है, क्योंकि प्रधानमंत्री राज्य के मतदाताओं के बीच लोकप्रिय बने हुए हैं। तमिलनाडु में द्रमुक और कांग्रेस समेत उसके अन्य सहयोगियों के लिए एक परीक्षा होगी कि क्या वह पिछले लोकसभा चुनाव (39 में से 38 सीटें) और विधानसभा चुनाव (234 में से 159 सीटें) की तरह शानदार प्रदर्शन कर पाएगी। इस बार स्टालिन सरकार के खिलाफ भाई-भतीजावाद एवं भ्रष्टाचार के आरोप हैं। सत्तारूढ़ पार्टी के नेताओं के खिलाफ ड्रग तस्करों से मिलीभगत के कथित आरोप भी हैं। शीर्ष द्रमुक मंत्रियों के भ्रष्टाचार को दबाने के लिए सनातन धर्म के खिलाफ उदयनिधि का बयान भी द्रमुक के पक्ष में काम नहीं कर सका। मुख्य विपक्षी पार्टी अन्नाद्रमुक के. अन्नामलाई के नेतृत्व वाली भाजपा से पिछड़ गई है। अन्नामलाई के नेतृत्व में भाजपा को द्रमुक से लड़ाई करने के लिए नया जोश मिला है। अन्नाद्रमुक ने हाल ही में भाजपा से गठबंधन तोड़ लिया है, जो अनुमानित रूप से 13 फीसदी अल्पसंख्यक मतों को द्रमुक से अलग करने के लिए था। इसके विपरीत मोदी ने काशी तमिल संगमम के जरिये भाजपा के हिंदुत्व और तमिल परंपरा के बीच एक भावनात्मक एवं सांस्कृतिक संबंध जोड़ने का प्रयास किया है। तेलंगाना में कांग्रेस की रणनीतिक बढ़त और आत्मविश्वास से मोदी निश्चिंत हैं। भाजपा का दावा है कि तेलंगाना में ज्यादा बदलाव नहीं दिखेगा, क्योंकि कांग्रेस बीआरएस से अलग नहीं है, जो अब भी हार के सदमे से उबर नहीं पाई है। भाजपा के लिए सकारात्मक बात यह है कि वह विधानसभा चुनाव में तीसरे स्थान पर रही, जो कि उसका अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा ने वहां 17 में से चार सीटें जीती थीं। भाजपा-आरएसएस के कार्यकर्ताओं को जमीनी स्तर पर उतारने के लिए तेलंगाना का सामाजिक चरित्र अनुकूल है। वहां मुस्लिम आबादी 15 फीसदी के करीब है, जो निजामाबाद जैसे जिलों में केंद्रित है, जहां भाजपा ने 2019 में मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की बेटी के. कविता को हराया था। वहां मुस्लिमों का प्रतिनिधित्व असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी करती है। आंध्र प्रदेश में भाजपा ने चंद्रबाबू नायडु की तेदेपा और पवन कल्याण की पार्टी के साथ गठबंधन किया है। वहां मुख्य लड़ाई जगमोहन रेड्डी की वाईएसआर कांग्रेस और तेदेपा के बीच है। कांग्रेस को उम्मीद है कि कर्नाटक और तेलंगाना की जीत का उसे फायदा मिलेगा। वाईएसआर कांग्रेस को नुकसान पहुंचाने के लिए कांग्रेस ने वहां जगन मोहन की बहन वाईएस शर्मिला को पार्टी में शामिल किया है। ऐसी भी अटकलें हैं कि राज्य कांग्रेस अपने नए दुश्मन वाईएसआर कांग्रेस के खिलाफ तेदेपा से गठबंधन करने को तैयार थी लेकिन उसका भाजपा से गठबंधन लगभग तय हो गया है तो ऐसे हालात में कांग्रेस अकेले ही चुनाव लडने को मजबूर हो गई है। आंध्र प्रदेश में लोकसभा की 25 सीटें हैं और भाजपा आठ से दस सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है। कांग्रेस को केरल से काफी उम्मीदें हैं, क्योंकि पिछली बार उसने 20 में से 15 सीटें जीती थीं। उसे उम्मीद है कि इस बार वह वामपंथियों को न्यूनतम स्तर पर ला देगी। 44 फीसदी मुस्लिम-ईसाई वोट बैंक कांग्रेस का पारंपरिक जनाधार है। इसी वजह से राज्य कांग्रेस की इकाई ने कांग्रेस कार्यसमिति के नेताओं को अयोध्या के राम मंदिर उद्घाटन में नहीं जाने के लिए कहा था। मोदी के मार्गदर्शन में भाजपा ने भी हिंदू-ईसाई वोटों को लुभाने की भरपूर कोशिश की है। भाजपा की नजर 18 फीसदी ईसाई वोटों पर है और वह अपनी चुनावी संभावनाओं को बेहतर करने के लिए चर्च के नेताओं से संबंध बढ़ा रही है। तो ऐसे में सवाल लाजमी है कि क्या उत्तर-दक्षिण का जो अंतर पैदा किया जा रहा है, वह भाजपा को रोक पाएगा?

हिंदी पट्टी में कांग्रेस नेताओं की अग्निपरीक्षा

राहुल गांधी केरल की वायनाड सीट से लगातार दूसरी बार चुनाव लड़ेंगे। शशि थरूर को केरल के तिरुवनंतपुरम से लगातार चौथी बार टिकट मिला है। हालांकि, छत्तीसगढ़ में 5 और तेलंगाना में 6 पुराने उम्मीदवारों के टिकट काट दिए गए हैं। कांग्रेस ने भूपेश बघेल, ताम्रध्वज साहू और केसी वेणुगोपाल जैसे दिग्गजों को मैदान में उतारा है।

शुक्रवार को कांग्रेस के 39 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट में ये बातें सामने आईं। इससे पहले बीजेपी ने अपनी पहली लिस्ट में 195 उम्मीदवारों की घोषणा की थी।

पहली लिस्ट में कांग्रेस ने 39 में से 20 नए उम्मीदवार उतारे हैं। 19 सीटों पर पुराने उम्मीदवारों को बरकरार रखा गया है। कर्नाटक में 7 सीटों पर टिकट की घोषणा हुई, इसमें 6 नए उम्मीदवार उतारे गए हैं। इसी तरह छत्तीसगढ़ में 6 सीटों पर टिकट की घोषणा हुई, जिसमें 5 नए उम्मीदवार हैं। नए उम्मीदवारों में छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी शामिल हैं। वो राजनांदगांव से चुनाव लड़ रहे हैं। केरल में कांग्रेस कोई एक्सपेरिमेंट करने के मूड में नहीं है। वहां 16 सीटों पर टिकट अनाउंस हुए, इसमें 13 सीटों पर पिछले कैंडिडेट्स को ही उतारा गया है।

बीजेपी ने पहली लिस्ट में अलग स्ट्रैटजी अपनाई थी। बीजेपी ने 195 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट में 117 पुराने उम्मीदवारों के टिकट बरकरार रखे। यानी पार्टी ने करीब 60% उम्मीदवारों को फिर से चुनावी मैदान में उतारा है। पार्टी से सिर्फ 20% मौजूदा सांसदों का टिकट कटा है। उत्तराखंड, अरुणाचल प्रदेश, दमन और दीव, जम्मू-कश्मीर, गोवा में घोषित सभी 100% पुराने उम्मीदवार बरकरार रखे गए हैं। उत्तर प्रदेश में 51 टिकट घोषित किए गए हैं, इनमें से 46 टिकट पिछले उम्मीदवारों को मिले हैं। कांग्रेस की 39 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट में सिर्फ 15 उम्मीदवार यानी करीब 38% ही जनरल कैटेगरी के हैं। कांग्रेस ने एससी/एसटी/ओबीसी/मुस्लिम कैटेगरी के 24 उम्मीदवारों को टिकट दिया है यानी करीब 62%। कांग्रेस ने सिर्फ 10% टिकट महिलाओं को दिया है। वहीं 50 साल से कम उम्र के उम्मीदवार 31% हैं।

राहुल गांधी पिछले कुछ महीनों से लगातार जातिगत जनगणना को लेकर आवाज उठा रहे हैं। उन्होंने संसद में भी आबादी के हिसाब से भागीदारी की बात की थी। कांग्रेस उम्मीदवारों की पहली लिस्ट में 38% ओबीसी उम्मीदवारों को जगह मिली है। ये बीजेपी की पहली लिस्ट के मुकाबले करीब 10% ज्यादा हैं। बीजेपी की पहली लिस्ट में अलग स्ट्रैटजीः बीजेपी ने 195 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट में करीब 53% टिकट SC/ST/OBC/मुस्लिम कैटेगरी के उम्मीदवारों को दिए। BJP ने कांग्रेस के मुकाबले OBC कैंडिडेट्स कम उतारे हैं, जबकि महिलाओं को टिकट देने के मामले में BJP 4% आगे है।

पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी को केरल की वायनाड सीट से दोबारा टिकट मिला है। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को राजनांदगांव और पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू को महासमुंद से मैदान में उतारा गया है। बघेल और साहू की उम्मीदवारी से संकेत मिल रहे हैं कि कांग्रेस हिंदी प्रदेशों में अपने सीनियर नेताओं को उतारेगी। चर्चा है कि आने वाली लिस्ट में राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और कांग्रेस कार्य समिति के सदस्य सचिन पायलट को भी चुनाव में उतारा जा सकता है। 2019 लोकसभा चुनाव में हिंदी प्रदेशों में कांग्रेस का सफाया हो गया था। पार्टी के महासचिव और राज्यसभा सांसद केसी वेणुगोपाल को मैदान में उतारकर पार्टी ने संकेत दिया है कि उच्च सदन में अनुभवी सांसदों को लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए तैयार रहना पड़ सकता है। वेणुगोपाल केरल के अलाप्पुझा से चुनाव लड़ेंगे। ये केरल की इकलौती सीट है, जहां 2019 में कांग्रेस के नेतृत्व वाला यूडीएफ गठबंधन हार गया था।

कांग्रेस ने अपनी लिस्ट में 8 राज्यों और 1 केंद्र शासित प्रदेश में कुल 39 उम्मीदवारों की घोषणा की है। इसमें 28 उम्मीदवार दक्षिण भारतीय प्रदेशों के हैं। कांग्रेस ने केरल में 16, कर्नाटक में 7, तेलंगाना में 4 और लक्षद्वीप में 1 सीट पर उम्मीदवारों की घोषणा की है।

पहली लिस्ट में साफ तौर पर दिख रहा है कि कांग्रेस का फोकस दक्षिणी राज्यों पर है। जबकि बीजेपी ने अपनी पहली लिस्ट में उत्तर भारतीय राज्यों पर फोकस किया था। 195 में से सिर्फ 21 सीटें दक्षिण भारतीय राज्यों की थीं।

कश्मीर में बना गुपकार गठबंधन अब टूट के कगार पर

अशोक भाटिया

गुपकार ग्रुप एक बार फिर चर्चाओं में है। जब केंद्र सरकार ने कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म आर्टिकल 370 को वापस ले लिया था और इसका राज्य का दर्जा भी खत्म कर दिया था, तब से कश्मीर की राजनीति में उतार-चढ़ाव आते रहे हैं। उस समय गुपकार गठबंधन के नेताओं को कई महीनों के लिए नजरबंद कर दिया गया था। अब चूंकि कश्मीर की सियासत फिर करवट लेती लग रही है, लिहाजा गुपकार नेताओं को लेकर फिर सुर्खियां बनने लगी हैं।

आपको बता दे कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कश्मीर को लेकर 2021 में जब सभी पार्टियों की मीटिंग की थी और इसका न्योता गुपकार नेताओं को भी भेजा गया था जिसे उन्होंने मंजूर कर लिया था । ये बात भी है कि कश्मीर के राज्य का दर्जा खत्म करने के बाद गुपकार गठबंधन के नेताओं पर आरोप सत्ताधारी दल के नेताओं ने लगाए थे। उनसे सहानुभूति रहने वालों को देशद्रोही तक कह दिया गया था लेकिन अब प्रधानमंत्री ने खुद ही उन्हें मीटिंग में बुलाया था । दरअसल गुपकार गठबंधन को लेकर सियासत अगस्त 2019 से ही गरम रही है। उन्हें लेकर बहुत कुछ कहा जा चुका है। 04 अगस्त 2019 से इस गठबंधन शामिल पार्टियों और नेताओं को लेकर चर्चा गरम रही है। कांग्रेस पर भी बीच में आरोप लगे थे कि उसका रुख गुपकार के प्रति नरम है। इसे लेकर कांग्रेस और भाजपा के बीच पिछले लम्बे समय तक ताबड़तोड़ आरोप-प्रत्यारोप और ट्विटर वार भी चला।

आपको घटना चक्र क्रमवार बता दे कि नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला का आवास श्रीनगर में 01, गुपकार रोड पर है। यहीं पर 4 अगस्त 2019 को कश्मीर के 08 दलों ने एक साथ बैठक की थी। इस बैठक में जम्मू-कश्मीर के इन 08 दलों ने साथ मिलकर केंद्र सरकार की राज्य की नीतियों के खिलाफ नया गठबंधन बनाने की घोषणा की थी। इसी गठबंधन को गुपकार ग्रुप या गुपकार गठबंधन कहा जा रहा है। हालांकि तब तक केंद्र सरकार ने राज्य से आर्टिकल 370 और आर्टिकल 35ए की वापसी पर कदम तो नहीं उठाया था लेकिन राज्य में सुरक्षा बलों की संख्या बढ़ा दी गई थी। सभी पर्यटकों को तुरंत राज्य छोड़ने के लिए कहा गया था। इसके एक साल बाद ये दल फिर फारूक अब्दुल्ला के निवास पर मिले और गठबंधन बनाने की घोषणा की जिसे गुपकार गठबंधन कहा गया। अब इन्हें इसी नाम से जाना जा रहा है। नवंबर 2020 में जब गृह मंत्री अमित शाह ने गुपकार को लेकर एक ट्विट किया तो इस पर बड़ा विवाद भी हुआ था ।

गुपकार घोषणा में आर्टिकल 370 और आर्टिकल 35ए की वापसी की बात की गई थी । साथ ही जम्मू-कश्मीर के संविधान और इसके राज्य के दर्जे को बहाल करने की मांग की गई थी । इस घोषणा में केंद्र सरकार से की गई इन मांगों के साथ कहा गया, हम राज्य की पुरानी स्थिति के बहाल होने तक लड़ाई लड़ते रहेंगे। हमें राज्य का बंटवारा बिल्कुल नामंजूर है। हम सर्वसम्मति से यह दोहराते हैं कि हमारी एकता के बिना हमारा कुछ नहीं हो सकता। इस गठबंधन के दलों का पारित की गई घोषणा में आगे कहा गया, '5 अगस्त, 2019 को केंद्र सरकार द्वारा लिए गए फैसले असंवैधानिक थे जिनका मकसद जम्मू-कश्मीर को अधिकारों से वंचित करना है। साथ ही वहां के लोगों की मूल पहचान को चुनौती देना भी।'संयुक्त बयान में कहा गया था कि हम लोगों को आश्वस्त करना चाहते हैं कि हमारी सभी सियासी गतिविधियां 4 अगस्त, 2019 तक जम्मू-कश्मीर के प्राप्त दर्जे की वापसी की राह में होंगी।

22 अगस्त, 2020 को 07 राजनीतिक दल इसी संबंध में मिले। गुपकार में नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीडीपी, पीपल्स कॉन्फ्रेंस, कांग्रेस, सीपीआई (एम), पीपल्स यूनाइटेड फ्रंट, पैंथर्स पार्टी और अवामी नेशनल कॉन्फ्रेंस ने हिस्सा लिया। हालांकि कांग्रेस इसका अभी तक हिस्सा नहीं बनी थी क्योंकि पार्टी ने 14 नवंबर को जारी अपने बयान में कहा था कि गुपकार का हिस्सा बनने के बारे में अब तक कोई फैसला नहीं किया है।

आंध्र प्रदेश में क्या गुल खिलाएगा बीजेपी-टीडीपी गठबंधन ?

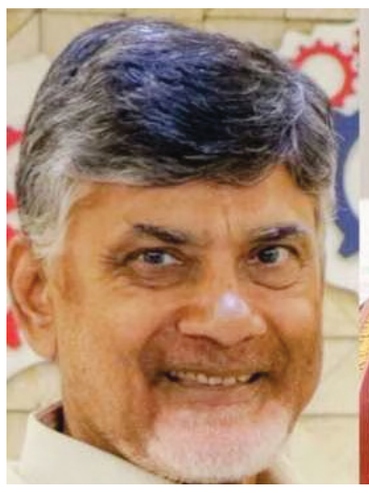

जून 2017 की बात है। पीएम मोदी और आंध्र प्रदेश के तब के सीएम चंद्रबाबू नायडू एक मंच पर थे। नायडू ने मोदी का स्वागत किया। नायडू जब मंच से जाने लगे तो मोदी तेजी से उनकी तरफ बढ़े और हाथ पकड़कर जबरदस्ती अपनी कुर्सी पर बैठा दिया और खुद बगल में लगी दूसरी कुर्सी पर बैठ गए। ये वो दौर था जब चंद्रबाबू की पार्टी टीडीपी, बीजेपी की अगुवाई वाले एनडीए का हिस्सा थी। अगले ही साल, टीडीपी ने बीजेपी से किनारा कर लिया। मोदी और नायडू में विरोध इस हद तक बढ़ गया कि आंध्र प्रदेश जाने पर प्रोटोकॉल के तहत टीडीपी का कोई मंत्री तक प्रधानमंत्री की अगवानी में नहीं आया। व्यक्तिगत हमलों का स्तर भी काफी नीचे स्तर तक पहुंच गया था। लेकिन अब 6 साल बाद सारे गिले शिकवे भुलाकर टीडीपी फिर एनडीए का हिस्सा बनने जा रही है। 7 मार्च को चंद्रबाबू नायडू दिल्ली में गृहमंत्री अमित शाह और बीजेपी प्रमुख जेपी नड्डा से मिले। बीते एक महीने में दूसरी बार चंद्रबाबू, बीजेपी के नेताओं से मिले हैं। कहा जा रहा है कि बीजेपी और टीडीपी में गठबंधन तय हो गया है, सीट शेयरिंग फॉर्मूले पर भी बात बन गई है। ऐसे में सवाल है कि आंध्र प्रदेश का चुनावी गणित अब क्या होगा, दोनों दल 6 साल बाद साथ क्यों आ रहे हैं और इसका चुनावी नतीजों पर क्या फर्क पड़ सकता है। बीजेपी और टीडीपी के बीच गठबंधन की संभावनाओं को वार्ता की मेज तक लाने में एक्टर से नेता बने पवन कल्याण की बड़ी भूमिका है। पवन कल्याण की पार्टी जेएसपी पहले से टीडीपी के साथ गठबंधन में है। खबरों के मुताबिक, चंद्रबाबू नायडू और अमित शाह के बीच हुई मीटिंग के दौरान पवन कल्याण भी मौजूद थे। वहीं आंध्रप्रदेश बीजेपी प्रमुख डी पूर्णदेश्वरी पहले से दिल्ली में डेरा डाले हुए हैं। मीटिंग के बाद चर्चा है कि एक से दो दिनों में बीजेपी-टीडीपी-जेएसपी के गठबंधन की औपचारिक घोषणा की जा सकती है। आंध्रप्रदेश में 175 विधानसभा और 25 लोकसभा सीटें हैं। राज्य में वाईएस जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली वाईएसआरसीपी सत्ता में है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, टीडीपी, बीजेपी को 4 लोकसभा सीटें और करीब 10 विधानसभा सीटें देने को तैयार है। वहीं टीडपी और जेएसपी गठबंधन ने विधानसभा चुनाव के लिए 99 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर दी है। गठबंधन के तहत टीडीपी ने जेएसपी को 24 विधानसभा सीटें और 3 लोकसभा सीटें दी हैं।

टीडीपी की प्रवक्ता ज्योत्सना तिरुनगरी ने कहा है कि अमित शाह और जेपी नड्डा से मुलाकात के बाद चंद्रबाबू नायडू एक बैठक करेंगे। इसके बाद गठबंधन को लेकर घोषणा किए जाने की संभावना है। खबरों के मुताबिक बीजेपी ने 6-8 लोकसभा सीटें और 15 विधानसभा सीटें मांगी हैं। बीजेपी, खास तौर पर राज्य में विशाखापत्तनम, अराकू, विजयवाड़ा, राजमुंदरी, राजमपेट, तिरुपति और हिंदूपुर लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ना चाह रही है। ये भी कहा जा रहा है कि बीजेपी कुछ कम विधानसभा सीटों पर समझौते के लिए तैयार है, लेकिन इन लोकसभा सीटों पर वह समझौता नहीं करना चाहती। बीते महीने जब टीडीपी और जेएसपी ने 99 विधानसभा सीटों पर साझेदारी के तहत उम्मीदवार फाइनल किए तो बाकी सीटों को जानबूझकर छोड़ा गया। इन सीटों पर दोनों दल बीजेपी के गठबंधन में शामिल होने के फैसले के इंतजार में हैं। 2019 के लोकसभा चुनावों में बीजेपी का वोट शेयर आंध्र प्रदेश में 1% से भी कम रहा था, ऐसे में टीडीपी उसके साथ सीटों पर समझौता करने को क्यों तैयार है?

आंध्र प्रदेश की राजनीति को करीब से समझने वाले प्रोफेसर के नागेश्वर बताते हैं, 'बीजेपी पुरजोर ताकत लगाने के बावजूद भी आंध्रप्रदेश में अपने पैर नहीं जमा पाई है। गठबंधन को लेकर आंध्रप्रदेश बीजेपी में दो तरह के गुट बने हुए हैं। एक गुट चंद्रबाबू नायडू को भरोसे वाला नेता नहीं मानते। ये नेता इस बात पर जोर देते हैं कि त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल की तरह, बीजेपी अपने बलबूते प्रदेश में अपना आधार मजबूत कर सकती है। ये नेता, पवन कल्याण की पार्टी से गठबंधन के पक्ष में हैं, लेकिन टीडीपी के साथ जाने के पक्ष में नहीं है।'

नागेश्वर आगे कहते हैं, 'बीजेपी के दूसरे गुट का मानना है कि टीडीपी और जेएसपी के साथ गठबंधन से प्रधानमंत्री मोदी के 400 पार के लक्ष्य को पूरा करने में मदद मिलेगी।'

आंध्रप्रदेश में बीजेपी के लिए ये अच्छी ही बात है कि उसके साथ टीडीपी है। आंध्रप्रदेश में बीजेपी का अपना आधार नहीं है और वायएसआरसीपी के खिलाफ माहौल बन रहा है। टीडीपी राज्य की सत्ता में वापसी कर सकती है। इसलिए गठबंधन के बाद लोकसभा और फिर विधानसभा में बीजेपी को टीडीपी का साथ मिलना उसके लिए फायदे का सौदा है। वायएसआरसीपी की कमजोरी भांपते हुए ही बीजेपी ने टीडीपी के साथ जाने का निर्णय लिया है।'

अगस्त 1995 में चंद्रबाबू नायडू ने एनटीआर की सरकार गिराकर अपनी सरकार बनाई। एनटीआर की पार्टी टीडीपी भी दो टुकड़ों में बंटी। टीडीपी (नायडू) का नेतृत्व चंद्रबाबू नायडू कर रहे थे। 96 के लोकसभा चुनावों के लिए नायडू की टीडीपी अटल के नेतृत्व में एनडीए में शामिल हो गई। लेकिन तबसे लेकर 2009 के लोकसभा चुनाव तक संयुक्त आंध्रप्रदेश की 42 सीटों पर बीजेपी एक भी सीट नहीं जीती। साल 2014 में टीडीपी और बीजेपी ने आंध्रप्रदेश में एक साथ चुनाव लड़ा। चुनाव के नतीजे आने के बाद आंध्रप्रदेश का विभाजन हो गया था। और फिर साल 2018 में टीडीपी गठबंधन से अलग हो गई। आंध्रप्रदेश में बीजेपी संगठनात्मक रूप से बहुत कमजोर है। प्रदेश में बीजेपी का कोई बड़ा नेता भी नहीं है। इसके बावजूद, चंद्रबाबू नायडू बीजेपी के साथ जाना चाहते हैं। इसके पीछे उनकी व्यक्तिगत वजह भी है। आंध्रप्रदेश के लिए विशेष राज्य के दर्जे की मांग पूरी न होने पर चंद्रबाबू ने एनडीए गठबंधन से किनारा किया था। वो मांग अभी भी अधूरी है। लेकिन घोटाले में गिरफ्तारी के बाद से चंद्रबाबू को केंद्रीय एजेंसियों का भी डर है। उन्हें लगता है कि बीजेपी के साथ जाने से वो कानूनी कार्रवाई से बचे रहेंगे।' बता दें कि बीते साल सितंबर में कथित आंध्र प्रदेश कौशल विकास निगम घोटाले में चंद्रबाबू नायडू की गिरफ्तारी हुई थी।

'टीडीपी ने बीते चुनावों में नुकसान उठाया है। अब उसे उम्मीद है कि गठबंधन के जरिए वायएसआरसीपीके सामने मजबूती से खड़ा हुआ जा सकता है। टीडीपी को ये भी पता है कि बीजेपी और वायएसआरसीपी के बीच बुरे संबंध नहीं हैं। ऐसे में बीजेपी के साथ गठबंधन से टीडीपी, वायएसआरसीपी को ये संदेश देने में भी सफल रहेगी कि केंद्र सरकार उसके पक्ष में है।'

वाईएस जगन मोहन रेड्डी, हेमंत सोरेन और केजरीवाल की तरह ईडी और सीबीआई के चंगुल में नहीं पड़ना चाहते, इसलिए केंद्र से अच्छे संबंध बनाकर रखते हैं, लेकिन चुनावी गणित में उन्हें कम से कम आंध्रप्रदेश में बीजेपी की कोई जरूरत नहीं है।'

लोकसभा चुनाव में वायएसआरसीपी की स्थिति आंध्रप्रदेश के बजाय तेलंगाना में ज्यादा अच्छी है। विधानसभा चुनाव में टीडीपी इस बार बेहतर कर सकती है। ऐसे में वायएसआरसीपी को विपक्ष में बैठना पड़ सकता है। सत्ता में रहे या विपक्ष में, चंद्रबाबू नायडू की ही तरह जगन मोहन रेड्डी भी केंद्र का विरोध नहीं लेना चाहते।'

कमल हासन की पार्टी डीएमके गठबंधन में शामिल, एक राज्यसभा सीट मिली

अभिनेता कमल हासन के नेतृत्व वाली मक्कल निधि मय्यम (एमएनएम) शनिवार को तमिलनाडु में सत्तारूढ़ डीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन में शामिल हो गई। कमल हासन की पार्टी ने लोकसभा चुनावों के लिए अपना समर्थन दिया। हासन और डीएमके अध्यक्ष मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने यहां पार्टी ऑफिस अन्ना अरिवलयम में समझौते को अंतिम रूप दिया। हासन ने कहा कि गठबंधन में शामिल होने का उनका कदम देश की खातिर उठाया गया है, न कि किसी पद के लिए। उन्होंने डीएमके को पूरा समर्थन दिया। दोनों नेताओं के बीच बनी सहमति के अनुसार, एमएनएम तमिलनाडु की 39 लोकसभा सीटों और एकमात्र पुडुचेरी चुनाव प्रचार में सपोर्ट करेगा।

फाल्गुन अमावस्या पर करें 4 काम कालसर्प दोष से मिलेगी मुक्ति

पितृदोष का असर भी होगा कम

सनातन धर्म में अमावस्या तिथि को विशेष महत्व दिया गया है। अमावस्या का दिन पितृ पूजा के लिए बेहद शुभ होता है। इसके आलावा यह दिन तंत्र साधना करने वालों के लिए भी बेहद अहम होता है। इस दिन साधना करने से कई तरह की सिद्धियां और विशेष फल की प्राप्ति होती है। इस वर्ष फाल्गुन माह में अमावस्या 10 मार्च 2024, रविवार के दिन पड़ रही है। ऐसा माना जाता है कि इस दिन पवित्र नदियों में स्नान और दान करने से कई तरह के दोषों से मुक्ति मिलती है। फाल्गुन माह में पड़ने वाली इस अमावस्या के दिन कुछ कार्य ऐसे हैं, जिनको करने से शुभ फल प्राप्त होते हैं। जानते हैं फाल्गुन अमावस्या के दिन क्या करना चाहिए?

फाल्गुन अमावस्या के दिन करें ये काम

-हिन्दू मान्यताओं के अनुसार फाल्गुन मास की अमावस्या तिथि को पवित्र नदियों में स्नान-ध्यान करने पर पुण्य फल प्राप्त होते है। यदि इस दिन किसी पवित्र नदी में जाकर स्नान ना कर पाएं तो घर में स्नान करने के पानी में गंगाजल डालकर स्नान करना चाहिए। ऐसा करने से घर में सुख-समृद्धि आती है।

-अमावस्या का दिन पितृ पूजा के लिए विशेष माना जाता है। इस दिन अपने पितरों की प्रसन्नता के लिए विधि-विधान के साथ पिंडदान, तर्पण और जरूरतमंद लोगों को दान अवश्य करना चाहिए।

– यदि किसी व्यक्ति की कुंडली में कालसर्प दोष है, तो अमावस्या तिथि पर स्नान-ध्यान करके चांदी के बने नाग-नागिन के जोड़े को सफ़ेद रंग के फूल अर्पित करने चाहिए। फिर इन्हें बहते हुए पानी में प्रवाहित कर देना चाहिए। ऐसा करने से कालसर्प दोष से मुक्ति प्राप्त होती है।

-अमावस्या तिथि के दिन जरूरतमंदों को दान जरूर करें और चीटियों को आटा जरूर खिलाएं।

भगवान भोलेनाथ की अपार महिमा, अलग-अलग रंगों में दिखते हैं बाबा बूढ़ेश्वर महादेव

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में वैसे तो चारों दिशाओं में भगवान भोलेनाथ के अनेक प्रसिद्ध मंदिर हैं, जिनमें से एक बूढ़ातालाब के सामने स्थित बूढ़ेश्वर महादेव मंदिर है। जहां पर दर्शन करने की विशेष महत्ता है।

इस मंदिर में महाशिवरात्रि और सावन माह में दर्शन करने के लिए हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रहती है। महाशिवरात्रि पर सुबह शिवलिंग पर भस्म आरती की जाती है। बनारस, उज्जैन और रामेश्वर जैसे ज्योतर्लिंग से भस्म मंगवाकर उसी भस्म का लेपन किया जाता है। सुबह से दोपहर तक जलाभिषेक और शाम को भांग, धतूरा, चांदी, मालीपाणा के बर्क से श्रृंगार किया जाता है। आप भी भगवान भोलेनाथ के इस मंदिर में दर्शन कर अपनी मनोकामना पूरी कर सकते हैं।

इतिहास 100 वर्ष पुराना

बूढ़ेश्वर महादेव मंदिर के पुजारी महेश पांडेय ने बताया कि बूढ़ेश्वर महादेव का इतिहास 100 वर्ष पुराना है। यहां भगवान भोलेनाथ के दर्शन मात्र से ही भक्तों की मनोकामना फलित होती है।

इसलिए आये दिन निरंतर भक्तों की संख्या बढ़ती जा रही है। भगवान बूढ़ेश्वर का यह मंदिर राजधानी रायपुर के बीचों बीच बूढ़ापारा में बूढ़ातालाब के पास स्थित है। प्राचीन काल में राजा ब्रम्हदेव ने आदिवासी समाज के लोगों को एकत्र करने के लिए बूढ़ादेव की स्थापना की थी। जो आर्थिक स्थिति से नहीं संभल पाए तो उन्होंने सर्व समाज को सौंप दिया।

भोलेनाथ के कई रूप

पुजारी ने बताया कि जनसहयोग से मंदिर का जीर्णोद्धार हुआ है और आज एक भव्य मंदिर के रूप में बूढ़ेश्वर महादेव का मंदिर जाना जाता है। यहां स्थित भगवान भोलेनाथ बूढ़ेश्वर महादेव के रूप में विराजमान हैं। इसकी सबसे खास बात यह है कि मूर्ति स्वयंभू है। मान्यता है कि भगवान भोलेनाथ यहां कई रूप में दर्शन देते हैं। ध्यानमगन होकर देखने से कभी लाल, कभी गुलाबी जैसे कई प्रकार के रूप में दर्शन देंगे।

वास्तु की इन गलतियों के कारण भी बार-बार बीमार पड़ते हैं लोग

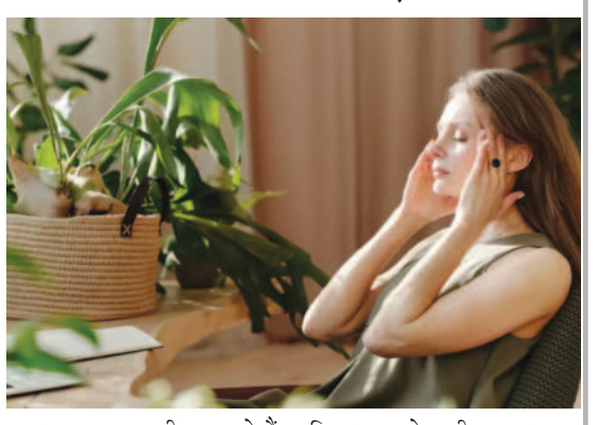

क्या आप बार-बार बीमार पड़ते हैं या फिर आप हमेशा ही थका-थका महसूस करते हैं? अगर आपका जवाब हां है, तो हो सकता है कि वास्तु की कुछ गलतियां आपकी हेल्थ के लिए जिम्मेदार हो। आमतौर पर वास्तु से जुड़ीं गलतियां होने से इसका असर आपकी हेल्थ पर पड़ता है।

दक्षिण दिशा में न रखें बेड

दक्षिण दिशा यमराज की मानी जाती है, इसलिए दक्षिण दिशा की तरह पैर करके सोने से भी बचना चाहिए। वास्तु के अनुसार दक्षिण दिशा में पैर करके सोने से सिर और पैरों में दर्द हो सकता है। इसके अलावा आपको हमेशा शरीर के बाकी हिस्सों में दर्द की शिकायत भी होने लगती है।

खिड़ियां और दरवाजे बंद करके न रखें

खुली और ताजा हवा किसे पसंद नहीं होती लेकिन जरूरी नहीं है कि खुली हवा आपको सिर्फ बाहर ही मिले बल्कि घर में भी आप हवा का ख्याल रखें। वेंटिलेशन के लिए आपको दरवाजे और खिड़कियां हमेशा बंद रखकर नहीं रखनी चाहिए। इस घर में नेगेटिव एनर्जी आती है। आप अगर सुबह-शाम खिड़िया और दरवाजे बंद करके रखते हैं, तो उसका असर आपकी सेहत पर पड़ता है।

नेचुरल लाइट्स के लिए स्पेस न होना

आजकल घरों में एलईडी लाइट्स लगाने का ट्रेंड काफी बढ़ गया है, जिसकी वजह से लोग दिन में भी इन लाइट्स को ऑन रखना पसंद करते हैं। इसकी एक वजह यह भी होती है कि घरों में प्राकृतिक रोशनी जाने की जगह ही नहीं होती, जिस वजह से हमेशा लाइट्स जलाकर रखनी होती है लेकिन यह लाइट्स देखने में कितनी भी सुंदर लगे लेकिन आपकी हेल्थ के लिए सही नहीं है। अच्छी सेहत के लिए आपके घर में प्राकृतिक रोशनी का आना बहुत जरूरी है।

घर में पेड़-पौधे न होना

आजकल घरों में स्पेस बहुत कम होता है, इसलिए घरों में पेड़ लगाना बहुत ही मुश्किल है लेकिन अच्छी सेहत के लिए आप अपने घर में इनडोर प्लाट्स तो रख ही सकते हैं। घर में हरियाली रहने से आपकी हेल्थ अच्छी रहती है। कुछ ऐसे पौधे होते हैं, जिन्हें आप घरों में आसानी से रख सकते हैं। इनमें एयर प्यूरिफॉयर प्लांट्स जरूर रखें।

शिवलिंग की आधी परिक्रमा क्यों की जाती है?

सूर्य देव की सात, हनुमान जी की तीन और देवी मां की एक परिक्रमा करें

शिव जी आधी परिक्रमा क्यों की जाती है?

शिव जी की आधी परिक्रमा की जाती है। शिवलिंग दो हिस्सों में बना होता है एक लिंग और दूसरा जलाधारी। माना जाता है कि जलाधारी को लांघना नहीं चाहिए। इसी वजह से जलाधारी तक पहुंचकर परिक्रमा को पूर्ण मान लिया जाता है। जलाधारी की अंतिम भाग तक शिव जी की आधी परिक्रमा हो जाती है।

पूजा-पाठ में और भगवान के मंदिरों में दर्शन करने के बाद परिक्रमा की जाती है। परिक्रमा को प्रदक्षिणा भी कहते हैं।

पूजा विधि अलग-अलग चरणों में पूरी होती है। जैसे शुरुआत में भगवान को स्नान कराया जाता है, श्रृंगार किया जाता है, धूप-दीप जलाएं जाते हैं, भोग लगाया जाता है, आरती की जाती है, क्षमायाचना की जाती है और अंत में परिक्रमा की जाती है।

सामान्य पूजा में भी परिक्रमा की जाती है। सभी देवी-देवताओं की परिक्रमा की संख्या अलग-अलग होती है। जानिए परिक्रमा से जुड़े नियम, जिनका पालन करने से पूजा-पाठ जल्दी सफल हो सकते हैं...

परिक्रमा कैसे करें?

भगवान की मूर्ति और मंदिर की परिक्रमा हमेशा दाहिने हाथ की ओर से शुरू करनी चाहिए। माना जाता है कि मंदिर में मौजूद सकारात्मक ऊर्जा उत्तर से दक्षिण दिशा की ओर प्रवाहित होती है। परिक्रमा जब दाहिने हाथ की ओर से शुरू की जाती है तो हम सकारात्मक ऊर्जा के साथ-साथ चलते हैं। मूर्तियों के आसपास रहने वाली सकारात्मक ऊर्जा का असर हमारे विचारों पर होता है, भक्ति भाव बना रहता है और पूजा के लिए मन एकाग्र रहता है। दाहिने का अर्थ दक्षिण भी होता है, इसी वजह से परिक्रमा को प्रदक्षिणा भी कहते हैं।

परिक्रमा कैसे करें?

परिक्रमा करते समय कौन से मंत्र का जप करें?

यानि कानि च पापानि जन्मांतर कृतानि वा
तानि सर्वाणि नश्यन्तु प्रदक्षिणे पदे-पदे।

इस मंत्र का सरल अर्थ ये है कि इस जन्म और पिछले जन्मों के सभी पाप प्रदक्षिणा के साथ-साथ नष्ट हो जाए। भगवान मेरी बुद्धि पवित्र करें।

सच बोलने के बाद हम इस बात से बेखबर हो जाते हैं कि हमने कब क्या बोला था, लेकिन झूठ बोलने में हमें याद रखना पड़ता है कि हमने किसे क्या कहा था। इसलिए हमेशा सच ही बोलना चाहिए।

फाल्गुन अमावस्या पर सूर्य पूजा के साथ करें दिन की शुरुआत

दोपहर में पितरों के लिए करें धूप-ध्यान

रविवार, 10 मार्च को फाल्गुन मास की अमावस्या है। रविवार को अमावस्या होने से इस दिन का महत्व और अधिक बढ़ गया है। ये तिथि भी एक पर्व की तरह ही मनाई जाती है। इस दिन पूजा-पाठ के साथ ही दान-पुण्य करने की परंपरा है। एक वर्ष में 12 अमावस्या आती हैं। अमावस्या तिथि के स्वामी पितर देव माने गए हैं। इस वजह से हर महीने की अमावस्या पर पितरों के लिए विशेष धूप-ध्यान और दान-पुण्य किया जाता है। जानिए रविवार और अमावस्या के योग में कौन-कौन से शुभ काम किए जा सकते हैं...

अमावस्या की सुबह जल्दी उठें और स्नान के बाद सबसे पहले सूर्य देव को अर्घ्य अर्पित करें। तांबे के लोटे में जल भरें, जल में कुमकुम चावल डालें और ऊँ सूर्याय नमः बोलते हुए सूर्य को जल चढ़ाएं। ध्यान रखें जल चढ़ाते समय दोनों हाथों को ऊंचा रखें और लोटे से गिरती हुई जल की धारा में सूर्य देव के दर्शन करें। जल चढ़ाते समय सूर्य को सीधे नहीं देखना चाहिए।

सूर्य पूजा के बाद तुलसी को जल चढ़ाएं। जल चढ़ाकर तुलसी की परिक्रमा करें।

घर के मंदिर में सबसे पहले गणेश जी पूजा करें। गणेश जी का जल, दूध और पंचामृत से अभिषेक करें। वस्त्र अर्पित करें। चंदन से तिलक लगाएं। हार-फूल से श्रृंगार करें। मिठाई का भोग लगाएं। धूप-दीप जलाकर आरती करें।

गणेश पूजा के बाद शिव जी, विष्णु जी, श्रीकृष्ण की पूजा करें। बाल गोपाल का दूध से अभिषेक करें। नए वस्त्र अर्पित करें। तुलसी के पत्तों के साथ माखन-मिश्री का भोग लगाएं। कृं कृष्णाय नमः मंत्र का जप करें। ध्यान रखें रविवार को तुलसी के पत्ते नहीं तोड़ना चाहिए, इसलिए तुलसी के पत्ते एक दिन पहले यानी शनिवार को ही तोड़कर रख सकते हैं।

देवी-देवताओं की पूजा सुबह-सुबह ही कर लेनी चाहिए। दोपहर में 12 बजे के बाद पितरों के लिए श्राद्ध, तर्पण आदि शुभ काम करें। गाय के गोबर से बने उपले (कंडे) पर शुद्ध घी और गुड़ मिलाकर पितरों का ध्यान करते हुए धूप देना चाहिए।

धूप देने के बाद हथेली में जल लें और अंगूठे की ओर से जल अर्पित करें। शाम को सूर्यास्त के बाद तुलसी के पास दीपक जलाएं। ध्यान रखें शाम के बाद तुलसी के स्पर्श नहीं करना चाहिए। दूर से तुलसी की पूजा करें। परिक्रमा करें।

अमावस्या पर घर के आसपास कहीं तालाब हो, जहां मछलियां हो, वहां मछलियों के लिए आटे की गोलियां डालें।

घर में गाय के घी का दीपक जलाएं। गरीबों को अपने सामर्थ्य के अनुसार दान करना चाहिए।

अमावस्या पर किसी शिव मंदिर जाएं और शिवलिंग पर तांबे के लोटे से जल चढ़ाएं। ऊँ नमः शिवाय मंत्र का जप करें। हनुमान जी के सामने दीपक जलाकर हनुमान चालीसा का पाठ करें।

धन पचाना भी हर किसी के वश की बात नहीं

एक चूहे ने हीरा निगल लिया। हीरे के मालिक ने शिकारी को बुलाया। वहां कई चूहे एक-दूसरे पर चढ़े बैठे थे। एक चूहा अलग से बैठा था। शिकारी ने पूछा

एक चूहे ने हीरा निगल लिया। हीरे के मालिक ने शिकारी को बुलाया। वहां कई चूहे एक-दूसरे पर चढ़े बैठे थे। एक चूहा अलग से बैठा था। शिकारी ने पूछा किस चूहे ने तु हारा हीरा निगला है ? मालिक ने कहा जो चूहा सबसे अलग बैठा है क्योंकि जब धन आ जाता है तो व्यक्ति अपनों से अलग रहने लगता है। धन पचाना भी हर किसी के वश की बात नहीं। जीवन में बने रिश्ते तोड़ना मत क्योंकि पानी कितना भी गंदा हो जाए, पीने योग्य न हो तो भी आग बुझाने के काम आ जाता है। छोटे आदमी भी बड़े काम के होते हैं, जो काम वे कर सकते हैं, आप नहीं कर सकते। रेत पर गिरी चीनी चींटी उठा सकती है, आप नहीं। मां-बाप पेड़ की तरह होते हैं। उनकी जड़ नहीं काटें। जड़ काटने से पेड़ हरा-भरा नहीं रहता। वे जिंदगी की मेहनत की पाई-पाई अपनी औलाद पर खुशी-खुशी खर्च कर देते हैं।

अंधकार में दबा हुआ मैं, मुझको अनजाना रहने दो

मेरी दृष्टि में संन्यासी ऐसा ही व्यक्ति है जो एक तरफ भूमि में जड़ें जमाता है और दूसरी तरफ आकाश की ओर पंख फैलाता है। जो भूमि में ही रह जाते हैं, वे नासमझ हैं। और जो भूमि के डर के कारण सिर्फ आकाश की आकांक्षा करने लगते हैं, वे भी उतने ही नासमझ हैं। जिनको तुम गृहस्थ कहते हो, वे भूमि में ही पड़े रह जाते हैं, बीज की तरह। और जिनको तुम अब तक साधु-संत कहते रहे हो, वे भाग खड़े होते हैं भूमि से, डर के कारण कि कहीं भूमि में जड़ें न जम जाएं, कहीं संसार जकड़ न ले। भाग जाते हैं दूर जंगल में, इस आशा में कि इस तरह आकाश की तरफ उड़ सकेंगे। लेकिन आकाश की तरफ जाने का एक ही उपाय है—बड़ा विरोधाभासी उपाय है—भूमि में जाओ गहरे, तो आकाश में उठोगे ऊंचे। जितनी होगी गहराई तुम्हारी जड़ों की, उतनी ऊंचाई होगी तुम्हारी शाखाओं की। अगर तुम पाताल छू लोगे जड़ों से, तो तुम आकाश छू लोगे अपने फूलों से। अंधकार में दबा हुआ मैं मुझको अनजाना रहने दो! जीवन-शक्ति तुम्हें जो दी है उससे बेधो तमस-भार यह बढ़ो जिधर तुमको पुकारता है प्रकाश रवि की किरणों का! नाता मत तोड़ो धरती से,यह नाता है! जीवन-रस तुमको देती है! पर न अनसुनी करो व्योम की भी पुकार, उस ओर बढ़ो तुम मुक्त वायु में! **(क्रमशः)**

मुझे 'सिनेमा' पसंद है: निकिता दत्ता

निकिता दत्ता ने 2014 में फिल्म' लेकर हम दीवाना दिल' से अपना बॉलीवुड डेब्यू किया था। साल 2021 में आई फिल्म 'कबीर सिंह' में उसने जिया शर्मा का किरदार निभाया। पिछली बार बॉस्को मार्टिस के निर्देशन में बनी फिल्म 'रॉकेट गैंग' में उसे आदित्य सील के साथ देखा गया था। इन दिनों व ह बिजॉय नाम्बियार की फिल्म 'दंगे' में दिखाई रही है। ओ.टी.टी. पर लगातार काम करने के बाद सिनेमाघरों में फिल्म रिलीज होना कैसा अनुभव लगता है, पूछने पर उसने कहा, 2019 में जब फिल्म 'कबीर सिंह' रिलीज हुई तो लोगों ने इसे खूब पसंद किया और खूब कमाई भी की। इससे मुझे बहुत कुछ मिला और मेरा करियर वहीं से आगे बढ़ा । 2020 की शुरुआत में, मेरे पास 5 फिल्में थीं, जिनमें से 4 को सिनेमाघरों में आना था लेकिन तभी कोरोना आ गया और 'बिग बुल' तथा 'डिबुक' ओ.टी.टी. पर रिलीज हुईं। 'रॉकेट गैंग' की रिलीज को दो साल के लिए आगे बढ़ा दिया गया और एक को बंद कर दिया गया।

उसने आगे कहा, बहुत संतुष्टि है कि अब अच्छी चीजें आ रही हैं, जिनकी शुरुआत 'दंगे' से हो रही है, जो सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। एक अभिनेत्री के रूप में, मुझे सिनेमा पसंद है और मैं बड़े पर्दे पर खुद को और अधिक देखना चाहती हूं।₹ काम के दौरान ही उसने बहुत कुछ सीखा है। वह कहती है, बेशक 'रॉकेट गैंग' ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं किया हो, लेकिन इसकी शूटिंग के दौरान मैंने नृत्य सीखा। मैंने फिल्म पर 3 साल तक काम किया और मुझे बहुत चोटें आईं। वास्तव में, आज मुझे पता है कि मैं केवल 'रॉकेट गैंग' के कारण ही अच्छी डांसर हूं। मेरी वापसी का कारण वह कौशल था जो मैंने सीखा था, न कि बॉक्स ऑफिस नंबर।₹ अपने अब तक के करियर पर वह कहती है, ₹मैं 'मिस इंडिया' से आई थी, जहां हर कोई अपने लिए लड़ रहा था। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं किसी से कम रहूंगी। मैं जहां हूं वहां खुश हूं लेकिन साथ ही बहुत आलोचनात्मक भी हूं। उसने आगे कहा, मुझे खुशी है कि अब महिला प्रधान फिल्में चल रही हैं। यहां तक कि 'दंगे' में भी मेरे किरदार में काफी दम है। यह अच्छा है कि इस तरह की भूमिकाएं लिखी जा रही हैं और मेरे पास आ रही हैं।

जाह्नवी की 'स्टैंड अप कॉमेडी' दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं

मुझे पता है कि आप लोग मुझे सुनने नहीं देखने आए हो। आप में से कई लोगों ने अपने फोन में मेरी तस्वीरें लगा रखी हैं। वैसे यह मेरा पहला शो है तो मैं आपसे उम्मीद करती हूं कि आप मेरे जोक्स पर हंसेंगे।

जाह्नवी का करियर

जाह्नवी कपूर पिछली बार वरुण धवन के साथ फिल्म 'बवाल' में नजर आई थी। आने वाले दिनों में वह शशांक खेतान की फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' में दिखाई देगी। इस फिल्म में भी वह वरुण के साथ ही दिखाई देगी।

उसके पास अन्य फिल्मों में राजकुमार राव के साथ 'मिस्टर एंड मिसेज माही' और साऊथ के स्टार एन.टी.आर. के साथ 'देवारा' भी है।

एक्टिंग स्कूल से कुछ नहीं सीखा

जाह्नवी ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान बताया कि उसने एक्टिंग स्कूल से कुछ नहीं सीखा। उसने कहा, ₹मुझे वे साल भारत के लोगों को जानने के बारे में गुजारने चाहिए थे। मैं मानती हूँ कि कैलिफोर्निया 'मजेदार' था और वहां का स्कूल' महान' था, फिर भी मेरे लिए स्कूल का एक्सपीरियंस कुछ खास नहीं रहा।

मैं पहली बार एक ऐसे माहौल में थी, जहां मुझे कोई भी किसी की बेटी के रूप में नहीं पहचानता था। सच कहूं तो यह गुमनामी बहुत ताजगी भरी थी। जिस स्कूल से मैंने पढ़ाई की, उसका फॉर्मेट इसबात पर आधारित था कि हॉलीवुड कैसे काम करता है। हॉलीवुड में ऑडिशन किस तरह से होते हैं। वहां कास्टिंग के लोगों से कैसे मिलते हैं। मुझे वहां पढ़ाई के दौरान एहसास हुआ कि हालांकि स्कूल मैथड एक्टिंग पर बेस्ड था, लेकिन मैं खुद एक मैथड एक्टर नहीं थी।''

फिल्म 'धड़क' के साथ बॉलीवुड में कदम रखने वाली जाह्नवी कपूर अभिनय के साथ-साथ सोशल मीडिया पर भी छाई रहती है। अभिनय के साथ ही वह अपने ग्लैमरस अवतार को लेकर भी खूब सुर्खियां बटोरती रहती है। हाल ही में, उसने स्टैंड-अप कॉमेडी में भी शुरूआत की है और सोशल मीडिया पर दर्शक उसके इस नए अंदाज को भी काफी पसंद कर रहे हैं। हालांकि, उसने स्टैंड-अप शो के जरिए एक नेक पहल की है क्योंकि वह लोगों को एच.पी.वी. यानी ह्यूमन पैपिलोमा वायरस के बारे में जागरूक करती नजर आई।

खुद पर मारे कई जोक्स

जाह्नवी का स्टैंड-अप कॉमेडी वाला वीडियो काफी वायरल हो रहा है। इस वीडियो की शुरुआत में वह कहती हैं, ₹मुझे पता है कि आप लोग मुझे सुनने नहीं देखने आए हो। मैंने देखा है कि आप में से कई लोगों ने अपने फोन में मेरी तस्वीरें लगा रखी हैं। वैसे यह मेरा पहला शो है तो मैं आपसे उम्मीद करती हूं कि आप मेरे जोक्स पर हंसेंगे। मुझे याद है आप लोगों ने मेरी पहली फिल्म के बाद काफी खिंचाई की थी।'

किया जागरूक

जाह्नवी शो में आगे कहती है, देखिए आज मैं खास मकसद से आप लोगों के बीच आई हूं। मैं आप लोगों को एच.पी.वी. के बारे में बताना चाहती हूं। यह बीमारी आगे चलकर सर्वाइकल कैंसर का कारण बनती है। आप लोग भी इसके बारे में अपने आस-पास के लोगों को जागरूक करें। आपकी एक कोशिश से किसी की जिंदगी बच सकती है।

उसने बताया कि यह बीमारी इंटीमेसी के दौरान स्किन टच होने पर फैलती है। उसने कहा कि इसमें हाथ मिलाने जैसा टच शामिल नहीं है। यहां बात इंटीमेसी टच की हो रही है। इस वायरस से कैंसर होने का खतरा बढ़ जाता है और यह महिलाओं और पुरुषों दोनों को हो सकता है।

उसने बताया कि इससे बचने का एक सबसे बड़ा तरीका है वैक्सीन लगवाना। वहां मौजूद लोगों को एक्ट्रेस ने समझाया कि अगर आप किसी को डेट कर रहे हैं, तो वे लोग वैक्सीन जरूर लगवाएं।

रिहाना संग किया डांस

हाल ही में जाह्नवी ने रिहाना के साथ डांस वाला एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह फिल्म 'धड़क' के गाने 'झिंगाट' पर डांस करती दिख रही है। यह वीडियो अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की प्री-वैडिंग पार्टी का है, जिस पर लोग जमकर अपना रिएक्शन दे रहे हैं। रिहाना ने जहां अपने स्टाइल में ठुमके लगाए, वहीं जाह्नवी भी उनके साथ ताल में ताल मिलाती नजर आ रही है। दोनों ने अपनी परफॉर्मेंस के द्वारा डांस फ्लोर पर आग ही लगा दी। जाह्नवी ने वीडियो शेयर कर कैप्शन लिखा है कि 'ये महिला तो देवी है।

कैसे कहें अलविदा।' इस वीडियो को देखने के बाद फैंस की खुशी का ठिकाना न रहा। कुछ तो इन्हें बहन भी कह रहे हैं। एक ने लिखा, 'जाह्नवी कपूर रिहाना को झिंगाट पर डांस सिखा रही हैं। आइकॉनिक है ये पल तो।' एक ने कहा, 'ये पल तो दीवाना बना देने वाला है।'

मेरे पिता मेरा 'ऑडिशन' लेते थे : सीरत कपूर

शो 'रब से है दुआ' में मन्नत का किरदार निभाने वाली सीरत कपूर ने बताया कि उसके पिता ही उसके सबसे बड़े आलोचक हैं। उसने बताया कि उसके पिता उसकी हर भूमिका से पहले उसका ऑडिशन लेते थे, ताकि वह उसके लिए ठीक से अभ्यास कर सके। सीरत को अपने परिवार से सबसे बड़ा सपोर्ट सिस्टम मिलता है, जिसमें उसके पिता उसके जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सीरत ने 5 साल की उम्र में बाल कलाकार के रूप में मॉडलिंग में कदम रखा था। उसके पिता ने उसका मार्गदर्शन करने साथ उसे प्रेरणा दी। सीरत ने कहा, मेरे पिता मेरे मार्गदर्शक रहे हैं। उनके फैसले ने मुझे निडर होकर अपने सपनों को पूरा करने का महत्व सिखाया है। उन्होंने न केवल मेरा शुरुआती समर्थन किया बल्कि मेरे जीवन के हर पहलू में मेरी प्रेरणा बने।

मेरे पिता मेरा ऑडिशन लेते थे ताकि मैं ठीक से प्रैक्टिस कर सकूं। शुरू में, मैं अपनी पढ़ने और उनके सामने अभिनय करने में थोड़ा हिचकिचाती थी, लेकिन बाद में यह सहज हो गया। वह मेरे दोस्त, मेरे सबसे बड़े आलोचक और मेरी प्रेरणा हैं।

मैं अपना 100 प्रतिशत देने जा रही हूं और मैं अपनी भूमिका के साथ पूरा न्याय करूंगी। सीरत कहती है, मैंने 2014 में फिल्म निर्माण की जादुई दुनिया में कदम रखा। 10 साल और मेरी जिन्दगी के इतने साल, मेरा दिल हर उस चीज के लिए अत्यंत कृतज्ञता से भर गया है। मेरे प्रशंसक परिवार से सालों जो मुझे ये प्रेम मिला है, मेरा बॉलीवुड डेब्यू उनके नाम है।

मैंने भारत को पूरी तरह से अपना 'घर' मान लिया है : एली अवराम

वह यह कैसे सुनिश्चित करती है कि सही स्क्रिप्ट चुने, पर उसका कहना था, मैं चाहती हूं कि वह फिल्म करू, जिसे खुद मुझे देखने में आनंद आए और मुझे उसका हिस्सा बनने पर गर्व महसूस करना चाहिए। वैसे भी बॉक्स ऑफिस पर फिल्म का हिट होना या न होना, मेरे या किसी के भी नियंत्रण में नहीं हो सकता।

बचपन से हिन्दी फिल्मों में अभिनय की इच्छा रखने वाली एली शांत और हंसमुख स्वभाव की है और जो मौका उसे अभिनय का मिलता है, वैसे ही का म क र ना प सं द करती है। उसे शाहरुख खान की फि ल्म 'देवदास' बहुत पसंद है, जिसमें माधुरी दीक्षित का डांस और अदाएं बेहद अच्छी लगती है। वह एक्टिंग और इस द्वारा लोगों के बीच अपनी अलग छवि बनाना चाहती है। उसके पिता म्यूजिशियन और मां स्वीडन की एक्ट्रैस हैं।

कहना है कि भारतीय फिल्म उद्योग में उसके सामने सबसे बड़ी चुनौती इस धारणा को तोड़ना था कि वह केवल 'ग्लैमरस भूमिकाएं और डांस नम्बर' ही कर सकती है। उसने कहा, बात सिर्फ इतनी है कि कुछ अधिक रियल और ग्लैमरविहीन करने के अवसर कम थे।

स्वीडिश-ग्रीक मूल की एली ने 2013 में भारतीय मनोरंजन जगत में प्रवेश किया और 'मिकी वा व र स ' (2013), 'किस किस को प्यार करूं' (2015), 'जबरिया जोड़ी' (2019), 'मलंग' (2020), 'अलविदा' (2022), गणपत (2023) जैसी फिल्मों का हिस्सा चन चुकी है। उसकी पिछली फिल्म' कॉन्न्यूरिंग कन्नप्पन' (2023) को भी सकारात्मक समीक्षा मिली थी।

33 वर्षीय एली कहती है. ईमानदारी से कहूं तो मैंने भारत को पूरी तरह से अपने घर के रूप में अपनाया है। मैं इसके बारे में बुरा बोलने वाले किसी भी व्यक्ति से लड़ पड़ेगी। एली इन दिनों अपने ट्रैवल शो 'इंडिया विद एली अवराम' के सौजन 2 की शूटिंग के लिए पूरे भारत में यात्रा कर रही है। हाल ही में वह अयोध्या पहुंची, जहां उसने राम मंदिर का दौरा किया। उसने कहा कि वह वहां चारों ओर भक्तिमय माहौल को देखकर आश्चर्यचकित थी। गौरतलब है कि हाल ही में अयोध्या में राम मंदिर का उद्घाटन किया गया है। उसने कहा, भगवान राम बहुत सुंदर हैं, मैं बस खड़ी होकर उन्हें देखना चाहती थी। भीड़ को 'जय श्री राम' कहते सुनना वाकई बहुत अच्छा लगा। मंदिर के चारे में वृत्तचित्र या फिल्में देखने से आपको केवल घोड़ी सी समझ मिलेगी। बहुत अलग अहसास होता है जब आप वास्तव वहां मौजूद होते हैं। मुझे हिन्दू धर्म और प्राचीन ज्ञान के बारे में हमेशा से जिज्ञासा रही है।

देश भर की अपनी यात्रा के दौरान एली के लिए, छोटे शहरों को जानने का अवसर में आम लोगों से जुड़ने में उसकी मदद कर रहा है। यूं सीखी हिन्दी मुंबई आकर उसने अपने आसपास के लोगों और अपने ड्राइवर के साथ बातचीत कर अच्छी हिन्दी सीखी। वह बताती है, मेरे स्टाफ से लेकर सबसे मैं हिन्दी में ही बात करती हूं। रियलिटी शो 'बिग बॉस' के बाद अपने ड्राइवर, जिसे अंग्रेजी नहीं आती थी, के साथ बात करनी शुरू कर दी थी। इसके अलावा जब में डांस रिहर्सल के लिए जाती थी तो वहां पर भी में इंस्ट्रक्टर के साथ हिन्दी में ही बा त चीं त किया करती थी, इससे मुझे हिन्दी बोलनी आ गई। मैंने को ई टीचर अपने लिए नहीं रखा, क्योंकि वैसे मेरे लिए सीखना मुश्किल था।

क्या उसे लगता है कि विदेश से आने की वजह से उसकी अभिनय क्षमता का बॉलीवुड में सही इस्तेमाल नहीं हो पाया है, पर उसका कहना था, चूंकि मैं विदेशी हूं तो बहुत तरह की सोच लोगों ने मेरे बारे में बनाई है। मसलन मुझे हिन्दी नहीं आती, अभिनय भी शायद नहीं आता, काम को लेकर सीरियस नहीं हूं, कैसे काम करूंगी आदि। मुझे दुख इस बात का है कि मुझे एक नौका तक नहीं मिलता था कि मैं यह साबित कर सकूं कि मैं एक अच्छी एक्ट्रेस हूं। ऑडिशन तक के लिए लोग मुझे नहीं बुलाते थे। 'बिग बॉस' के बाद ही लोगों ने ऑडिशन का मौका दिया पर मुझे और अधिक काम मिल सकता था, जो मुझे नहीं मिला। यहां कितने विदेशी हर रोज अभिनय के लिए आते है। कौन सही होगा, यह समझना मुश्किल है। निर्देशक अब्बास मस्तान ने 'बिग बॉस' में मुझे देखकर ही फिल्म 'किस किस को प्यार करू' में साइन किया था।'

कितना कठिन था स्वीडन से भारत आना कला के माहौल से भरपूर परिवार में पैदा के बाद भी उसके लिए स्वीडन से भारत आना मुश्किल था। उसने कहा, ₹बहुत मुश्किल था क्योंकि घरवालों ने पहले स्वीडन में ही करियर बनाने की बात कही थी, पर मुझे बॉलीवुड ही पसंद था। उन्हें यह समझाने में 3 साल लगे। मेरे पिता बहुत स्ट्रिक्ट है और भी होने मुझे यहां इतनी दूर आने से मना कर रहे थे।

मुझे पता चल गया था कि पिता मुझे यहां आने के लिए पैसे देने वाले नहीं हैं, तो मैंने वहां थोड़े दिनों तक काम कर पैसा जमा किया और यहा के बारे में जानकारी इंटरनेट पर ली। स्वीडन में ही बॉलीवुडडांस सीखे और एक दिन मुंबई आ गई।

इसके बाद ऑडिशन देते हुए फिल्म मिली और सफर शुरू हुआ। अब मैंअलग घर लेकर रह रही हूँ।

'बस्तर गर्ल' की अदाकारी से याद आईं स्मिता पाटिल

फिल्म 'बस्तर द नक्सल स्टोरी' की रिलीज जैसे-जैसे नजदीक आती जा रही है, फिल्म की लीड हीरोइन इंदिरा तिवारी की तरफ हिंदी सिनेमा की निगाहें फिर घूमने लगी हैं। राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय की इस स्नातक ने हिंदी सिनेमा में' सीरियस मेन' और 'गंगूबाई काठियावाड़ी' जैसी फिल्मों से अपनी एक अलग जगह बनाई है और फिल्म 'बस्तर द नक्सल स्टोरी' के दूसरे टीजर में जिस तरह की संवाद अदायगी उन्होंने बिल्कुल धूल-धूसरित अवतार में की है, उसने लोगों को अपने जमाने की द म दा र अ दा का रा स्मिता पाटिल की याद दिला दी है।

भोपाल के भारत भवन में बचपन सेही कलात्मक प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेती रहीं इंदिरा तिवारी को तत्कालीन राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल ने 'बालश्री' पुरस्कार से सम्मानित किया था। अभिनय उनकी रग-रंग में बसा है। एन.एस.डी. से निकलते ही उन्हें पहली फिल्म 'नजरबंद' मिली और इसका प्रीमियर जब बुसान फिल्म फैस्टिवल में हु आ तो लोगों ने उनकी अदाकारी का तालियां बजाकर सम्मान किया।

इसके बाद वह एक टैलीविजन सीरियल का ऑफर मिलने पर मुंबई आईं लेकिन यहां उनका मुकेश छाबड़ा और श्रुति महाजन जैसे कास्टिंग डायरैक्टर्स के यहां जो ऑडिशन हुआ, उसने इंदिरा की तकदीर बदल दी। इंदिरा बताती हैं, मुकेश छाबड़ा के यहां हुए ऑडिशन के चलते मुझे निर्देशक सुधीर मिश्रा की फिल्म 'सीरियस मेन' मिली थी और श्रुति महाजन के यहां हुए ऑडिशन के चलते 'गंगूबाई काठियावाड़ी'। अपनी इन तीनों फिल्मों को इंदिरा अपनी फिल्मी पारी की टैक्स्ट बुक मानती हैं। वह बताती हैं, 'निर्देशक सुमन मुखोपाध्याय के साथ मैंने पहली फिल्म 'नजरबंद' की थी। रंगमंच के अभिनय को कैमरे के सामने प्रकट करने के तरीके मैंने इसी फिल्म में सीखे।

नेहा कक्कड़ ने बयां किया अपना दर्द

नेहा कक्कड़ लंबे समय से टी.वी. स्क्रीन से भी गायब रही है। इस दौरान लोगों ने कई तरह के कयास लगाए थे कि सिंगर नेहा कक्कड़ रोहनप्रीत सिंह का तलाक हो गया है। वहीं कुछ लोग कह रहे थे कि नेहा कक्कड़ प्रैग्नेंट हैं, लेकिन नेहा ने इन सब अफवाहों पर अपनी प्रतिक्रिया दी है।

मोस्ट पॉपुलर सिंगर नेहा कक्कड़ हाल ही में 'डांस दीवाने 3' में स्पैशल गेस्ट के रूप में नजर आईं। वह काफी लंबे वक्त से लाइमलाइट से दूर हैं। सोशल मीडिया पर नेहा कक्कड़ रोहनप्रीत सिंह काफी एक्टिव रहते हैं। बॉलीवुड का यह क्यूट कपल अपनी रोमांटिक तस्वीरों और फनी वीडियो को लेकर लोगों के बीच छाया रहता है। तलाक-प्रैग्नेंसी की अफवाहों पर किया रिएक्ट नेहा ने कहा कि उन्होंने और उनके पति रोहनप्रीत सिंह ने अभी तक फैमिली शुरू करने के बारे में प्लानिंग नहीं की है। दरअसल नेहा अपनी प्रैग्नैंसी की खबरों को लेकर काफी चर्चा में रही हैं। कुछ समय पहले नेहा ने अचानक इंडियन आइडल 11 से ब्रेक ले लिया था, जिसके बाद से यह चर्चा होने लगी थी कि सिंगर प्रैग्नैंट है या फिर उनके और रोहनप्रीत सिंह के बीच कुछ भी ठीक नहीं है। इसीलिए उन्होंने शो से ब्रेक ले लिया है।

बताया सच : हालांकि नेहा ने अब अपनी प्रैग्नेंसी की अफवाहों के बीच चुप्पी तोड़ी है कि फिलहाल वह और रोहनप्रीत बेबी प्लान नहीं कर रहे। नेहा ने खुलासा किया कि उन्होंने शारीरिक और मानसिक थकावट के कारण ब्रेक लिया था, लेकिन अब वह फिर से कमबैक करने वाली हैं।

नीरव मोदी को झटका : बैंक को चुकाने होंगे 66 करोड़ रुपये, लंदन हाई कोर्ट का आदेश

नई दिल्ली, 9 मार्च (एजेंसियां)। भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी को लंदन हाई कोर्ट ने बड़ा झटका देते हुए बैंक ऑफ इंडिया को 8 मिलियन डॉलर यानी 66 करोड़ रुपये वापस लौटाने का आदेश दिया है. कोर्ट ने इस मामले पर समरी जजमेंट जारी किया है. समरी जजमेंट उन केस में जारी किया जाता है, जिनमें दोनों में से एक पार्टी कोर्ट में मौजूद नहीं होती है, लेकिन अदालत बिना फुल ट्रायल के भी मामले पर अपना फैसला देती है.

बैंक ऑफ इंडिया की अर्जी पर हुई सुनवाई

नीरव मोदी की दुबई स्थित कंपनी फायरस्टार डायमंड FZE से 8 मिलियन डॉलर की वसूली के मामले में बैंक ऑफ इंडिया ने लंदन हाईकोर्ट में अर्जी दायर की थी. कोर्ट ने मामले पर शुक्रवार को अपना फैसला सुनाते हुए नीरव मोदी की कंपनी से वसूली का आदेश दिया है. अपने आदेश में कोर्ट ने कहा कि दुनिया में जहां भी नीरव मोदी की प्रॉपर्टी मौजूद

है, उसे नीलाम करके पैसे की वसूली की जा सकती है. फिलहाल नीरव मोदी यूके के थेमसाइड जेल में बंद है.

क्या है पूरा मामला?

नीरव मोदी की दुबई स्थित डायमंड कंपनी फायरस्टार डायमंड FZE ने बैंक ऑफ इंडिया से कर्ज लिया था. बैंक ने 2018 में पैसे वापस मांगा था, लेकिन वह पूरी रकम चुकाने में असफल रहा और बाद में लंदन भाग गया. बैंक ने नीरव मोदी से अपने पैसे की वसूली के लिए लंदन स्थित हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी, जिसका फैसला शुक्रवार को आया है. इस फैसले में कोर्ट ने नीरव को 4 मिलियन डॉलर की उधार ली गई राशि और 4 मिलियन डॉलर का ब्याज वापस करने का आदेश दिया है. फायरस्टार डायमंड FZE दुबई में रजिस्टर्ड कंपनी है, इस कारण यूके का समरी जजमेंट यहां पर आसानी से लागू हो पाएगा. नीरव मोदी फायरस्टार डायमंड FZE का सीईओ और मुख्य गारंटर में से एक था.

सरकारी बैंकों को गोल्ड लोन रिव्यू करने का आदेश

रिपोर्ट्स में दावा–दो बैंक के लोन प्रोसेस में गड़बड़ियां मिली

नई दिल्ली, 9 मार्च (एजेंसियां)। वित्त मंत्रालय ने इस हफ्ते सरकारी बैंकों को उनकी गोल्ड लोन बुक्स की समीक्षा करने को कहा है। इकोनॉमिक टाइम्स ने सूत्रों के हवाले से बताया कि चिंता की बात यह है कि सोने की कीमत में उछाल के बाद लैंडर्स (लोन देने वाले) मौजूदा लोन के ऊपर टॉप-अप लोन देना शुरू कर दिया है। वित्त मंत्रालय के फाइनेंशियल्स सर्विसेज डिपार्टमेंट ने सभी सरकारी बैंकों को 1 जनवरी 2022 से हर गोल्ड लोन खाते की समीक्षा करने, कोलैटरल का एस्टीमेट एस्टीमेट बनाने, कलेक्शन चार्ज की समीक्षा करने और सभी चीजों की जांच करने के लिए कहा है। डीएफएस ने 27 फरवरी को लेटर भेजकर बैंकों को ये आदेश दिए हैं।

दो सरकारी बैंक ने लोन के प्रोसेस में गड़बड़ियां की

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, दो बड़े सरकारी बैंकों ने गोल्ड लोन के प्रोसेस में गंभीर गड़बड़ियां की हैं। कुछ मामलों में 18 कैरेट सोने की ज्वैलरी को रिकॉर्ड्स में 22 कैरेट के तौर पर दिखाया गया है। ऐसा सोने की वैल्यू बढ़ाकर ज्यादा गोल्ड लोन देने की कोशिश के लिए किया गया था। हालांकि, वित्त मंत्रालय की ओर से ऑफिशियल तौर पर इस बात की कोई भी जानकारी नहीं दी गई है।

साल-दर-साल 17% बढ़ा गोल्ड लोन

साल-दर-साल आधार पर गोल्ड लोन में 17% की बढ़ोतरी देखने को मिली है। जबकि, गोल्ड की कीमत में 16.6% की तेजी देखने को मिली है। 26 जनवरी तक गोल्ड की ज्वेलरी के बदले लोन 1,01,934 करोड़ था। वहीं, 7 मार्च को 10 ग्राम सोना पहली बार 65 हजार के पार किया है।

भारत व ईएफटीए आज करेंगे एफटीए पर हस्ताक्षर, चार देशों से होगा मुक्त व्यापार

नई दिल्ली, 9 मार्च (एजेंसियां)। भारत और चार देशों के यूरोपीय समूह 'ईएफटीए' वस्तुओं, सेवाओं और निवेश में परस्पर व्यापार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रविवार को एक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर करेंगे। यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ के सदस्य आइसलैंड, लिकटेंस्टीन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इस समझौते को सात मार्च को केंद्रीय मंत्रिमंडल से मंजूरी मिल गई।

भारत और ईएफटीए आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए जनवरी, 2008 से आधिकारिक तौर पर व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौते (टीईपीए) समझौते पर बातचीत कर रहे हैं। समझौते में 14 अध्याय हैं। इनमें माल में व्यापार, उत्पत्ति के नियम, बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर), सेवाओं में व्यापार, निवेश प्रोत्साहन और सहयोग, सरकारी खरीद, व्यापार में तकनीकी बाधाएं और व्यापार सुविधा शामिल हैं।

ईएफटीए के कनाडा, चिली, चीन, मैक्सिको और कोरिया सहित 40 भागीदार देशों के साथ 29 एफटीए हैं। मुक्त व्यापार समझौते के तहत, दो व्यापारिक साझेदार सेवाओं और निवेश को बढ़ावा देने के लिए मानदंडों को आसान बनाने के अलावा, उनके बीच व्यापार की जाने वाली वस्तुओं की अधिकतम संख्या पर सीमा शुल्क को काफी कम या समाप्त कर देते हैं। ईएफटीए देश यूरोपीय संघ (ईयू) का हिस्सा नहीं हैं। यह मुक्त व्यापार को बढ़ावा देने और तेज करने के लिए एक अंतर-सरकारी संगठन है। इसकी स्थापना उन देशों के लिए एक विकल्प के रूप में की गई थी जो यूरोपीय समुदाय में शामिल नहीं होना चाहते थे। ईएफटीए देशों को भारत का निर्यात 2021-22 में 1.74 अरब डॉलर के मुकाबले 2022-23 के दौरान 1.92 अरब डॉलर रहा। पिछले वित्त वर्ष के दौरान कुल आयात 16.74 अरब डॉलर था, जबकि 2021-22 में यह 25.5 अरब डॉलर था।

नोवार्टिस इंडिया के पूर्व वाइस चेयरमैन एमडी रंजीत साहनी का निधन

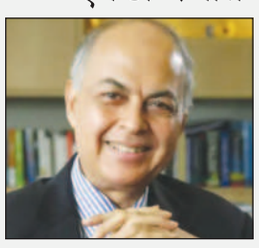

नई दिल्ली, 9 मार्च (एजेंसियां)। नोवार्टिस इंडिया के पूर्व वाइस चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर रंजीत साहनी का 73 साल की उम्र में निधन हो गया है। वे जेबी फार्मास्यूटिकल्स के चेयरमैन भी थे। साहनी के लिंक्डइन प्रोफाइल के अनुसार, उन्होंने इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी कानपुर से मैकेनिकल इंजीनियरिंग की थी। इसके अलावा उन्होंने मुंबई के जमनालाल बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज से एमबीए भी किया था। उन्होंने नोवार्टिस इंडिया लिमिटेड में 2001 से 2018 तक चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर के पद पर काम किया। साहनी ने भारत में इंपीरियल केमिकल इंडस्ट्रीज के साथ अपने करियर की शुरुआत की थी। फिर यूके में जेनेका के आईसीआई में जनरल मैनेजर के पद पर रहे।

महंगाई के आंसू नहीं रुलाएगा प्याज, सरकार कर रही है तैयारी

नई दिल्ली, 9 मार्च (एजेंसियां)। आम लोगों को फिर से प्याज की महंगाई न रुलाने लग जाए, सरकार ने इसके लिए पहले ही तैयारियां तेज कर दी है. इसके लिए सरकार प्याज के सुरक्षित भंडार को बढ़ाने की योजना पर काम कर रही है और उस योजना के तहत लाखों टन प्याज की खरीदारी होने वाली है.

बफर स्टॉक बनाएगी सरकार

सरकार इस साल 5 लाख टन प्याज खरीदने की योजना बना रही है, ताकि बफर स्टॉक को मजबूत किया जा सके. सरकार प्याज की कीमतों को काबू में रखने के लिए बफर स्टॉक तैयार करती है. इसके लिए सीजन के दौरान किसानों से प्याज खरीदकर स्टॉक किया जाता है. जब कीमतें बढ़ने लगती है, तब सरकार सुरक्षित भंडार से प्याज की खेप बाजार में सप्लाई करती है, जिससे कीमतों को नियंत्रित रखने में मदद मिलती है.

खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के हवाले से कहा गया कि सरकार 5 लाख टन का बफर स्टॉक बनाने की तैयारी में है.

पिछले साल भी सरकार ने 5 लाख टन प्याज का बफर स्टॉक तैयार किया था, जो बीते महीनों के दौरान कीमतों को काबू में रखने में मददगार साबित हुआ था. पिछले साल बनाए गए बफर स्टॉक में अभी भी 1 लाख टन प्याज बचा हुआ है. सरकार की ओर से इस बार भी एनसीसीएफ और नाफेड जैसी एजेंसियां प्याज की खरीदारी करेंगी. पिछले साल भी दोनों एजेंसियों ने प्याज की खरीदारी की थी और उसका बफर स्टॉक तैयार किया था. प्याज की कीमतें जब आसमान छूने लग गई थीं, दोनों एजेंसियों ने सब्सिडाइज्ड रेट पर प्याज की बिक्री की थी. उसके लिए एजेंसियों ने दर्जनों शहरों में कई जगहों पर बिक्री केंद्र बनाया था और ओएनडीसी के माध्यम से ऑनलाइन भी उपलब्धता सुनिश्चित की थी. घरेलू बाजार में प्याज की कीमतों को नियंत्रित रखने के लिए अभी निर्यात पर पाबंदी लगी हुई है. निर्यात पर पाबंदी 31 मार्च 2024 तक लागू है. अभी सरकार ने भूटान, बहरीन और मॉरीशस जैसे देशों को प्याज की आपूर्ति करने के लिए निर्यात पर पाबंदियों को कुछ आसान किया. निर्यात पर रोक को जारी रखने या हटाने का फैसला 31 मार्च के बाद होने के अनुमान हैं.

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कुंभ में	कुंभ...	05-07 बजे
चंद्र-	कुंभ में	मीन...	06-45 बजे
मंगल	मकर में	मेष...	08-21 बजे
बुध-	मीन में	वृष...	10-05 बजे
गुरु-	मेष में	मिथुन..	12-06 बजे
शुक्र-	कुंभ में	कर्क...	14-18 बजे
शनि-	कुंभ में	सिंह...	16-30 बजे
राहु-	मीन में	कन्या..	18-37 बजे
केतु-	कन्या में	तुला....	20-43 बजे
		वृश्चिक..	22-52 बजे
		धनु....	01-06 बजे
		मकर...	03-13 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945,** सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु - वसंत
महावीर निर्वाण संवत् **-2550,** हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय - **06-31**
भोग्य कलि वर्ष-**426876** सूर्यास्त. **-18-21**
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल -- पश्चिम - पान खाकर घर से निकले
तिथि- अमावस - **14:30** - तक उपरान्त प्रतिपदा
मास - फाल्गुन शुक्ल पक्ष, रविवार **10 March**
नक्षत्र - पूर्वाभाद्रपद- **01 - 54** - तक उपरान्त उ.भाद्रपद
योग - साध्य - **16 - 13** - तक उप शुभ
करण- नाग - **14 - 30** - तक उप- किंस्तुघन
विशेष:- देवपितृ कार्ये अमावस्या
व्रत -त्योहार - शिव खप्पर पूजा

विशेष:- राशिफल "हों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 16:54 से 18:24 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उत्पात	06:31 - 07:58 अशुभ	शुभ.	18:21 - 19:54 शुभ
चंचल	07:58 - 09:28 शुभ	अमृत.	19:54 - 21:25 शुभ
लाभ	09:28 - 10:57 शुभ	चंचल.	21:25 - 22:55 शुभ
अमृत	10:57 - 12:26 शुभ	रोग.	22:55 - 24:26 अशुभ
काल	12:26 - 13:56 अशुभ	काल.	24:26 - 01:57 अशुभ
शुभ.	13:56 - 15:25 शुभ	लाभ	01:57 - 03:27 शुभ
रोग	15:25 - 16:54 अशुभ	उत्पात	03:27 - 04:58 अशुभ
उत्पात	16:54 - 18:21 अशुभ	शुभ	04:58 - 06:31 शुभ

ओपनएआई के बोर्ड में सैम आल्टमैन की वापसी

कुछ महीने पहले 'गलत तरीके' से नौकरी से निकाला गया था

वॉशिंगटन, 9 मार्च (एजेंसियां)। सैम आल्टमैन की एआई कंपनी ओपनएआई के बोर्ड में वापसी हो गई है। कंपनी ने इसकी जानकारी दी। कुछ महीने पहले ही सैम आल्टमैन को ओपनएआई के बोर्ड और सीईओ पद से नाटकीय घटनाक्रम के तहत हटा दिया गया था। हालांकि काफी हंगामे के बाद सैम आल्टमैन की ओपनएआई के सीईओ पद पर फिर से वापसी हुई और अब बोर्ड में भी आल्टमैन की वापसी हो गई है।

सैम आल्टमैन के साथ इन तीन को भी ओपनएआई बोर्ड में किया गया शामिल

कंपनी ने बयान जारी कर ये भी बताया है कि आंतरिक जांच में पता चला है कि सैम आल्टमैन को गलत तरीके से नौकरी से निकाला गया था। आल्टमैन के साथ तीन अन्य लोगों को भी ओपनएआई के बोर्ड में शामिल किया गया है। इनमें बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन के पूर्व सीईओ सु डेसमंड हेलमेन, सोनी एंटरटेनमेंट के पूर्व अध्यक्ष निकोल सेलिगमेन और इंस्टाकार्ट के सीईओ फिजी सिमो शामिल हैं। ओपनएआई के बोर्ड में पहले से ही एक्स-सेल्सफोर्स के सह-सीईओ ब्रेट टेलर और अमेरिका के पूर्व वित्त सचिव लैरी सुमर्स भी शामिल हैं, जिन्हें नवंबर 2023 में ही बोर्ड में शामिल किया गया था।

बीते साल सैम आल्टमैन को नौकरी से निकाल दिया था

बीते साल नवंबर में ओपनएआई के बोर्ड सदस्यों ने ओपनएआई कंपनी के संस्थापक सैम आल्टमैन को ही सीईओ पद से हटा दिया था। कंपनी ने बयान जारी कर इसकी वजह बताई थी कि बोर्ड के सदस्यों को सैम आल्टमैन पर भरोसा नहीं है। साथ ही बोर्ड सदस्यों और आल्टमैन के बीच संवाद की भी कमी का हवाला दिया गया था। हालांकि सैम आल्टमैन को अचानक से सीईओ पद से हटाने पर काफी हंगामा हुआ और कंपनी के कई अन्य शीर्ष अधिकारियों ने भी नौकरी छोड़ दी। साथ ही बड़ी संख्या में कंपनी के कर्मचारियों ने भी आल्टमैन के समर्थन में नौकरी छोड़ने की चेतावनी दे दी थी। ऐसे में ओपनएआई की सबसे बड़ी निवेशक कंपनी माइक्रोसॉफ्ट ने स्थिति को संभाला और ओपनएआई के बोर्ड में ऑब्जर्वर की भूमिका हासिल की। साथ ही माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्या नाडेला ने सैम आल्टमैन की कंपनी में वापसी में अहम भूमिका निभाई। ओपनएआई ने ही चैटजीपीटी को बाजार में लाकर सनसनी मचा दी थी और कुछ ही दिनों में चैटजीपीटी चैटबॉट के 10 लाख से ज्यादा यूजर हो गए थे। यही वजह है कि सैम आल्टमैन को पद से हटाने की पूरी दुनिया में चर्चा हुई।

शाकाहारी थाली फरवरी में सात फीसदी महंगी

प्याज के दाम 29 फीसदी बढ़े टमाटर 38 फीसदी महंगा

नई दिल्ली, 9 मार्च (एजेंसियां)। प्याज और टमाटर की कीमतों में तेजी से फरवरी में शाकाहारी थाली सात फीसदी महंगी हो गई है। हालांकि, चिकन के दाम घटने से मांसाहारी थाली की कीमत नौ फीसदी सस्ती हो गई है।

इससे पहले जनवरी में भी इसी तरह का रुझान था। क्रिसिल के मुताबिक, शाकाहारी थाली का भाव फरवरी में 27.5 रुपये पर पहुंच गया, जबकि एक साल पहले यह 25.60 रुपये था। इस दौरान प्याज की कीमतें 29 फीसदी और टमाटर की 38 फीसदी बढ़ी हैं। हालांकि, पिछले महीने की तुलना में थाली की कीमत मामूली घटी है। मांसाहारी थाली के दाम एक साल पहले के 59.20 की तुलना में इस साल फरवरी में घटकर 54 पर आ गए हैं। इस साल जनवरी के 52 रुपये की तुलना में यह दो रुपये बढ़ गया है।

चिकन के दाम 20 फीसदी घटे

चिकन के दाम एक साल में 20 फीसदी तक घट गए हैं। मांसाहारी थाली की कीमत में इसका योगदान 50 फीसदी होता है। इस वजह से मांसाहाली थाली सस्ती हो गई है। इस साल जनवरी की तुलना में चिकन के दाम 10 फीसदी घटे हैं।

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

लघु लेकिन बार बार की बाधाओं से आपके काम काज की राह में रोड़ा पैदा होगा और आप समय सीमा के भीतर अपनी परियोजनाओं को पूरा करने में असमर्थ महसूस करेंगे । ये बाधा व्यर्थ की होगी लेकिन इन से पार पाना या इनकी गणना करना मुश्किल होगा , हालाँकि क्रोध और चिड़ने से समस्या का हल नहीं निकलेगा ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आपका मन अभी आनंद और प्रेम की तरफ भाग रहा है , हालाँकि इसके विपरीत आपका मन हमेशा कार्यों में उलझा रहता है । लेकिन यह ठीक है, काम से एक दिन की छुट्टी ले और अपने दिन का आनंद लें। ज्यादा चिंता न करे , क्योंकि आपको आनंद लेने और कार्य करने की सीमा ज्ञात है । कार्यस्थल पर प्रबंधन आपके काम से बहुत प्रभावित है और आपको पदोन्नति भी मिल सकती है!

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

आपकी करियर से सम्बंधित योजना बिगड़ रही है। आप एक बात पर अपना दिमाग एकाग्रचित नहीं कर पा रहे है । आप सोच सोच कर समय को बर्बाद कर रहे हैं। आप किसी भी अनुभवी पेशेवर या एक कैरियर सलाहकार से सलाह ले सकते हैं। एक कैरियर सलाहकार के मार्गदर्शन से आप को एक मार्ग मिल सकता है । आज आप अपने करियर के बारे में एक दिशा में सोच सकते है ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आज आप अपने संबंधित काम में गंभीर रूप से तनाव से प्रभावित हो सकते हैं। आंतरिक दबाव आपके सिर चढ़ कर बोलेगा और अपने लक्ष्यों को पूरा करने के लिए आपके पास आवश्यक समय की कमी हो सकती है , लेकिन आप इसमें कुछ भी नहीं कर सकते है इसलिये इस समय को आसानी से निकालने का प्रयास करें।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आप ऐसे लोगों को खोजने की कोशिश करें जो आप के लिए कुछ उपयोगी जानकारी की आपूर्ति कर सकते हैं। आप कुछ बड़ा सोच रहे हो और इस जोखिम को लेने के लिए यह सही समय है। महत्वहीन मुद्दों के हल के लिए अपने समय की बचत करें। जितनी चादर हो उतने ही पैर फैलाये अर्थात आमदनी के हिसाब से धन का व्यय करे !

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,

आज आपका भाग्य सट्टा उद्यम एवं उससे जुडी चीजो में आपका साथ देगा । अगर आप किसी दुविधा में हैं तो आज का दिन आपको तर्कशक्ति प्रदान करेगा जिससे आप उचित निर्णय ले पाओगे । ये निर्णय आपकी वित्तीय जरुरतो पर भी आगे जाकर अछा प्रभाव डालेगा । आज का दिन भूमि निवेश के लिए भी फायदेमंद रहेगा ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आज के दिन आपका दृढ़ संकल्प और आपकी कठोर मेहनत रंग लाएगी । ये मेहनत आपके उच्च अधिकारीयों को दिखेगी जो की आपके आगे बढ़ने के लिए एक माध्यम बनेगी । इस चीज में आपका भाग्य का कम जबकि आपकी मेहनत और लग्न का ज्यादा हाथ होगा । ये समय आपके करियर की उड़ान का समय है और आपको ये सुनिश्चित करना है की आप इस समय का पूरा सदुपयोग करे ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

ग्रहों की स्थिति में परिवर्तन के कारण , एक नई ऊर्जा का संचार आप में हो सकता है । आप जीवंत महसूस करेंगे । आप में अधिक से अधिक काम लेने की इच्छा आप में प्रबल होगी और तब भी आप खुश रहेंगे । इससे पता चलता है की चीज़े सकारात्मक दिशा में आगे भड़ रही है। लेकिन इस उत्साह में , अपने स्वास्थ्य को नजरअंदाज न करे । एक स्वस्थ मन एक स्वस्थ शरीर में रहता है।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आज बड़ी और छोटी सफलताएं आपके कार्य क्षेत्र में दस्तख़त दे रही है । आपके द्वारा एक समय में प्रदान की गई सेवाओं के लिए आपको कुछ भुगतान प्राप्त हो सकता हैं या आपको एक अप्रत्याशित बोनस मिल सकता है। एक लंबे समय से जो पदोन्नति अटकी हुई थी वह आपको मिल सकती है या आपका पद उँचा हो सकता है ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आपके कार्यस्थल पर कोई अपने घमंड में अपनी उपलब्धियों को गिना सकता है , परन्तु आप बुरा न माने क्यों की वह आपको बुरा महसूस कराना चाहता है। आपने इस अनुपात में पहले ही इन उपलब्धियों को छुआ है । वित्तीय मोर्चे पर आप को पहले ही आपकी जरुरत या उससे ज्यादा ही मिला है जिसे आप संजोके रख सकते है ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

आज कुछ प्रमुख व्यय के लिए आप योजना बनाने के लिए जा रहे हैं लेकिन इस खर्चे पर आपकी नजर रहेगी । आज का दिन वित्तीय योजना बनाने के लिए एकदम सही है और कुछ कार्य जो की कुछ समय से अधूरे थे उन्हें पूरा करना का भी उचित समय है । आज आप अपनी बचत और परिसंपत्तियों की एक पूरी सूची के साथ बैठे और उन्हें व्यवस्थित करे क्यों की आज आपको शुभ समाचार मिल सकता है ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

यात्रा और यात्रा के व्यवसायों से जुड़े लोगों के लिए ये अच्छा समय है और आप इस से अच्छा धन लाभ कमा सकते है ! आप उच्च अधिकारियों के साथ संबंध बनाने के लिए प्रयासरत रहे और जिससे आप जल्द ही कुछ लाभ पा सकते हैं । आप संपत्ति या कीमती धातुओं में भी निवेश कर सकते हैं।

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

बिटकॉइन ने रचा इतिहास 70 हजार डॉलर हुआ भाव

अमेरिका के एक फैसले ने लगा दिए पंख

नई दिल्ली, 9 मार्च (एजेंसियां)। दुनिया की प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन ने नया रिकार्ड बनाया है. एक बिटकॉइन का रेट 70 हजार डॉलर हो गया. हालांकि, एक बार रिकॉर्ड हाई पर पहुंचे के बाद यह क्रिप्टोकॉइन आज यानी शनिवार 9 मार्च को सुबह 10:30 बजे $68,451.47 पर कारोबार कर रहा था. पिछले 24 घंटों में क्रिप्टोकरेंसी की कीमत में करीब दो फीसदी का उछाल आया है. वहीं, एक सप्ताह में बिटकॉइन की कीमत 10 फीसदी उछल चुकी है. वैश्विक क्रिप्टो मार्केट में भी पिछले 24 घंटों में 1.90 फीसदी का उछाल आया है और यक 2.6 ट्रिलियन डॉलर हो गया है.

अमेरिकी स्पॉट एक्सचेंज ट्रेडेड फंड की लॉन्चिंग से बने पॉजिटिव माहौल के चलते निवेशकों ने क्रिप्टोकरेंसी पर जमकर पैसा लगाया है. इसका फायदा बिटकॉइन समेत सभी डिजिटल करेंसी को मिला है. पिछले कुछ हफ्तों में अरबों डॉलर एक्सचेंज ट्रेडेड फंड में आए हैं. इसके अलावा बिटकॉइन के प्रतिद्वंदी ईथर के ईथरम ब्लॉकचेन प्लेटफॉर्म के अपग्रेड और पिछले साल अप्रैल में बिटकॉइन को टुकड़ों में तोड़ने से निवेशकों की दिलचस्पी इसमें तेजी से बढ़ी है. जनवरी के अंत में अमेरिकी सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन ने 11 स्पॉट बिटकॉइन ईटीएफ को मंजूरी दी थी. कई कॉरपोरेट स्कैंडल और बैंकरप्सी के चलते 18 महीने तक क्रिप्टो मार्केट में सुस्ती छाई रही थी.

एसआईपी में बढ़ रहा भरोसा, विदेशी मुद्रा भंडार में बढ़ोतरी

नई दिल्ली, 9 मार्च (एजेंसियां)। म्यूचुअल फंड एसआईपी में निवेशकों का विश्वास लगातार बढ़ रहा है। पहली बार इसमें निवेश 19,000 करोड़ के पार पहुंच गया है। फरवरी में एसआईपी में 19,187 करोड़ का निवेश आया। जनवरी में यह 18,838 करोड़ था। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले महीने एसआईपी का कुल एयूएम यानी निवेशकों के निवेश का मूल्य 2.49 फीसदी बढ़कर 10.52 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया।

स्मॉल-मिडकैप से हुई निकासीः आंकड़ों के मुताबिक, फरवरी में स्मॉल और मिडकैप फंडों से निवेशकों ने जमकर निकासी की है। स्मॉलकैप में निवेश 10 फीसदी और मिडकैप में 12 फीसदी घटा है। गोल्ड ईटीएफ में 997 करोड़ रुपये का निवेश आया है। इक्विटी में लगातार 36वें माह निवेशः फरवरी लगातार 36वां महीना है, जब इक्विटी फंड में निवेश आया है। इस दौरान इक्विटी फंड में निवेश बढ़कर 26,866 करोड़ रुपये हो गया है। पिछले 23 महीनों का यह रिकॉर्ड है। जनवरी में इक्विटी फंड में 21,780 करोड़ रुपये का निवेश आया था।

स्पेक्ट्रम की अगली नीलामी 20 मई से, मंगाए गए आवेदन

स्पेक्ट्रम की अगली नीलामी 20 मई, 2024 से शुरू होगी। दूरसंचार विभाग ने आवेदन मंगाने के लिए शुक्रवार को जारी नोटिस में यह जानकारी दी। सरकार मोबाइल फोन सेवाओं के लिए 96,317.65 करोड़ रुपये के आधार मूल्य पर आठ स्पेक्ट्रम बैंड की नीलामी करेगी। ये बैंड 800, 900, 1,800, 2,100, 2,300, 2,500, 3,000 मेगाहर्ट्ज और 26 गीगाहर्ट्ज हैं।

नोटिस से मिली जानकारी के मुताबिक, दिवालिया प्रक्रिया से गुजर रही कुछ कंपनियों के पास मौजूद स्पेक्ट्रम के साथ ही इस साल खत्म होने वाली फ्रीक्वेंसी को भी नीलामी में रखा जाएगा। 2022 की नीलामी में रिलायंस जियो ने 5जी स्पेक्ट्रम पर 88,078 करोड़ खर्च किए थे।

विदेशी मुद्रा भंडार में 6.55 अरब डॉलर की बढ़ोतरी

देश का विदेशी मुद्रा भंडार एक मार्च को समाप्त सप्ताह में 6.55 अरब डॉलर बढ़कर 625.626 अरब डॉलर पहुंच गया। इससे पिछले सप्ताह भी विदेशी मुद्रा भंडार 2.975 अरब डॉलर बढ़कर 619.072 अरब डॉलर पहुंच गया था। अक्तूबर, 2021 में देश के पास रिकॉर्ड 645 अरब डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार था।

आरबीआई की ओर से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, एक मार्च वाले सप्ताह में विदेशी मुद्रा संपत्ति 6.043 अरब डॉलर बढ़कर 554.23 अरब डॉलर पहुंच गई। देश का स्वर्ण भंडार भी 56.9 करोड़ डॉलर की वृद्धि के साथ 48.417 अरब डॉलर पर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष में भारत का रिजर्व 4.1 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.798 अरब डॉलर पहुंच गया। हालांकि, विशेष निकासी अधिकार में गिरावट आई है।

'किसान महाकुंभ' में राजनाथ सिंह बोले- मंदिर बना दिया तारीख भी बता दिया

कांग्रेस पर साधा निशाना

रायपुर, 9 मार्च (एजेंसियां)। रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में भाजपा की 'किसान महाकुंभ' जनसभा का आयोजन किया गया जिसे रक्षामंत्री राजनाथ सिंह संबोधित किया। किसान महाकुंभ को संबोधित करते हुए रक्षामंत्री राजनाथ सिह ने कहा कि लंबे अरसे के बाद किसी सार्वजनिक सभा को संबोधित करने के लिए जनता के सामने खड़ा हूं। आप लोगों ने फूलों का हार पहनाकर हम लोगों का स्वागत किया है, लेकिन आप जानते हैं स्वागत, अभिनंदन, दुआ सलाम एक तरफा नहीं होना चाहिए। इसीलिए आप लोगों को जय जोहार। राजनाथ सिंह ने आगे कहा कि दिसंबर में आप लोगों ने भारतीय जनता पार्टी को बेहद प्यार किया और भारतीय जनता पार्टी की स्पष्ट बहुमत के आधार पर सरकार बनी। लंबे अरसे बाद पहली बार कोई आदिवासी सीएम बना। सीएम साय के नेतृत्व में राज्य तेजी से तरक्की कर रहा है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि कांग्रेस की सरकार ने यहां का खजाना खाली कर दिया था। अब बीजेपी की सरकार खजाना भरने का काम कर रही है। यह काम बीजेपी ही कर सकती है। छत्तीसगढ़ किसानों का गढ़ रहा है। यहां के किसान देश की तरक्की में योगदान दे रहे हैं। किसानों को हर साल छह हजार रुपये दिए जा रहे हैं। किसानों के खाद और बीज की कीमत हमारे प्रधानमंत्री मोदी ने रूस यूक्रेन के युद्ध में भी किसानों के साथ खड़े रहे। किसानों की परेशानी हम सबकी परेशानी है। आप भरोसा रख कर जाइए समय लगता है छह महीने या सालभर। ये राजनाथ सिंह की गारंटी नहीं है पीएम मोदी की गारंटी है। पीएम मोदी ने मोटा अनाज यानी मिलेट्स का प्रचार किया। पीएम मोटा अनाज खाते हैं और मैं भी मोटा अनाज खाता हूं। राजनाथ सिंह ने कहा कि 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आ चुके हैं। हम देश में एक भी गरीब नहीं रहने देंगे। एक भी झोपड़ी नहीं रहने देंगे। सबको पक्का मकान देंगे। राजनाथ सिंह ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार गेहूं का समर्थन मूल्य एक हजार 40 रुपए देती थी। बीजेपी सरकार दो हजार से ज्यादा देगी। किसानों को 300 यूनिट बिजली फ्री में दी जाएगी। बीजेपी सरकार जो कहती है वो करती है। कांग्रेस तंज कसते हुए कहती थी कि मंदिर बनायेंगे पर तारीख नहीं बताएंगे, लेकिन हमने तारीख भी बता दिया और मंदिर भी बना दिया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आगे कहा कि आज पीएम मोदी की बात पूरा विश्व सुनता है। यही बीजेपी सरकार की काबिलियत है। कांग्रेस सरकार में कहा जाता था भारत गरीबों का देश है। पीएम मोदी ने भारतीय छात्रों को देश लाने के लिए रूस और यूक्रेन से चार घंटे के लिए युद्ध रुकवा दिया था। ये है भारत की हैसियत और स्वाभिमान।

वहीं डिप्टी सीएम अरुण साव ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि तीन माह पहले प्रदेश में एक ही नारा था, अब नहीं सही सहबो बदल के रहीबो, अब एक बार फिर नारा है अबकी बार मोदी सरकार। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी गांव, गरीब, किसान की चिंता करते हैं, लेकिन कांग्रेस सरकार गांव, गरीब, किसान की चिंता नहीं करती थी। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई ने गावों में सड़क बिछाकर लोगों को कई सुविधाएं दी हैं।

डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि दो बातें फेमस हैं, विष्णुदेव की सरकार पालनहारी सरकार है। प्रदेश की सरकार सरल सरकार है। फसल बीमा और किसान क्रेडिट कार्ड की सौगात केंद्र की बीजेपी सरकार ने दी। गांव के किसानों का आंकलन करने वाली सरकार केंद्र की बीजेपी सरकार है। आने वाला चुनाव मोदी सरकार का चुनाव है हमारा तो चुनाव हो चुका है।

किसान महाकुंभ को संबोधित करते हुए भारतीय किसान मोर्चा के अध्यक्ष राजकुमार चाहर ने कहा कि छत्तीसगढ़ के लोगों ने बीजेपी को जिताकर यह संदेश दिया है कि जनता सुशासन चाहती है। चाहर ने आगे कहा कि मैंने कुंभ सुना था। किसान महाकुंभ पहली बार सुना है। यहां किसानों को केंद्र सरकार की योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। वहीं किसान महाकुंभ को संबोधित करते हुए सीएम विष्णुदेव साय ने कहा कि कल दोपहर 2:00 बजे महतारी वंदन योजना की पहली किस्त जारी की जाएगी।

पीएम नरेंद्र मोदी वर्चुअल जुड़कर महिलाओं को महतारी वंदन योजना की राशि जारी करेंगे। 12 तारीख को किसानों को उनके धान की अंतरराशि 917 रुपए प्रदान की जाएगी।

सीएम बोले- नक्सलियों की मांगें पूरी करेगी सरकार

दंतेवाड़ा में साय ने कहा- मैं भी आदिवासी समाज से हूं, दुख-दर्द समझता हूं

रायपुर, 9 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि, नक्सलियों की प्रॉब्लम क्या है, सरकार से संवाद करें। उनकी जो जायज मांगें होंगी, उसको सरकार पूरा करेगी। उन्होंने कहा कि मैं आदिवासी समाज से हूं, गांव का रहने वाला हूं। आदिवासी समाज और गांव के दुख दर्द को समझता हूं। सीएम साय ने महिला कमांडो सुमित्रा से कहा कि, आपके साहस को हम सैल्यूट करते हैं। आपने 14 साल तक नक्सली के रूप में अपना अनुभव शेयर किया। सीएम विश्व महिला दिवस पर शुक्रवार को स्पेशल फोर्स की महिला कमांडो से मिलने दंतेवाड़ा पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि हमारे यहां के स्थानीय लोग हैं, जो नक्सली हैं, उनसे हम कहना चाहेंगे। वे नक्सलवाद को छोड़ें और मुख्य धारा से जुड़कर आम लोगों का जीवन जिएं। किसी भी तरह के बहकावे में न आएं।

सीएम ने कहा कि, सुमित्रा जी, जैसे बता रही हैं कि यह भी कोई जीना है? क्या जंगल-जंगल भटकना, न खाना-पीना, ना सोने का ठिकाना। हर समय भय किधर से पुलिस आ जाएगी। कब गोली चल जाएगी। तो मैं आज ऐसे लोगों से कह रहा हूं कि वे विकास की मुख्य धारा से जुड़कर संवाद के लिए तैयार हों। सीएम साय ने उन महिला कमांडो से मुलाकात की, जो

नक्सल इलाके में नक्सलियों से लड़ती हैं। इस यूनिट में ऐसी महिलाएं भी शामिल हैं, जो पहले नक्सली रह चुकी हैं। अब पुलिस ट्रेनिंग हासिल करके यह महिलाएं छत्तीसगढ़ पुलिस की कमांडो बनी है। मुश्किल हालातों में ये महिला कमांडो जंगलों में दिन-रात नक्सलियों के खिलाफ चलने वाले ऑपरेशन में उनसे सीधी लड़ाई लड़ती हैं। मुख्यमंत्री जब दंतेवाड़ा पहुंचे तो हेलीपैड पर महिला गार्ड्स ने ही उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया। इसके बाद एंटी माइन व्हीकल के पास खड़ी महिला कमांडो के ग्रुप के साथ मुख्यमंत्री ने तस्वीर खिंचवाई। नारायणपुर की महिला कमांडो सुमित्रा साहू ने सीएम से सीधे बात की। सुमित्रा बोलीं- मैं 2004 से लेकर 2018 तक नक्सली थीं। नक्सलियों के जो अलग-अलग तरीके में काम होते हैं, सभी का हिस्सा रही। मैंने नक्सली के रूप में 14 साल तक काम किया। उन्होंने बताया कि, नक्सलियों के साथ जंगल में महिलाओं की पोजीशन बहुत ही खराब होती है। खाने-पीने, कपड़े-लत्ते की दिक्कत होती है। जंगलों में भूखे प्यासे भटकना पड़ता है। अपने परिवार को भी देखने नहीं मिलता था। मैं दुखी थी इसी वजह मैंने सरेंडर किया। पुलिस अधिकारियों ने चिट्ठी भेजकर मुझे सरेंडर की करने को भी कहा था। सुनैना पटेल भी छत्तीसगढ़ पुलिस की महिला कमांडो हैं। नक्सल क्षेत्र में दंतेश्वरी फाइटर के रूप में काम करती हैं। उन्होंने 7 महीने की गर्भवती रहते हुए भी जंगलों में बंदूक लेकर गश्त की थी।

छत्तीसगढ़ में आर्टिकल 370 मूवी टैक्स फ्री

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने किया एलान

रायपुर, 9 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में आर्टिकल 370 मूवी को टैक्स फ्री कर दी गई है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने रायपुर स्थित मैग्नेटो माल में आर्टिकल 370 फिल्म देखने पहुंचे थे, इस दौरान उन्होंने ये घोषणा की है। इस मौके पर उनकी धर्मपत्नी कौशल्या देवी साय और मंत्रिमंडल के सहयोगी कृषि मंत्री रामविचार नेताम और वन मंत्री केदार कश्यप समेत विधायकगण भी मौजूद रहे। इस संबंध में चर्चा करते हुए सीएम साय ने कहा कि हमारी विचारधारा एक देश, एक विधान, एक निशान को लेकर है। जम्मू कश्मीर में धारा 370 इस बुनियादी विचारधारा से असंगत थी। हमारे नेताओं ने आजादी के बाद से ही इसका कड़ा विरोध किया। धारा 370 को हटाने का संकल्प हमने लिया था। हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह संकल्प पूरा हुआ। आज कश्मीर शांति की ओर बढ़ रहा है। भारत की एकता को लेकर यह बड़ा काम मोदी ने किया।

उन्हेंने कहा कि मूवी में कश्मीर के हालात को बहुत अच्छी तरह से दिखाया गया है और यह बताया गया है कि किस तरह से आर्टिकल 370 की वजह से कश्मीर विकास की राह में पिछड़ रहा था और इसे खत्म करने के लिए हमारे नेताओं ने कितना कठिन संघर्ष किया। इस मौके पर सांसद सुनील सोनी, विधायक अनुज शर्मा, खुशवंत साहेब और संपत अग्रवाल भी उपस्थित रहे।

रांची के पर्ल अपार्टमेंट में आग, बुजुर्ग की मौत

फ्लैट से धुंआ निकलने पर पड़ोसियों ने बुलाई फायर ब्रिगेड, महिला बेहोश, दोनों भाई बहन

रांची, 9 मार्च (एजेंसियां)। रांची के पर्ल अपार्टमेंट में आग लगने से एक बुजुर्ग की मौत हो गई। वहीं, एक महिला की हालत खराब हो गई। वह वहीं बेहोश होकर गिर गई। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हालांकि, आग कब और कैसे लगी इसकी जानकारी अभी नहीं मिल पाई है। आग में घर का पूरा सामान जलकर राख हो गया।

पड़ोसियों ने सुबह पुलिस को आग लगने की जानकारी दी। इसके बाद चुटिया थाने की पुलिस और फायर ब्रिगेड की गाड़ी पहुंची। बेहोश महिला को बाहर निकाला और इलाज के लिए भेज दिया। जबकि मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

मृतक की पहचान 70 साल के जुलतन सुरीन के रूप में की गई है। महिला का नाम जुलेन होरो (75) है।

दोनों आपस में भाई-बहन हैं। बहन विधवा है और भाई ने शादी नहीं की है। दोनों पर्ल अपार्टमेंट के सेकेंड फ्लोर में एक साथ रहते थे। जानकारी के मुताबिक, फ्लैट में केवल दोनों भाई-बहन ही रहते थे। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार दोनों के अलावा उनके किसी परिजन की जानकारी नहीं मिल सकी है।

पुलिस जानकारी इकट्ठा कर रही है। फ्लैट में दोनों भाई-बहन दो साल से रह रहे थे। मृतक की बहन पेशे से शिक्षिका थी। फ्लैट में आग कैसे लगी है, पुलिस इसकी जांच में जुटी है। बताया जा रहा है कि बुजुर्ग महिला आग लगने के बाद धुंए से बेहोश हो गई थी। अभी कुछ भी बोलने की स्थिति में नहीं है।

फ्लैट से धुआं निकलता देख सुबह अपार्टमेंट में रहने वाले लोगों ने पुलिस को जानकारी दी। इसके बाद चुटिया थाना प्रभारी उमा शंकर दलबल के साथ मौके पर पहुंचे। दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया।

मां ने लोन नहीं चुकाया, बेटे को बनाया बंधक

माइक्रोफाइनेंस बैंक के मैनेजर ने 14 दिन तक बर्तन धुलवाए, शराब की बोतलें उठवाईं

गढ़वा, 9 मार्च (एजेंसियां)। गढ़वा जिले के भवनाथपुर से एक अजीबो-गरीब मामला सामने आया है, जहां माइक्रोफाइनेंस बैंक का लोन नहीं चुकाने पर एक महिला के 12 साल के बच्चे को बंधक बना लिया। बताया जा रहा है कि बैंक मैनेजर ने उससे जूठे बर्तन धुलवाए। बैंक में झाड़ू लगवाए और शराब के बोतलें भी फेंकवाई। बैंक कर्मचारियों ने बच्चे को 14 दिन यानी पूरे दो हफ्ते तक बंधक बनाए रखा। साथ ही बच्चे की मां को धमकी भी दी कि अगर किसी से शिकायत की उसकी आंखें और किडनी निकाल के बेच देंगे। महिला की शिकायत पर बंशीधर नगर एसडीपीओ सतेंद्र सिंह और स्थानीय लोग बैंक पहुंचे और बच्चे को छुड़ाया गया। मामले में नाबालिग की मां ने थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। एफआईआर दर्ज करने के बाद पुलिस ने ब्रांच मैनेजर निगम यादव को गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि बैंक कर्मचारी उमाशंकर तिवारी के खिलाफ छापेमारी की जा रही है। बताया जा रहा है कि महिला ने दो साल पहले महिला ने माइक्रो फाइनेंस बैंक से 40 हजार रुपए का लोन लिया था।

झारखंड बीजेपी ने राज्यसभा उम्मीदवार के नाम का किया ऐलान

रांची, 9 मार्च (एजेंसियां)। 21 मार्च को होने वाली राज्यसभा चुनाव को लेकर झारखंड बीजेपी ने उम्मीदवार के नाम की घोषणा कर दी है। बीजेपी ने डॉ प्रदीप वर्मा को राज्यसभा भेजने का निर्णय लिया है। इसको लेकर राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने नोटिफिकेशन जारी किया है। उन्होंने कहा है कि केंद्रीय चुनाव समिति ने झारखंड में होने वाले राज्यसभा चुनाव के लिए डॉ प्रदीप वर्मा के नाम पर सहमति दी है। राज्यसभा चुनाव में बीजेपी की ओर से कौन उम्मीदवार होगा, इसको लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही थी। समीर उरांव को दोबारा राज्यसभा भेजने की बात चल रही थी। लेकिन, उन्हें लोकसभा चुनाव में टिकट दिया गया। इसके बाद से भाजपा में कई नाम को लेकर चर्चा थी। पार्टी सूत्रों की माने तो उम्मीदवार के नाम की सूची प्रदेश चुनाव समिति की ओर से भेजा गया था, जिसमें आशा लकड़ा और अरुण उरांव का नाम शामिल थे।

बीजेपी ने राज्यसभा उम्मीदवार के नाम का किया ऐलान

डॉ प्रदीप वर्मा होंगे प्रत्याशी, 21 मार्च को होगा चुनाव

रांची, 9 मार्च (एजेंसियां)। 21 मार्च को होने वाली राज्यसभा चुनाव को लेकर झारखंड बीजेपी ने उम्मीदवार के नाम की घोषणा कर दी है। बीजेपी ने डॉ प्रदीप वर्मा को राज्यसभा भेजने का निर्णय लिया है। इसको लेकर राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने नोटिफिकेशन जारी किया है। उन्होंने कहा है कि केंद्रीय चुनाव समिति ने झारखंड में होने वाले राज्यसभा चुनाव के लिए डॉ प्रदीप वर्मा के नाम पर सहमति दी है। राज्यसभा चुनाव में बीजेपी की ओर से कौन उम्मीदवार होगा, इसको लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही थी। समीर उरांव को दोबारा राज्यसभा भेजने की बात चल रही थी। लेकिन, उन्हें लोकसभा चुनाव में टिकट दिया गया। इसके बाद से भाजपा में कई नाम को लेकर चर्चा थी।

पार्टी सूत्रों की माने तो उम्मीदवार के नाम की सूची प्रदेश चुनाव समिति की ओर से भेजा गया था, जिसमें आशा लकड़ा और अरुण उरांव का नाम शामिल थे। हालांकि, डॉ प्रदीप वर्मा के नाम पर सहमति बनी है। इधर, इंडिया गठबंधन से उम्मीदवारी के लिए गांडेय के पूर्व विधायक डॉ सरफराज अहमद के नाम की चर्चा तेज है। वे नामांकन पत्र भी खरीद लिया है। हालांकि, अब तक नाम की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। बताया जा रहा है कि डॉ सरफराज अहमद 11 मार्च को नामांकन पत्र भरेंगे।

अमीषा पटेल चेक बाउंस मामला सुलझा

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़े दोनों पक्ष, अभिनेत्री ने दी पहली किस्त

रांची, 9 मार्च (एजेंसियां)। चेक बाउंस को लेकर रांची सिविल कोर्ट में अभिनेत्री अमीषा पटेल के खिलाफ मामला चल रहा है। यह मामला सुलझ गया है। दोनों के बीच हुए समझौते में अमीषा पटेल ने पैसे लौटाने की बात स्वीकार की थी। शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत में अभिनेत्री अमीषा पटेल और शिकायतकर्ता अजय कुमार सिंह के बीच एग्रीमेंट हुआ। फिर पहली किस्त की राशि भी दे दी। बता दें कि पिछले छह साल से रांची सिविल कोर्ट में अभिनेत्री अमीषा पटेल और अजय कुमार सिंह के बीच चेक बाउंस मामला चल रहा था। सुनवाई के दौरान दोनों पक्ष वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़े। फिर समझौते के अनुसार अभिनेत्री अमीषा पटेल ने अजय कुमार सिंह को पहली किस्त के रूप में 20 लाख रुपए का चेक दिया।

इससे पहले हुई सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों के बीच 2 करोड़ 75 लाख देने का समझौता हुआ है। समझौते के तहत राष्ट्रीय लोक अदालत में पहली किस्त के रूप में 20 लाख का भुगतान अभिनेत्री अमीषा पटेल की ओर से किया

गया। इसके बाद दूसरी किस्त के रूप में 50 लाख, तीसरी किस्त के रूप में 70 लाख, चौथी किस्त रूप में 62 लाख और अंतिम के रूप में 31 जुलाई 2024 को 62 लाख रुपए शिकायतकर्ता अजय कुमार सिंह को देना होगा। इससे पहले अमीषा पटेल अजय सिंह को 11 लाख रुपए दे चुकी है। फिल्म बनाने के नाम पर पैसा लेने और पैसे लौटाने के लिए दिए गए चेक के बाउंस होने के मामले को लेकर रांची सिविल कोर्ट में अमीषा पटेल का मामला चल रहा है। यह मामला लगभग छह साल से चल रहा है। अमीषा पटेल की कोर्ट में दो बार पेशी भी हो चुकी है। वहीं दोनों पक्षों की ओर से गवाही भी पूरी हो चुकी है। अब केवल अभिनेत्री अमीषा पटेल और उनके बिजनेस पार्टनर कुणाल ग्रुमर का बयान दर्ज होना है। कोर्ट ने दोनों को सशरीर हाजिर होने को कहा है। बयान दर्ज करने के लिए पहले 27 फरवरी फिर पांच मार्च को बुलाया गया था, लेकिन वह हाजिर नहीं हुई। अजय कुमार सिंह मूल रूप से बिहार के भोजपुर जिले के बखोरापुर के रहने वाले हैं। फिलहाल वे रांची के हरमू में रहते हैं। मीडिया रिपोटर्स के मुताबिक वो हमेशा से बॉलीवुड में अपना मुकाम हासिल करना चाहते थे।

कांग्रेस की 6 सीटों का पूरा एनालिसिस

बीजेपी के 'मोदी और राम' से निपटने बड़े चेहरे किए सामने, भूपेश के आने से बढ़ेगी चुनावी गर्मी

रायपुर, 9 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस ने 6 टिकटों की घोषणा कर दी है। 6 में से 3 पिछली सरकार के कद्दावर नेता थे, पूर्व मुख्यमंत्री और दो मंत्री। भाजपा ने राजनीतिक बिसात पर जिस तरह के मोहरे बिठाए हैं, उनके सामने बड़े नेताओं को लाना ही था। कांग्रेस विधानसभा चुनाव में 71 से 35 सीट पर आ गई, यानी आधी सीटें।

चेहरा भूपेश बघेल थे, लिहाजा सारा दारोमदार उन पर ही था। कांग्रेस में इस समय छत्तीसगढ़ में उनसे बड़ा चेहरा नहीं था और अगर वे नहीं उतरते तो शायद इस चुनाव में रस नहीं आता। दोनों मंत्रियों के पास पिछली सरकार में बड़ी प्रोफाइल थी। वे सामाजिक समीकरण में भी फिट बैठते हैं, लिहाजा उन्हें टिकट दिया गया।

राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र विधानसभा सीटों के हिसाब से कांग्रेस के लिए मजबूत सीट है। राजनांदगांव में ओबीसी की संख्या ज्यादा है। भूपेश बघेल ओबीसी वर्ग से आते हैं। भाजपा से ब्राह्मण कैंडिडेट और वर्तमान सांसद संतोष पांडेय मैदान में हैं। संतोष पांडेय के लिए निश्चित रूप से भूपेश के उतरने से चुनौती बढ़ेगी।

विकास उपाध्याय
रायपुर

ताम्रध्वज साहू
महासमुंद

भूपेश बघेल
राजनांदगांव

अब मोदी का चेहरा और राम का नाम संतोष पांडेय के काम आएगा। वे अग्रेसिव लीडर हैं। बस्तर में धर्मांतरण के मुद्दे पर भी उन्होंने मोर्चा संभाला था, लेकिन राजनांदगांव में भूपेश बघेल के आने से उन्हें थोड़ी परेशानी हो सकती है। दूसरा यह कि राजनांदगांव से ही पूर्व मुख्यमंत्री डा. रमन सिंह भी विधायक हैं।

डा. रमन सिंह भी अपने बेटे अभिषेक सिंह को राजनांदगांव से चुनाव लड़ाना चाहते थे, लेकिन पार्टी ने संदेश दिया कि परिवारवाद से दूरी बनानी होगी। डा. रमन सिंह बेहद लोकप्रिय चेहरा हैं, लेकिन बेटे को टिकट न मिलने के बाद उनके चेहरे की लोकप्रियता का कितना फायदा संतोष पांडेय को मिल सकेगा, ये बाद में पता चलेगा।

भूपेश बघेल के चुनाव लड़ने से राजनांदगांव की सीट भी हॉट सीट हो गई है। हालांकि खुद भूपेश बघेल कह चुके हैं कि वे पूरे प्रदेश में पार्टी के लिए काम करना चाहते थे, लेकिन पार्टी ने जो फैसला लिया है, उसके मुताबिक काम करेंगे। यानी कहीं न कहीं वे भी इस समय केंद्र की राजनीति में नहीं जाना चाहते थे, लेकिन पार्टी ने उन्हें दिल्ली बुलाने का फैसला किया है। कोरबा में कांग्रेस ने एक बार फिर ज्योत्सना महंत को कैंडिडेट बनाया है। 2019 में मोदी की लहर थी। ऐसे में छत्तीसगढ़ में जिन दो सीटों पर कांग्रेस आई थी, उनमें एक कोरबा की थी और एक बस्तर। पार्टी ने मोदी लहर में भी जीतकर आने वाली ज्योत्सना महंत को इसीलिए टिकट दिया है। हालांकि ये चुनाव ज्योत्सना महंत और भाजपा की सरोज पांडेय के बीच नहीं है, बल्कि उनके पति और नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत और भाजपा की राष्ट्रीय महासचिव सरोज पांडेय के बीच है। इस बात में कोई शक नहीं कि इस क्षेत्र में कांग्रेस के सबसे बड़े नेता चरणदास महंत ही हैं। पिछली सरकार में वे विधानसभा अध्यक्ष की भूमिका में थे और उससे पहले कहीं न कहीं मुख्यमंत्री की रेस में भी। उनकी राजनीति को लोग इस तरह से देखते हैं कि वे कहते कुछ नहीं और कर सबकुछ जाते हैं। भूपेश बघेल अगर केंद्र में जाते हैं तो सबसे ताकतवर कांग्रेस नेता के रूप में चरणदास महंत ही राज्य में होंगे। इसके बाद पार्टी की तस्वीर भी बदलेगी। हालांकि चरणदास महंत के लिए भी ज्योत्सना महंत को चुनाव जिताना चुनौती है। पिछले पांच सालों में कोरबा क्षेत्र में कांग्रेस से लोगों ने नाराजगी जताई है और इसका असर विधानसभा चुनाव में दिख चुका है। यहां की आठ विधानसभा में से 6 भाजपा, 1 गोंडवाना गणतंत्र पार्टी और सिर्फ 1 सीट कांग्रेस के पास है। सिर्फ रामपुर की सीट कांग्रेस के पास है। यानी यहां जनता कांग्रेस से नाराज है। सरोज पांडेय के लिए कोरबा की राह इतनी आसान नहीं है। वहां अभी से नारा लग रहा है बिहारी और बाहरी का। सरोज पांडेय दुर्ग से जाकर कोरबा में चुनाव लड़ रही हैं। ऐसा फैलाया जा रहा है कि वे बिहारी ब्राह्मण हैं, जबकि ज्योत्सना महंत को स्थानीय बताया जा रहा है। अगर सरोज पांडेय सिर्फ मोदी के चेहरे और राम के भरोसे रहीं, तो उन्हें मुश्किल हो सकती है। उन्हें बिहारी और बाहरी का काट सोचकर रखना होगा। कांग्रेस के लोग सामाजिक बैठकों में इस बात का प्रचार कर रहे हैं।

11 मार्च को सीएम हाउस का घेराव करेगी युवा कांग्रेस

रायपुर, 9 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ युवा कांग्रेस के 5 हजार कार्यकर्ता 11 मार्च को सीएम हाउस का घेराव करेंगे। रोजगार देने समेत युवाओं से किए गए वादों का पोस्टर जारी किया गया है। यूथ कांग्रेस अध्यक्ष आकाश शर्मा ने शनिवार को राजीव भवन में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। आकाश शर्मा ने कहा कि चुनाव के दौरान जो मोदी की गारंटी दी गई थी। उसमें युवाओं को रोजगार का जो वादा किया गया था, वह चुनावी जुमला साबित हो रहा है। इसी के विरोध में हम मुख्यमंत्री निवास घेराव करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि हर साल 2 करोड़ युवाओं को रोजगार मिलेगा, लेकिन आज युवाओं को रोजगार नहीं मिला, बल्कि रोजगार छिन गया है। महंगाई लगातार बढ़ती जा रही है। एक तरफ 500 रुपए सिलेंडर देने की बात कही जा रही थी, लेकिन सिलेंडर के दाम में सिर्फ 100 कम किए गए हैं।

पेट्रोल डीजल के रेट आसमान छू रहे हैं। भाजपा ने चुनाव के दौरान सीजीपीएससी के नाम पर घोटाले का माहौल बनाया गया था। लेकिन सत्ता में आने के बाद इस बारे में कोई बात नहीं कर रहा है। इन सभी मुद्दों को लेकर हम 11 मार्च को बड़ा विशाल धरना प्रदर्शन करेंगे। आकाश ने बताया कि युवा कांग्रेस की ओर से एक दिवसीय आंदोलन रहेगा। इसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास बीवी भी शामिल होंगे। मुख्यमंत्री निवास का घेराव बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल होंगे।

पूर्व विधायक चुन्नीलाल साहू ने कांग्रेस छोड़ी

रायपुर, 9 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस के पूर्व विधायक चुन्नीलाल साहू ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपना इस्तीफा पीसीसी चीफ दीपक बैज को भेजा है। इसकी जानकारी चुन्नीलाल ने सोशल मीडिया पर साझा की है। इसके अलावा कांग्रेस नेता पिछड़ा

वर्ग प्रकोष्ठ के पूर्व अध्यक्ष चौलेश्वर चंद्राकर ने भी पार्टी छोड़ दी है। चंद्राकर ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पर गंभीर आरोप लगाए हैं। चुन्नीलाल साहू और चौलेश्वर चंद्राकर के अलावा एक दर्जन से ज्यादा कांग्रेस नेता केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के सामने बीजेपी जॉइन करेंगे। चुन्नीलाल साहू ने अपने पोस्ट में लिखा है कि 'कांग्रेस के समस्त दायित्वों और पार्टी के प्राथमिक सदस्यता से रिजाइन कर दिया है। चुन्नीलाल साहू अकलतरा से 2013 में विधायक चुने गए थे। इससे पहले, विधानसभा चुनाव हार के बाद चुन्नीलाल साहू ने प्रदेश उपाध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। कांग्रेस से इस्तीफा देने के बाद बीतचीत में चुन्नीलाल साहू ने कहा कि संगठन सिर्फ नाम का रह गया है।

सेम सरनेम कानून खत्म करने की मांग

लोग बोले- ये हमारे करियर, जीवन में मुश्किलें बढ़ा रहा

टोक्यो, 9 मार्च (एजेंसियां)। जापान में शादी के बाद एक ही सरनेम रखने का कानून है। इस कानून के खिलाफ छह जोड़ों ने सरकार पर सुप्रीम कोर्ट में मुकदमा दायर किया है। कानून के कारण जोड़ों को होने वाली परेशानी और असफलताओं के बारे में जागरूकता बढ़ने से बदलाव की मांग और ज्यादा तेज हो गई है। इस कानून से खासकर महिलाओं के लिए करियर में आगे बढ़ने और व्यक्तिगत तौर पर मुश्किलें बढ़ रही हैं। जापान में यह कानून पुरुष प्रधान सामाजिक व्यवस्था को औपचारिक बनाने के लिए अपनाया गया था। इस कारण शादी के बाद जो महिलाएं अपने उपनाम का इस्तेमाल करती हैं, उन्हें अलग-अलग कानूनी और व्यावसायिक नामों के कारण कई मूलभूत सेवाओं, सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए कठिनाई का सामना करना पड़ता है।

तलाक होने पर यह कानून महिलाओं को बच्चों की कस्टडी मिलने में भी रुकावटें खड़ी करता है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट दो बार इस कानून के खिलाफ दायर याचिकाओं को खारिज कर चुकी है। लेकिन इस बार कई बड़ी कंपनियों के ज्यादा से ज्यादा पुरुष मैनेजर भी कानून में बदलाव की जरूरत का समर्थन कर रहे हैं। वे ऐसी प्रणाली की मांग कर रहे हैं, जिसमें विवाहित जोड़ों के पास कोई अलग-अलग नाम रखने का विकल्प उपलब्ध रहे।

शादी के बाद एक उपनाम रखने की प्रणाली 1898 से चल रही

रूढ़िवादी रुख के लिए पहचाने जाने वाला जापान के शक्तिशाली बिजनेस लॉबी समूह कीडैनरेन ने भी अलग-अलग उपनाम प्रणाली लागू करने के लिए समर्थन व्यक्त किया है। कीडैनरेन ने इस मुद्दे पर सरकार को एक सिफारिश पत्र सौंपने की योजना भी बनाई है। जापान में शादी के बाद एक उपनाम रखने की प्रणाली 1898 से चल रही है। कानून में पत्नियों को अपने पतियों का उपनाम अपनाने की आवश्यकता नहीं है, लेकिन वास्तव में, 95% से अधिक विवाहित महिलाएं ऐसा करती हैं।

मैक्सिको की सीमा पर अमेरिका का नेशनल गार्ड हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त, दो की मौत

वॉशिंगटन, 9 मार्च (एजेंसियां)। टेक्सास में अमेरिका-मैक्सिको की सीमा के पास नेशनल गार्ड हेलीकॉप्टर के दुर्टनाग्रस्त होने से उसमें मौजूद कम से कम दो लोगों की मौत हो गई। हेलीकॉप्टर में एक नेशनल गार्ड्समैन और तीन बॉर्डर पैट्रोल एजेंट मौजूद थे। स्थानीय मीडिया के अनुसार, यह हादसा सा ग्रुला में हुआ।

मैक्सिकन कार्टेल के सदस्यों ने ड्रोन से देखा हादसा

टेक्सास के नागरिक सुरक्षा विभाग के दक्षिण क्षेत्र के निदेशक विक्टर एस्केलॉन ने बताया कि बॉर्डर पेट्रोल के साथ काम करने वाले सैन्य हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हुआ है। टेकसास नागरिक सुरक्षा विभाग ने हेलीकॉप्टर के ऑपरेशन लोन स्टार में शामिल नहीं होने की पुष्टि की है। बॉर्डर पेट्रोल के सूत्रों ने बताया कि हादसे के दौरान मैक्सिकन कार्टेल के सदस्यों ड्रोन की सहायता से हेलीकॉप्टर को क्रैश होते हुए देखा। सोशल मीडिया पर वायरल एक क्लिप में उन्हें अपने कैमरे को जूम करने के बाद हंसते हुए देखा गया। इसी साल 27 फरवरी को नेशनल गार्ड ने अपने एक बयान में बताया कि उनके लेफ्टिनेंट जनरल जॉन ए. जेनसेन ने हाल ही में दो हेलीकॉप्टर दुर्घटनाओं के बाद सुरक्षा नीतियों और प्रक्रियाओं की समीक्षा करने के लिए सभी सभी नेशनल गार्ड हेलीकॉप्टर इकाइयों की विमानन सुरक्षा को रोकने का आदेश दिया है। इससे पहले 23 फरवर को मिसिसिपी में एक प्रशिक्षण मिशन के दौरान एक सन्य हेलीकॉप्टर जंगली इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया गया था। इस हादसे में दो सैनिकों की मौत हो गई थी। यूटा में प्रशिक्षण के दौरान ही हेलीकॉप्टर दुर्घटाग्रस्त होने से दो पायलट घायल हो गए थे।

खालिस्तानी आतंकी हरदीप निज्जर की हत्या का वीडियो आया सामने

इसी मामले में बिगड़े भारत-कनाडा के संबंध

ओंटारियो, 9 मार्च (एजेंसियां)। खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की बीते साल जून में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। अब निज्जर की हत्या का कथित वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में हमलावर, निज्जर को गोली मारकर भागते नजर आ रहे हैं। निज्जर की हत्या को लेकर भारत और कनाडा के संबंधों में खटास आ गई थी और दोनों देशों के बीच यह मामला विवाद की वजह बन गया था। कनाडा के सरे में गुरु नानक सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के तत्कालीन अध्यक्ष हरदीप सिंह निज्जर की अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। जो वीडियो सामने आया है, उसमें दिख रहा है कि घटना वाले दिन हरदीप सिंह निज्जर अपने पिकअप ट्रक से गुरुद्वारे की पार्किंग से निकला और जैसे ही बाहर निकला तो अचानक से उसकी कार के आगे सफेद रंग की सेडान कार आकर रुकी, जिसमें से दो लोग बाहर आए और हरदीप सिंह निज्जर पर फायरिंग कर दी। वीडियो, कनाडा के एक मीडिया हाउस ने जारी की है, जो कि वायरल हो रही है। निज्जर को गोली मारने के बाद हमलावर सिल्वर रंग की टोयोटा कैमरी कार से फरार हो गए। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जिस जगह निज्जर को गोली मारी गई, वहां कुछ दूरी पर दो युवक फुटबॉल खेल रहे थे, जैसे ही उन्होंने गोली की आवाज सुनी तो वे मौके पर पहुंचे। एक चश्मदीद युवक ने बताया कि वह निज्जर की मदद के लिए उसके पास पहुंचा और दूसरे युवक ने हमलावरों का पीछा करने की कोशिश की। चश्मदीद ने बताया कि जिस गाड़ी से हमलावर फरार हुए थे, उस कार में पहले से ही तीन लोग सवार थे। हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को नौ महीने का समय बीत चुका है, लेकिन अभी तक रॉयल कनैडियन माउंटेड पुलिस संदिग्धों के नाम का खुलासा भी नहीं कर सकी है और न ही इस मामले में कोई गिरफ्तारी हुई है। हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर कनाडा के पीएम ने आरोप लगाए थे कि हत्याकांड में भारत सरकार का हाथ है। कनाडा के पीएम के आरोपों से भारत-कनाडा के संबंध बिगड़ गए थे। कनाडा के आरोपों को भारत ने बेतुका बताकर खारिज कर दिया था। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा है कि अभी तक कनाडा की तरफ से निज्जर की हत्या को लेकर कोई सबूत नहीं दिए हैं।

यात्री ने गुड-लक के लिए हवाई जहाज के इंजन में फेंका सिक्का

बीजिंग, 9 मार्च (एजेंसियां)। सान्या से बीजिंग के लिए चाइना सदर्न एयरलाइंस की उड़ान छह मार्च को यात्रियों के लिए निराशाजनक साबित हुई। दरअसल, चाइना सदर्न एयरलाइंस सुबह के 10 बजे उड़ान भरने वाला था, लेकिन एक असामान्य घटना के कारण यात्रियों को चार घंटे तक इंतजार करना पड़ा। एक यात्री ने हवाई जहाज के इंजन में ही सिक्का फेंक दिया था।

हवाई जहाज के इंजन में यात्री ने फेंका सिक्का

चीनी मीडिया के अनुसार, लंबे इंतजार के बाद देरी की वजह सामने आई। इस घटना से जुड़े एक वीडियो के अनुसार, हवाई जहाज के इंजन में सिक्का फेंकने वाले यात्री से फ्लाइट अटेंडेंट को पूछताछ करते हुए देखा गया। यात्री की इस अंधविश्वास के कारण अन्य लोगों को असुविधा का सामना करना पड़ा। स्थानीय समयानुसार फ्लाइट दोपहर के 2:16 बजे तक रवाना नहीं हो पाई। हालांकि, जांच के दौरान सुरक्षाकर्मियों ने सिक्का ढूंढ निकाला। उन्होंने सिक्कों की संख्या का खुलासा नहीं किया।

इस घटना पर चाइना सदर्न एयरलाइंस ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इस घटना को असभ्य व्यवहार बताया है। एयरलाइन ने हवाई जहाजों पर वस्तुएं फेंकने के मामलों में कहा कि यह विमानन सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है। इसके लिए आरोपियों को सजा दी जाएगी।

तीन साल पहले भी हो चुकी है ऐसी घटना

चीन में 2021 में इसी तरह की एक घटना के कारण उड़ान को रद्द कर दिया गया था। इस उड़ान में करीब 148 यात्री शामिल थे, जो विफेंग से हाईकू जा रहे थे। उड़ान भरने से पहले वैंग नाम के एक यात्री ने एक लाल कागज में सिक्का को लपेटकर हवाई जहाज के इंजन में फेंक दिया था। उड़ान भरने से ठीक पहले ही एयरपोर्ट कार्यकर्ताओं ने रनवे पर ही कुछ सिक्के देख लिए थे, जिसके बाद उन्होंने केबिन क्रू को इसकी जानकारी दी। इस घटना के कारण उड़ान को रद्द करने का आदेश दिया गया था।

92 साल की उम्र में पांचवी शादी करेंगे रुपर्ट मर्डोक

कौन हैं उनकी पहली चार पत्नियां

वॉशिंगटन, 9 मार्च (एजेंसियां)। मीडिया मुगल रुपर्ट मर्डोक 92 साल की उम्र में पांचवीं बार शादी करने जा रहे हैं। मर्डोक की टीम ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। मर्डोक, रूस की 67 साल की वैज्ञानिक एलेना झुकोवा के साथ जुलाई में शादी के बंधन में बंधेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मर्डोक की पूर्व पत्नी ने एक कार्यक्रम का आयोजन किया था, उसी कार्यक्रम में झुकोवा और मर्डोक की मुलाकात हुई थी। दोनों कैलिफोर्निया के वाइन स्टेट में शादी करेंगे। फॉक्स एंड न्यूज कॉर्प्स के पूर्व चेयरमैन की यह पांचवीं शादी होगी। इससे पहले मर्डोक चार शादी और एक सगाई कर चुके हैं।

पैट्रिशिया बुकर

रुपर्ट मर्डोक साल 1956 में अपनी पहली पत्नी पैट्रिशिया बुकर से मिले थे। दोनों ने 1956 में शादी की थी और दोनों की एक बेटी है। शादी के 11 साल बाद 1967 में दोनों का तलाक हो गया था। तलाक के बाद पैट्रिशिया बुकर के बारे में ज्यादा जानकारी उपलब्ध नहीं है और बुकर की 1998 में मौत हो गई थी।

एना मारिया तोर्व

पेश से पत्रकार एना मारिया तोर्व, मर्डोक की दूसरी पत्नी थीं और पहली पत्नी से तलाक के कुछ दिनों बाद ही मर्डोक ने एना से शादी कर ली थी। दोनों 32 साल तक साथ रहे और साल 1999 में दोनों का तलाक हो गया। दोनों के तीन बच्चे हैं, जिनमें 56 साल की एलिजाबेथ, 53 साल के लाचलान और 52 साल के जेम्स का नाम शामिल है। कुछ समय पहले लाचलान ने ही मर्डोक की जगह फॉक्स कॉर्प्स की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

वेंगी देंग

चीन मूल की वेंगी देंग, मर्डोक की तीसरी पत्नी थीं। एना से तलाक के कुछ महीनों बाद ही मर्डोक ने वेंगी देंग से शादी की थी। वेंगी देंग और मर्डोक की मुलाकात 1997 में हॉन्ग-कॉन्ग में हुई थी और दोनों ने न्यूयॉर्क में एक गोपनीय समारोह में शादी कर ली थी।

जेरी हाल

मर्डोक ने अपनी चौथी पत्नी जेरी हाल से 2016 में शादी की थी। जेरी हॉल एक अमेरिकी मॉडल और एक्टर हैं। मर्डोक से शादी से पहले जेरी हाल मशहूर सिंगर मिक जैगर को डेट कर चुकी थीं। मर्डोक और जेरी हाल की शादी छह साल चली और 2022 में दोनों का तलाक हो गया।

अमेरिका के पास है यूएफओ और एलियन?

पेंटागन की रिपोर्ट में हुआ बड़ा खुलासा

वॉशिंगटन, 9 मार्च (एजेंसियां)। एलियन को लेकर अमेरिका ने बड़ा खुलासा किया है। अमेरिका के रक्षा विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक यूएस गुप्त रूप से एलियन टेक्नोलॉजी या एलियन प्राणियों को जनता से नहीं छिपा रहा है। शुक्रवार को पेंटागन ने ऑल डोमेन एनोमली रेजोल्यूशन ऑफिस (एएआरओ) की ओर से जांच के निष्कर्षों को जारी किया। एएआरओ ऑफिस 2022 में स्थापित किया गया था। इसका उद्देश्य विषम, अज्ञात स्थान, हवाई और जलमग्न खतरों का पता लगाना और उन्हें कम करना है। पेंटागन की ओर से पहले भी एलियन जीवन से जुड़ी रिपोर्ट सामने आती रही है। रिपोर्ट में कहा गया, 'एक कहानी कही जाती है कि अमेरिकी सरकार ने कई एलियन अंतरिक्ष यान और अलौकिक जीवन के अवशेष खोजे हैं। यह कहानियां 1940 के दशक से शुरू हुईं, जिसमें कहा जाता है कि अमेरिका ने इन्हें जनता और कांग्रेस से छिपा कर रखा है और इस पर रिवर्स इंजीनियरिंग कर रहा है।'

ईशनिंदा के आरोप में 22 वर्षीय छात्र को मौत की सजा

कराची, 9 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान में एक 22 वर्षीय छात्र को व्हाट्सएप के माध्यम से ईशनिंदा के आरोप में मौत की सजा सुनाई गई है। इस हफ्ते पंजाब प्रांत की एक अदालत ने यह फैसला सुनाया है। अदालत ने बताया कि पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने वाले वीडियो और तस्वीरें शेयर करने की वजह से छात्र को मौत की सजा सुनाई गई है।

नाबालिग छात्र को मिली आजीवन कारावास की सजा

एक अन्य 17 वर्षीय छात्र को नाबालिग होने के कारण उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। पाकिस्तान में ईशनिंदा के आरोप में मौत की सजा दी जाती है। हालांकि, राज्य में अभी तक इसके लिए किसी को भी फांसी नहीं दी गई है, लेकिन कई आरोपियों के भीड़ द्वारा पीट-पीटकर मार डालने की घटनाएं सामने आईं है। लाहौर में पाकिस्तान की संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) की साइबर क्राइम इकाई ने 2022 में छात्र के खिलाफ शिकायत दर्ज की थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि उसे तीन अलग-अलग मोबाइल नंबरों से वीडियो और तस्वीरें मिली थीं। एफआईए ने कहा कि शिकायतकर्ता के मोबाइल फोन की जांच करने के बाद उन्होंने पाया कि आपत्तिजनक सामग्री भेजी गई थी।

दोनों छात्रों को फर्जी मामले में फंसाने का दावा

दोनों छात्रों के वकील ने दावा किया कि उन्हें किसी फर्जी मामले में फंसाया जा रहा है। उनके वकील ने बताया कि मौत की सजा पाने वाले छात्र के पिता लाहौर हाई कोर्ट में अपील दायर करेंगे। पिछले साल अगस्त में दो ईसाई भाइयों द्वारा कुरान को अपवित्र करने का आरोप लगाया गया था, जिसके बाद क्रोधित लोगों ने 80 ईसाइयों के घरों और 19 चर्चों में तोड़फोड़ की थी। पाकिस्तान के सबसे हाई-प्रोफाइल मामलों में से एक में ईसाई महिला आसिया बीबी पर ईशनिंदा का मामला करीब एक दशक तक चला, जिसमें उसकी मौत की सजा को पलट दिया गया था। हालांकि, इसके बाद उसे देश छोड़कर भागना पड़ा।

मालदीव के पूर्व राष्ट्रपति बोले- भारतीय टूरिस्ट हमारे यहां आएं

भारत के साथ विवाद से हम पर असर हुआ, इसके लिए माफी मांगते हैं

माले, 9 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली पहुंचे मालदीव के पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद नशीद ने भारत और मालदीव के रिश्तों पर चिंता जताई है। उन्होंने मालदीव के लोगों की तरफ से माफी भी मांगी है।

मोहम्मद नशीद ने कहा- भारत और मालदीव के बीच तनाव से मालदीव पर असर हुआ है। मैं इसे लेकर बहुत चिंतित हूं। मैं कहना चाहता हूं कि मालदीव के लोगों को खेद है। हमें खेद है कि ऐसा हुआ। हम चाहते हैं कि भारतीय लोग अपनी छुट्टियों पर मालदीव आएं। हमारी मेहमान-नवाजी में कोई बदलाव नहीं होगा।

बॉयकॉट मालदीव ट्रेंड का जिक्र किया

7 जनवरी के बाद से भारत में हैशटैग बॉयकॉट मालदीव ट्रेंड हुआ। पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद नशीद ने इसका जिक्र करते हुए माफी मांगी और भारतीयों से मालदीव आने के लिए कहा।

दरअसल, पीएम मोदी ने लक्षद्वीप दौरे का एक वीडियो शेयर किया था। इसमें खूबसूरती के लिहाज से लक्षद्वीप अब मालदीव को टक्कर देता नजर आया। इसके बाद सोशल मीडिया पर लोग कहने लगे कि लाखों रुपए खर्च कर मालदीव जाने से बेहतर है कि लक्षद्वीप जाएं।

इससे मालदीव के मंत्री और नेता नाराज नजर आए। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट में पीएम मोदी के लिए आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया। साथ ही कहा कि भारत सर्विस के मामले में मालदीव का मुकाबला नहीं कर सकता।

सोशल मीडिया पर एक यूजर ने पीएम मोदी का लक्षद्वीप वाला वीडियो शेयर करते हुए लिखा था- बढ़िया कदम है! यह मालदीव की नई सरकार के लिए एक बड़ा झटका है, जो चीन की कठपुतली है। इस दौरे के बाद लक्षद्वीप में पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

इसके जवाब में पीपीएम के नेता जाहिद रमीज ने लिखा था- बेशक यह अच्छा कदम है, लेकिन भारत कभी हमारी बराबरी नहीं कर सकता। मालदीव पर्यटकों को जो सर्विस देता है, वो भारत कैसे देगा। वो इतनी सफाई कैसे रख पाएंगे, जितनी हम रखते हैं। उनके कमरों में आने वाली बदबू टूरिस्टों के लिए सबसे बड़ी दिक्कत होगी।

मालदीव के टूरिज्म एसोसिएशन ने कहा था- भारतीय हमारे भाई-बहन

भारत के साथ विवाद के बीच ईज माय ट्रिप कंपनी ने मालदीव की टिकिट बुक करना बंद कर दिया था। इसके बाद मालदीव की टूरिज्म बॉडी ने भारत की ईज माय ट्रिप से मालदीव की यात्रा के लिए फिर से फ्लाइट बुकिंग शुरू करने की अपील की थी। कहा था- भारतीय हमारे लिए भाई-बहन जैसे हैं। हम ईज माय ट्रिप से अपील करते हैं कि वो भारत को लेकर दिए गए आपत्तिजनक बयान पर ध्यान न दें। यह बयान मालदीव के लोगों की भावनाओं को नहीं दर्शाता है। हम इसके लिए माफी मांगते हैं।

राष्ट्रपति मुइज्जू ने कहा था- मालदीव में ज्यादा से ज्यादा पर्यटक भेजे चीन

मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जु चीन से अपने पर्यटकों की संख्या बढ़ाने की अपील कर चुके हैं। मुइज्जू ने कहा था- चीन हमारा खास सहयोगी और डेपलपमेंट पार्टनर है। हम चाहते हैं कि यहां के ज्यादा टूरिस्ट मालदीव आएं। दोनों देशों के बीच हिंद महासागर में टूरिज्म सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए 50 मिलियन डॉलर के समझौते भी हुए।

हार्ट अटैक से सीआरपीएफ जवान की मौत

गीदम नाला कैंप के मैदान में कर रहे थे पीटी

जगदलपुर, 9 मार्च (एजेंसियां)। सुकमा जिले के गीदम नाला कैंप में 226 बटालियन सुकमा में पदस्थ जवान को शनिवार सुबह पीटी करने के दौरान अचानक हार्ट अटैक आ गया। हार्ट अटैक आने से जवान की मौत हो गई। घटना के बाद जवान के शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल सुकमा ले जाया गया। इसके बाद शव को मेकाज लाया गया। जवान मूलरूप से उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले का रहने वाला है।

सीआरपीएफ के अधिकारियो ने बताया कि सुकमा जिले के गीदम नाला कैंप में 226 बटालियन सीआरपीएफ में पदस्थ यूपी के प्रतापगढ़ निवासी प्रकाश नारायण (50) कैंप के अंदर ही पीटी कर रहे थे। इसी दौरान अचानक से सीने में दर्द होने के कारण मैदान में ही गिर गए, जिसके कारण उनकी मौत हो गई। जवान के शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल सुकमा लाया गया, जहां पोस्टमार्मटम के बाद एम्बोम्बिंग के लिए मेकाज भेजा गया।

उत्तर कोरिया की बड़ी मिलिट्री ड्रिल

जंग की तैयारी में तानाशाह किम? सियोल बोला- अंजाम तक पहुंचा देंगे

प्योंगयांग, 9 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर कोरिया का तानाशाह किम जोंग उन ने देश की सेना को युद्ध के लिए तैयार रहने का आदेश दिया है। हाल ही में किम की निगरानी में उत्तर कोरिया की सेना ने बड़े पैमाने पर अपने तोपखाने की ताकत का परीक्षण किया। दक्षिण कोरिया पर हमला करने में सक्षम कोरियाई पीपल्स आर्मी की यूनिट्स ने सीमा के पास लाइव-फायर आर्टिलरी ड्रिल का आयोजन किया। प्योंगयांग की सरकारी मीडिया ने इस ड्रिल की तस्वीरें जारी की हैं। कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) की रिपोर्ट के अनुसार तानाशाह किम ने अपने सैनिकों से वास्तविक युद्ध के लिए तैयार रहने और युद्ध की तैयारियों को बढ़ाने को कहा है। दक्षिण कोरिया की सेना ने ड्रिल की पुष्टि करते हुए बताया कि उत्तर कोरिया ने स्थानीय समयानुसार सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे के बीच पीले सागर की ओर रॉकेट लॉन्चर और स्वचालित तोपखाने के गोले दागे। सियोल ने आगे कहा कि दक्षिण कोरिया ने दृढ़ प्रतिरक्षा मुद्रा बनाए रखी है और उत्तर कोरिया की उकसावे वाली कार्रवाई पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ ने एक बयान में कहा, अगर उत्तर कोरिया उकसावे की कार्रवाई करता है, तो हम उसे जबरदस्त त्वरित जवाब देते हुए अंजाम तक पहुंचाने वाली सजा देंगे। दक्षिण कोरिया और अमेरिका की सेना ने सोमवार को सालाना सर्दियों की मिलिट्री एक्सरसाइज शुरू की थी। इसके ठीक बाद ही किम की सेना ने ये ड्रिल करके अपनी ताकत दिखाई है, जिसमें पिछले साल के मुकाबले दोगुनी संख्या में सैनिक थे। किम ने सियोल के संयुक्त अभ्यास को हमले का पूर्वाभ्यास कहा था। इसके साथ ही किम ने अपने हथियारों के परीक्षण में भी तेजी ला दी है।

केसीएनए की रिपोर्ट के अनुसार, अभ्यास को देखने के बाद किम आश्वस्त हुआ कि उसकी सेना लंबी जंग के लिए तैयार है। किम ने पूरी सेना के तोपखाने को विशेषज्ञों के रूप में प्रशिक्षित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

राहत सामग्री के बॉक्स में दबकर 5 फिलिस्तीनियों की मौत

पैराशूट नहीं खुला तो बॉक्स तेजी से गिरे

वॉशिंगटन, 9 मार्च (एजेंसियां)। गाजा में राहत सामग्री की डिलिवरी के दौरान हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई। एयरक्राफ्ट से गाजा पट्टी पर राहत सामग्री के बॉक्स गिराए गए, लेकिन कई बॉक्स के पैराशूट ही नहीं खुले। ये तेज रफ्तार से लोगों पर गिर गए। 10 लोग घायल भी हैं।

हादसा 8 मार्च को अल-शती रिफ्यूजी कैंप के पास हुआ। यहां राहत सामग्री लेने के लिए हजारों की तादाद में लोग मौजूद थे। 7 अक्टूबर को शुरू हुई इजराइल-हमास जंग के बीच गाजा में लाखों फिलिस्तीनी भुखमरी का सामना कर रहे हैं। 30 हजार लोगों की मौत हो चुकी है। अमेरिका और जॉर्डर एयरक्राफ्ट्स के जरिए फिलिस्तीनियों तक राहत सामग्री पहुंचा रहे हैं। हालांकि, हादसा किस की राहत सामग्री गिराते समय हुआ यह साफ नहीं हो पाया है। भीड़ में मौजूद मोहम्मद अल-घोउल ने कहा- हम एड पॉइंट (राहत सामग्री पहुंचाने के बनाए गए पॉइंट) पर खड़े थे। मेरे भाई ने विमान से बॉक्स गिरते हुए देखे और वह इनके पीछे दौड़ने लगा। वह सिर्फ आटा लाना चाहता था, लेकिन बॉक्स में लगा पैराशूट खुल नहीं पाया और रॉकेट की तरह नीचे खड़े लोगों पर गिर गया। 10 मिनट बाद मैंने देखा लोग शवों और घायलों को लेकर अस्पताल की तरफ दौड़ रहे थे।

फरवरी में जॉर्डन ने फिलिस्तीनियों की मदद के लिए हवाई रास्ता चुना था। इसके बाद मार्च की शुरुआत में अमेरिका ने भी इसी रास्ते से पहली बार गाजा में मदद भेजी। दोनों देश फिलिस्तीनियों तक खाना पहुंचाने के लिए जॉइंट ऑपरेशन चला रहे हैं। 3 मार्च को पहली बार अमेरिका ने 66 बॉक्स में 38 हजार रेडी-टु-ईट मील्स गिराए थे। हालांकि, शुक्रवार को हुए हादसे के बाद जॉर्डन ने कहा कि शुक्रवार को उन्होंने गाजा में कोई मदद नहीं भेजी। व्हाइट हाउस के स्पोक्स पर्सन जॉन किर्बी ने हाल ही में कहा था- हम गाजा के लोगों को रेडी-टु-ईट खाना पहुंचाएंगे। वहां के हालात बेहद खराब हैं। बच्चे भूख से मर रहे हैं। लगभग पूरी आबादी भुखमरी की कगार पर है।

फ्रांस में गर्भपात अब संवैधानिक अधिकार

ऐसा करने वाला पहला देश बना, वुमन्स डे पर 200 साल पुरानी प्रिंटिंग प्रेस से प्रिंट निकाला

पेरिस, 9 मार्च (एजेंसियां)। फ्रांस की इमैनुएल मैक्रों सरकार ने इंटरनेशनल वुमन्स डे (8 मार्च) पर देश की महिलाओं को बड़ा तोहफा दिया। यहां गर्भपात को संवैधानिक अधिकार का दर्जा दे दिया गया है। शुक्रवार 8 मार्च को एक पब्लिक सेरेमनी के दौरान जस्टिस मिनिस्टर एरिक ड्यूपोंड मोरेटी ने 19वीं सदी (200 साल पुरानी) की प्रिंटिंग प्रेस इस्तेमाल करके इस संवैधानिक अधिकार की कॉपी निकाली। इस मामले पर पिछले हफ्ते फ्रेंच पार्लियामेंट में वोटिंग हुई थी। प्रस्ताव के पक्ष में 780 और विरोध में 72 वोट पड़े थे। अमेरिका, ब्रिटेन, इंडोनेशिया और मैक्सिको समेत दुनिया के कई देशों में गर्भपात को संवैधानिक अधिकार बनाने की मांग की जाती रही है। हालांकि, इस मांग को पूरा करने वाला फ्रांस पहला देश बना है। 'कॉन्टेक्स्ट' मैगजीन की रिपोर्ट के मुताबिक- फ्रांस में 'गर्भपात का कानूनी अधिकार' 1975 से है। इसके तहत 14 हफ्ते तक की प्रेग्नेंसी को टर्मिनेट कराया जा सकता है। मायने ये कि अगर किसी महिला को 14 हफ्ते तक का गर्भ है तो वो कानूनी तौर पर गर्भपात करा सकती है। 1988 में फ्रांस पहला ऐसा देश बना, जहां अबॉर्शन के लिए सरकार की तरफ से 'मिफीप्रिस्टोन' टैबलेट को मंजूरी दी गई। इतना ही नहीं सर्जरी या दवाइयों के के जरिए अबॉर्शन के लिए नेशनल इंश्योरेंस में भी कवर दिया गया है।

केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्रसिंह शेखावत और शेरगढ़ विधायक बाबूसिंह राठौड़ के बीच सुलझ गया विवाद!

जयपुर, 9 मार्च (एजेंसियां)। केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्रसिंह शेखावत और शेरगढ़ विधायक बाबूसिंह राठौड़ के बीच चली आ रही अदावत को आंशिक तौर पर रोकने में भाजपा कामयाब हो गई है। हालांकि इसका अंदरुनी कितना असर होगा यह समय बताएगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मिलने के बाद दोनों जयपुर में एक दूसरे से गले मिलते नजर आए। उनके इस साथ के फोटो-वीडियो सोशल मीडिया पर भी काफी वायरल हुए।

हालांकि राजनीतिक पंडित बताते हैं कि इसे भाईचारे की धरातल पर कितनी पालना होगी यह तो आने वाला समय ही बताएगा। पिछले एक महीने से जो अदावत भाषणों और सड़कों पर देखी जा रही थी उस पर विराम लगने की संभावना है, लेकिन लोकसभा चुनाव में भिरतघात पूरी तरह से रुक जाएगा यह कहना अभी मुश्किल है। हालांकि जानकार बताते हैं कि दोनों ही नेताओं को सख्त हिदायत दी गई

है। शेखावत के विरोध की तस्वीर सामने आने के बाद दिल्ली आलाकमान ने भी इसमें दखल दी और जयपुर को निर्देश जारी किए थे। इसके बाद विधायक राठौड़ अपना धरना खत्म कर जयपुर पहुंचे। वहां एक-दूसरे के गले मिलते नजर आए।

बता दें कि केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्रसिंह शेखावत के विरोध करने का मामला इतना गर्मा गया कि यह पुलिस स्टेशन तक जा पहुंचा। जोधपुर ग्रामीण के चामू थानान्तर्गत भालू उदयनगर में कार्यक्रम के दौरान विरोध, राजकार्य में बाधा डालने व पथराव करने का आरोप लगाकर पुलिस ने खुद की तरफ से 11 नामजद व अन्य के खिलाफ एफआइआर दर्ज की। आधी रात पुलिस ने विरोध करने वाले छह-सात जनों को घर से पकड़ा तो शेरगढ़ विधायक बाबूसिंह राठौड़ व पुलिस अधिकारियों में तीखी नोंक-झोंक भी हुई। कार्रवाई के विरोध में विधायक के नेतृत्व में ग्रामीणों ने गांव में रैली निकाली और थाने के बाहर शुक्रवार दोपहर धरना भी दिया। समझाइश के बाद दोपहर दो बजे तक धरना समाप्त किया गया। केंद्रीय मंत्री शेखावत को इस बार फिर से लोकसभा का टिकट दे दिया गया है। टिकट घोषणा से पहले भी शेरगढ़ क्षेत्र में एक कार्यक्रम में विधायक राठौड़ शेखावत पर हमलावर हो चुके थे, लेकिन अब क्षेत्र में काले झंडे दिखाने और नारेबाजी को दिल्ली और जयपुर आलाकमान ने गंभीरता से लिया है।

राजेंद्र राठौड़ और सतीश पूनिया के टिकट पर संकट के बादल, जाट बनाम राजपूत की स्थिति बनी

जयपुर, 9 मार्च (एजेंसियां)। आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर बीजेपी की ओर से हाल ही में जारी हुई उम्मीदवारों की पहली लिस्ट के बाद राजस्थान के चूरू में सियासत गरमा गई है. बीजेपी ने चूरू लोकसभा सीट के लिए मौजूदा सांसद राहुल कांस्वा का टिकट काटकर देवेंद्र झाझरिया को टिकट दिया है. झाझरिया पैरालंपिक में दो बार गोल्ड मेडलिस्ट हैं. बीजेपी की ओर से टिकट नहीं मिलने से राहुल कस्वा नाराज हो गए हैं जिसकी वजह से बीजेपी की टेंशन बढ़ गई है.

पार्टी में टिकट बंटवारे को लेकर हुई बगावत को रोकने के लिए बीजेपी पार्टी अब फूंक-फूंककर कदम उठा रही है. वहीं राहुल कस्वां के रूप में उठी बगावत से भाजपा की टेंशन बढ़ गई है. बीजेपी के अंदरखाने में चर्चा है कि राहुल कस्वां ने अपने टिकट कटने की प्रमुख वजह राजेन्द्र राठौड़ को माना है.

विधानसभा चुनाव में शुरू हुई थी तकरार

ऐसा इसलिए क्योंकि विधानसभा चुनाव में तारानगर सीट से हार की वजह को राजेन्द्र राठौड़ ने पार्टी के जयचंदों को बताया था यानी कि सीधा इशारा राहुल कांस्वा की तरफ था. इसके बाद से ही दोनों की अदावत शुरू हुई जो कस्वां के टिकट कटने तक जारी है. यही वजह थी कि राहुल कस्वां के चक्कर में राजेंद्र राठौड़ का टिकट अटक गया है.

मगर कांस्वा की नाराजगी और कांग्रेस में जाने की अटकलों के बीच अब पार्टी राठौड़ और पूनिया के टिकिट पर फिर से विचार कर रही है. ऐसे में इन दोनों नेताओं के चक्कर में सतीश पूनिया का टिकट भी अब होल्ड हो गया है.

वहीं नेताओं की आपसी लड़ाई में पार्टी बीच का रास्ता निकालने में जुटी है. इसी वजह से आलाकमान ने 6 मार्च को प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी को बैठक के लिए बुलाया था. वहीं इस पूरे प्रकरण के दौरान अब राजस्थान में संगठन के अंदर जाट बनाम राजपूत जैसी स्थिति पैदा होती जा रही है. इससे बचने के लिए बीजेपी कुछ बड़े कदम उठा सकती है.

राहुल कांस्वा यही नहीं रुके थे, उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी नाराजगी भी बयां कर दी है. कांस्वा ने 3 मार्च को लिखा, राम-राम मेरे चूरू लोकसभा परिवार! लेकर विश्वास-पाकर आपका साथ, देकर हर संकट को मात, ध्येय मार्ग पर बढ़ते जाएंगे, उत्थानों के शिखर चढ़ते जाएंगे. आप सभी संयम रखें. आगामी कुछ दिन बाद आपके बीच उपस्थित रहूंगा, जिसकी सूचना आपको दे दी जाएगी.

कांस्वा ने पूछा, आखिर मेरा गुनाह क्या था?

इसके अलावा उन्होंने लिखा, आखिर मेरा गुनाह क्या था...? क्या मैं ईमानदार नहीं था? क्या मैं मेहनती नहीं था? क्या मैं निष्ठावान नहीं था? क्या मैं दागदार था? क्या मैंने चूरू लोकसभा में काम करवाने में कोई कमी छोड़ दी थी? मा. प्रधानमंत्री जी की सभी योजनाओं के क्रियान्वयन में, मैं सबसे आगे था और क्या चाहिए था? जब भी इस प्रश्न को मैंने पूछा, सभी निरूत्तर और निशब्द रहे. कोई इसका उत्तर नहीं दे पा रहा. शायद मेरे अपने ही मुझे कुछ बता पाएं.

राजस्थान के लिए कांग्रेस की सूची में होंगे 6 से 7 नाम

पूर्व सीएम गहलोत भी लड़ेंगे चुनाव !

जयपुर, 9 मार्च (एजेंसियां)। केन्द्रीय चुनाव समिति की 11 मार्च को बैठक होना बताया जा रहा है। उसके बाद कांग्रेस की अगली सूची आएगी। सूची में राजस्थान की 6 से 7 सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा हो सकती है। सूची में कुछ बड़े नाम भी हो सकते हैं।

कांग्रेस ने लोकसभा उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है, लेकिन इसमें राजस्थान को लेकर किसी भी उम्मीदवार का नाम शामिल नहीं है। अब केन्द्रीय चुनाव समिति की 11 मार्च को बैठक होना बताया जा रहा है। उसके बाद ही सूची आएगी।

सूची में राजस्थान की 6 से 7 सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा हो सकती है। सूची में कुछ बड़े नाम भी हो सकते हैं। छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल को राजनांदगांव से टिकट दिए जाने के बाद राजनीतिक गलियारों में ऐसी चर्चा है कि कांग्रेस पूर्व सीएम अशोक गहलोत और सचिन पायलट जैसे बड़े नेताओं को भी चुनाव मैदान में उतार सकती है।

यह पूछे जाने पर कि क्या वरिष्ठ नेताओं को लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए कहा गया है? इस सवाल के जवाब में पार्टी के वरिष्ठ नेता के सी वेणुगोपाल ने कहा कि यह लोकसभा चुनाव देश का भविष्य तय करेगा। हमारा लक्ष्य इस लोकसभा चुनाव में अधिकतम संख्या में सीटें जीतना है। पार्टी की पहली सूची में वरिष्ठ नेता हैं और आने वाली सूचियों में भी रहेंगे। उन्होंने संकेत दिया कि पार्टी आने वाली लिस्ट में कई वरिष्ठ नेताओं के नाम शामिल होंगे।

राजस्थान की 25 लोकसभा सीटों पर उम्मीदवारों के नामों पर मंथन को लेकर दो बार स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक हो चुकी है। इसमें छह से ज्यादा सीटों पर उम्मीदवारों के नामों को लेकर सहमति भी बन गई थी। लेकिन गुरुवार को केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में राजस्थान की सीटों को लेकर मंथन नहीं हो सका।

कांग्रेस ने 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए 39 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी। सूची में पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को वायनाड से, संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल को अल्पपुज्जा तथा छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को राजनांदगांव से टिकट दिया गया है।

कहा जा रहा है कि पार्टी नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा 17 मार्च को समाप्त हो रही है और उस दिन बड़ी रैली का आयोजन किया गया है जिसमें इंडिया गठबंधन के नेताओं को भी आमंत्रित किया जा रहा है। उसके बाद पार्टी पूरी तरह से लोकसभा चुनाव के काम में लग जाएगी।

उन्होंने बताया कि पार्टी ने पहली सूची में जातिगत समीकरणों का पूरा ध्यान रखा है और यह अत्यंत संतुलित सूची है। पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति की अगली बैठक 11 मार्च को होगी, जिसमें उत्तर प्रदेश, राजस्थान सहित अन्य राज्यों में पार्टी के उम्मीदवारों के नामों पर विचार किया जाएगा।

कांग्रेस को एक और झटका

भाजपा में शामिल होंगे पूर्व केंद्रीय मंत्री लालचंद कटारिया

जयपुर, 9 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव से पहले राजस्थान में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। पूर्व केंद्रीय मंत्री और प्रदेश के वरिष्ठ जाट नेता लालचंद कटारिया एवं पूर्व विधायक खिलाड़ी लाल बैरवा समेत अशोक गहलोत सरकार में गृह राज्य मंत्री रहे राजेंद्र यादव भारतीय जनता पार्टी ज्वॉइन करने जा रहे हैं। वहीं बैरवा ने कहा कि कांग्रेस में अब अति हो गई, मैं बंधुआ मजदूर तो हूं नहीं।

लालचंद कटारिया मनमोहन सरकार में केंद्रीय मंत्री रह चुके हैं व गहलोत सरकार में कैबिनेट मंत्री भी रह चुके हैं। कल वह कांग्रेस छोड़कर बीजेपी ज्वॉइन कर रहे हैं। कल 11:00 बजे भारतीय जनता पार्टी में लालचंद कटारिया समेत आलोक बेनीवाल, खिलाड़ी लाल बेरवा एवं अशोक गहलोत सरकार में गृह राज्य मंत्री रहे राजेंद्र यादव भाजपा को ज्वॉइन करने जा रहे हैं।

चुनावी कार्यों में लापरवाही बरतने पर जिला निर्वाचन अधिकारी सख्त

प्रधानाचार्य को जारी किया नोटिस

झुंझुनू, 9 मार्च (एजेंसियां)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय देवता के प्रधानाचार्य ने अपने डेटाबेस में सुचना दी कि विद्यालय में 14 कार्मिक कार्यरत है, जबकि शाला-दर्पण पोर्टल से मिलान पर पाया गया कि संस्थान में कुल 16 कार्मिक कार्यरत हैं। प्रधानाचार्य ने दो व्याख्याताओं को डेटाबेस में सम्मिलित नहीं किया।

एक पक्षीय कार्रवाई अमल में लाई जाये

निवार्चन जैसे राष्ट्रीय महत्व के कार्य में घोर लापरवाही करने पर विद्यालय के प्रधानाचार्य को नोटिस जारी करके 11 मार्च को कार्यालय में व्यक्तिगत उपस्थित होकर जवाब देना होगा। निर्धारित तिथि एवं समय पर उपस्थित नहीं होने पर राजस्थान सेवा नियमों के तहत एक पक्षीय कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।

सेकेंड ग्रेड टीचर भर्ती परीक्षा पेपर लीक

मुख्य आरोपी सुरेश ढाका और भूपेंद्र सारण की संपत्ति सीज

जयपुर, 9 मार्च (एजेंसियां)। जयपुर में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने गुरुवार को कार्रवाई कर सेकेंड ग्रेड टीचर भर्ती परीक्षा पेपर लीक मामले के मुख्य आरोपी सुरेश ढाका और भूपेंद्र सारण की प्रॉपर्टी को सीज कर दिया है। ईडी ने सुरेश ढाका के वैशाली नगर स्थित फ्लैट, बगरू स्थित फैक्ट्री, हीरापुरा पावर हाउस स्थित मकान को सीज किया है। साथ ही संपत्ति पर भारत सरकार का बोर्ड लगा दिया है। दिल्ली कोर्ट से इजाजत के बाद ईडी ने कार्रवाई को अंजाम दिया है।

ईडी से मिली जानकारी के अनुसार, सुरेश ढाका की लंबे समय से तलाश है। ईडी सुरेश को पकड़ने के लिए कई बार प्रयास कर चुकी है। लेकिन उस तक नहीं पहुंच सकी। इस दौरान जांच में साबित हो गया था कि सुरेश ढाका ने जो संपत्ति बनाई, वह पेपर लीक करके बनाई थी। इस पर ईडी ने कार्रवाई की। इसके साथ ईडी ने भूपेंद्र सारण की प्रॉपर्टी भी सीज की है। इसमें बगरू में स्थित इलची सारण और इंदुबाला सारण के नाम से संपत्ति सीज की गई है।

सुरेश ढाका और भूपेंद्र सारण की संपत्तियों को सीज करने के साथ-साथ उनके सहयोगियों की संपत्ति को भी सीज करने की कार्रवाई की गई है। जेडीए ने एक साल पहले भूपेंद्र सारण और उसके भाई गोपाल सारण की अजमेर रोड स्थित प्रॉपर्टी पर बुलडोजर चलाया था। एक साल पहले सुरेश ढाका और भूपेंद्र सारण से जुड़े अधिगम कोचिंग सेंटर पर बुलडोजर चलाया गया था। सुरेश ढाका अभी भी एजेंसियों की पकड़ से दूर है।

सुरेश ढाका सांचौर से 20 किलोमीटर दूर स्थित अचलपुर गांव का रहने वाला है। पहले जेल भी जा चुका है। पहली बार मनी लॉन्ड्रिंग और दूसरी बार पेपर लीक में जेल गया था। जयपुर में गुर्जर की थड़ी पर उमंग क्लासेज के नाम से कोचिंग चलाता था, जिसे जेडीए ने एक्शन लेते हुए गिरा दिया था। अभी वह फरार है।

गौरतलब है कि राजस्थान में 24 नवंबर 2022 को सीनियर टीचर भर्ती के जीके का पेपर होना था। एग्जाम शुरू होने से पहले ही परीक्षा का पेपर लीक हो गया था। उदयपुर में 40 स्टूडेंट्स बस में पेपर हल करते पकड़े गए थे। इसे लेकर अजमेर, उदयपुर, अलवर समेत राज्यभर में छात्रों ने हंगामा और प्रदर्शन किया था। इसके बाद आनन-फानन में सुबह नौ बजे एग्जाम शुरू होने से ठीक पहले पेपर कैंसिल कर दिया गया था। वहीं, सुरेश ढाका और भूपेंद्र सारण पेपर लीक कांड के मास्टरमाइंड निकलकर आए थे।

भूपेंद्र सारण साल 2011 में जीएनएम भर्ती पेपर आउट प्रकरण और वर्ष 2022 में पुलिस कॉन्स्टेबल भर्ती पेपर लीक मामले में भी शामिल था। वह जेल भी जा चुका है। एटीएस एसओजी ने सीनियर टीचर भर्ती पेपर लीक मामले में भूपेंद्र सारण को बेंगलुरु एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया था।

'हमारा संविधान-हमारा सम्मान अभियान' कार्यक्रम में शामिल हुए सीजेआई

आपसी भाईचारा को लेकर कही ये बात

बीकानेर, 9 मार्च (एजेंसियां)। हमारा संविधान -हमारा सम्मान अभियान की शुरुआत करने चीफ जस्टिस डॉ. डीवाई चंद्रचूड़ शनिवार सुबह 9.30 बजे बीकानेर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कहा कि हमें संविधान की भावना के अनुरूप एक-दूसरे के प्रति सम्मान रखना चाहिए।

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि हमारे संविधान के निर्माताओं के दिमाग में मानवीय गरिमा का सर्वोच्च महत्व था। उन्होंने कहा कि मसौदा समिति के अध्यक्ष के रूप में डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर ने यह सुनिश्चित किया कि संविधान न्याय, स्वतंत्रता और समानता के मूल्यों के साथ-साथ भाईचारे की भावना और व्यक्ति की गरिमा को बढ़ावा दे।

जिला अदालतों की स्थिति में सुधार

सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि जिला अदालतों की स्थिति में सुधार के लिए कई प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम जिला अदालतों को संवेदनशील बनाना चाहते हैं, क्योंकि यह न्याय की दिशा में पहला कदम है। हम जिला अदालतों की स्थिति में सुधार करने और उनकी इमारतों को आधुनिक युग के अनुरूप बदलने के लिए कई प्रयास कर रहे हैं।

कई सालों से अलग रह रहे पति-पत्नी

आपसी सहमति से हुए एक दूसरे के, लोक अदालत में हुआ फैसला

अजमेर, 9 मार्च (एजेंसियां)। पहला मामला अजमेर के रहने वाले शिव व लक्ष्मी का था जो पिछले 6 सालों से घरेलू झगड़ों के चलते अलग रह रहे थे। उनको एडवोकेट व न्यायाधीश के द्वारा लोक अदालत में समझाया गया। जिसके बाद आज दोनों ने एक दूसरे को माला पहनाकर एक साथ रहने का फैसला किया। वहीं दूसरे मामले में अजमेर के ही रहने वाले नीरज और पूजा ने भी आपसी सहमति व दोनों पक्षों के एडवोकेट की समझाइश के बाद आज न्यायाधीश के समक्ष एक दूसरे को माला पहनकर मुंह मीठा कराया और हमेशा एक दूसरे के साथ रहने की बात कही।

नाबालिग से दुष्कर्म करने के मामले में पुलिस ने की कार्रवाई

आरोपी को किया गिरफ्तार

दौसा, 9 मार्च (एजेंसियां)। दौसा पुलिस अधीक्षक रंजीता शर्मा ने बताया कि मानव तस्करी यूनिट प्रभारी प्रेमचंद के सहयोग से नाबालिग पीड़िता का अपहरण कर दुष्कर्म करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है।

पुलिस की मानें तो गत 2 नवंबर को बांदीकुई थाने में दर्ज रिपोर्ट पर कार्रवाई की गई, जिसमें पीड़िता ने बताया था कि 29 अक्टूबर 2023 को उसके साथ आरोपित राकेश कुमार पुत्र मुकेश कुमार सैनी ने बहला फुसलाकर ले जाने के बाद दुष्कर्म किया।

पुलिस ने पॉक्सो एक्ट सहित कई धाराओं में मामला दर्ज कर जांच बांदीकुई डिप्टी एसपी ईश्वर सिंह को सौंप दी है।

जिसमें पुलिस ने गहनता से जांच कर आरोपित राकेश कुमार सैनी के खिलाफ मामला सच पाया। जिसके बाद पांच माह से फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार किया है।

आंखों में मिर्च झोंककर 33 लाख की लूट का पर्दाफाश

जयपुर, 9 मार्च (एजेंसियां)। डीसीपी उत्तर राशि डोगरा ने बताया कि लूट के मामले में आरोपी सुनील महावर (28) निवासी आंधी जमवारामगढ़, मनोज कुमार कुमावत (25) निवासी भैसावा जोबनेर और कर्मवीर मीणा (24) निवासी मनोहरपुर जयपुर ग्रामीण को गिरफ्तार किया। मामले में फरार मास्टर माइंड संदीप सिंह, लोकेन्द्र उर्फ लौकी और विकास योगी की पुलिस टीम तलाश कर रही है। पुलिस ने आरोपी सुनील के कब्जे से 3 लाख, मनोज से 2 लाख और कर्मवीर मीणा से 5 लाख रुपए बरामद किए है। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि बदमाशों ने कैफे में बैठकर प्री-प्लानिंग कर लूट की वारदात करने के लिए अलग-अलग टास्क देकर भेजते थे।

थानाधिकारी राकेश ख्यालिया और डीएसटी प्रभारी सीआई दिलीप सोनी ने नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। कॉन्स्टेबल श्यामलाल के अहम रोल के चलते बदमाशों तक पहुंचना आसान हो गया। पुलिस जांच में सामने आया धनश्री टावर में आशीष पेडवाली का ऑफिस है। लूट के शिकार गर्व खण्डेलवाल काफी समय से आशीष पेडवाली से रुपयों की लेनदेन करने आता रहता है। आशीष पेडीवाल के बिजनेस की जानकारी रखने वाले संदीप सिंह ने लूट का प्लान बनाया। संदीप ने प्लानिंग के तहत सबसे पहले आशीष पेडीवाल के वर्कर सुनील महावर को लूट की कुछ रकम देने का लालच देकर जानकारी देने के लिए तैयार किया। उसके बाद संदीप सिंह ने पुराने परिचित कर्मवीर मीणा, मनोज कुमार कुमावत, लोकेन्द्र उर्फ लौकी और विकास योगी से कॉन्टैक्ट किया। मास्टर माइंड संदीप सिंह ने सभी को मिलने के लिए अपने विद्याधर नगर स्थित टिकटॉक कैफे बुलाया। सभी को अलग-अलग टास्क देकर भेजा गया।

दो गुटों के झगड़े में बीच बचाव कर रहे कांस्टेबल की चाकू मारकर हत्या

सिरोही, 9 मार्च (एजेंसियां)। सिरोही जिले के सरूपगंज थाना मे तैनात कांस्टेबल निरंजनसिंह की लोटाना गांव में महाशिवरात्रि को लेकर आयोजित मेले में ड्यूटी लगी थी। देर रात को आदिवासियों के दो गुट आपस में झगड़ रहे थे। कांस्टेबल निरंजन सिंह ने दोनों पक्षों को शांत करने की कोशिश कर रहे थे। इसी दौरान कुछ बदमाशों ने कांस्टेबल पर चाकू से वार कर हत्या कर दी। कांस्टेबल की हत्या की सूचना मिलते ही एसपी अनिल कुमार, पिंडवाड़ा डीवाईएसपी जेठूसिंह करनोत, पिंडवाड़ा सीआई हमीरसिंह भाटी, रोहिड़ा थानाधिकारी जितेंद्रसिंह देवड़ा व सरूपगंज थाना पुलिस मौके पर पहुची। शव को सरूपगंज अस्पताल लाया गया जहां अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। इधर घटना की जानकारी मिलते ही सिरोही एसपी अनिल कुमार भी सरूपगंज अस्पताल पहुंचे तथा घटना की जानकारी ली। घटना के बाद लोटाना गांव में भारी पुलिस जाब्ता तैनात किया गया। अलग-अलग टीमें बनाकर आरोपियों की तलाश की जा रही है। इधर घटना के बाद पुलिस विभाग एवं कस्बेवासियों में शोक की लहर छा गई। पुलिस ने मामले में कुल 8 टीमें बनाई हैं, जो अलग-अलग जगह दबिश देकर धरपकड़ कर रही है।

सीएम रेवंत ने एलिवेटेड डबल डेकर कॉरिडोर की आधारशिला रखी

हैदराबाद, 9 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने शनिवार को हैदराबाद के बाहरी इलाके कांडला कोया में एलिवेटेड डबल डेकर कॉरिडोर के निर्माण की आधारशिला रखी। 5.3 किलोमीटर लंबे डबल डेकर कॉरिडोर का निर्माण एनएच-44 पर 1,580 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा। कॉरिडोर पूरा हो जाने पर सिकंदराबाद से मेडचल, मेदक, कामारेड्डी, निजामाबाद, निर्मल, आदिलाबाद जिलों तक परिवहन सुविधा बेहतर हो जाएगी। प्रस्तावित सड़क गलियारा राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच)-44 पर मोटर चालकों की दशकों पुरानी कठिनाइयों को समाप्त कर देगा। इसके अलावा, अगले चरण में इस एलिवेटेड कॉरिडोर पर मेट्रो रेल लाइन भी बनाई जाएगी। कॉरिडोर एन एच-44 पर सिकंदराबाद में पैराडाइज जंक्शन से शुरू होता है और ताड़बंद जंक्शन और बोइनपल्ली जंक्शन के माध्यम से डेयरी फार्म रोड पर समाप्त होता है। इस कॉरिडोर की कुल लंबाई 5.320 किमी है। एलिवेटेड कॉरिडोर 4.650 किलोमीटर की दूरी पर विकसित किया जाएगा। भूमिगत सुरंग की लंबाई 0.600 किमी होगी। कुल 131 पियर्स (खंभे) की संख्या है। एलिवेटेड कॉरिडोर छह लेन में बनाया जाएगा। एलिवेटेड कॉरिडोर पर यातायात की आवाजाही को सुविधाजनक बनाने के लिए बोइनपल्ली जंक्शन के पास (0.248 किमी पर) और (0.475 किमी पर) दो स्थानों पर रैंप का निर्माण किया जाएगा। कॉरिडोर का काम पूरा होने के बाद एलिवेटेड कॉरिडोर पर मेट्रो रेल लाइन बिछाई जाएगी। नई सुविधा यात्रियों को सुरक्षित, तेज और अधिक आरामदायक यात्रा प्रदान करेगी।

बिना किसी शुल्क के एलआरएस लागू करें : केटीआर

पूर्व मंत्री ने सीएम को लिखा पत्र

हैदराबाद, 9 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को एक खुला पत्र लिखकर बिना किसी आरोप के एलआरएस लागू करने का अनुरोध किया है। अपने पत्र में केटीआर ने कहा कि अतीत में राज्य के मंत्रियों द्वारा दिए गए शब्दों और आश्वासनों को ध्यान में रखते हुए एलआरएस को मुफ्त में लागू किया जाना चाहिए। केटीआर ने इस मुद्दे पर अतीत में किए गए वादे को तोड़ने के लिए सत्तारूढ़ दल के नेताओं से माफी की मांग की। केटीआर ने सीएम से यह बताने को कहा कि अब इस मामले में लोगों का शोषण क्यों किया जा रहा है। उन्होंने कहा, मुख्य विपक्षी दल के रूप में, हमने अपने विरोध कार्यक्रम और ज्ञापन के रूप में लोगों की मांग आपकी सरकार के सामने रखी है। केटीआर ने सीएम से मांग के अनुसार और लोगों की अपेक्षाओं के अनुसार एलआरएस को मुफ्त में लागू करने के लिए दिशानिर्देश जारी करने का अनुरोध किया। केटीआर ने अपने पत्र में कांग्रेस पार्टी के नेताओं द्वारा अतीत में किए गए वादों का जिक्र किया है।

अपशिष्ट जल उपचार संयंत्र का उद्घाटन

हैदराबाद, 9 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य विधानसभा अध्यक्ष गड्डाम प्रसाद कुमार, राज्य मंत्री कोंडा सुरेखा, दामोदर राजनरसिम्हा और श्रीधर बाबू ने संगारेड्डी जिले के पठानचेरुवु मंडल में पशमैलाराम औद्योगिक एस्टेट में अपशिष्ट जल उपचार संयंत्र का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में उद्योग विभाग के मुख्य सचिव जयेश रंजन, टीएसआईआईसी के एमडी विष्णुवर्धन रेड्डी, जिला कलेक्टर वल्लूरी क्रांति, स्थानीय जन प्रतिनिधि और पशमैलाराम इंडस्ट्रियल एस्टेट एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

सोमलिंग मंदिर में महाप्रसाद का वितरण

मदनूर, 9 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। महाशिवरात्री के अवसर पर स्थानिक सोमलिंग मंदिर में पुजा के साथ हवन अनुष्ठान और महादेव एवं माता पार्वती विवाह संपन्न हुवा। संध्या में शिव जागरण किया गया। शनिवार के सुबह सोमलिंग मंदिर कमिटी एवं गांव वासियों के सहयोग से महाप्रसाद का आयोजन किया गया जिसका लाभ स्थानिक भक्तों ने लिया।

कांग्रेस सरकार गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति प्रदान कर रही है : उपमुख्यमंत्री

हैदराबाद, 9 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने बताया कि तेलंगाना राज्य ने 8 मार्च को 15,623 मेगावाट के साथ सबसे अधिक बिजली की आपूर्ति करके एक नया रिकॉर्ड बनाया और यह दिन तेलंगाना के इतिहास में सबसे अधिक बिजली की खपत वाला दिन बन गया। शनिवार को यहां सचिवालय में मीडिया से बात करते हुए, उपमुख्यमंत्री ने कहा कि हाल के विधानसभा चुनावों के दौरान, बीआरएस पार्टी ने कांग्रेस पार्टी के खिलाफ एक दुर्भावनापूर्ण अभियान चलाया था, जिसमें कहा गया था कि अगर कांग्रेस को वोट दिया गया तो तेलंगाना में बिजली की आपूर्ति नहीं होगी। शक्ति, लेकिन यह गलत साबित हुआ है। उन्होंने कहा कि चूंकि गर्मियों में बिजली की मांग बढ़ जाती है, इसलिए राज्य सरकार ने उसके अनुरूप विस्तृत व्यवस्था की है और अधिकतम खपत 16,500 मेगावाट तक पहुंचने पर भी वह बिजली आपूर्ति करने के लिए तैयार है।

भट्टी ने खुलासा किया, तेलंगाना में कांग्रेस सरकार पिछली बीआरएस सरकार की तुलना में सभी क्षेत्रों को गुणवत्तापूर्ण और निर्बाध बिजली प्रदान कर रही है। उपमुख्यमंत्री ने आगे बताया कि राज्य सरकार जल्द ही एक बिजली नीति की घोषणा करेगी और उसने तेलंगाना को हरित बिजली उत्पादन में एक उदाहरण के रूप में स्थापित करने का भी फैसला किया है। भट्टी ने बताया कि राज्य सरकार ने वैकल्पिक बिजली उत्पादन पर विशेष ध्यान दिया है और बिजली उत्पादन के लिए सौर, पवन, जल विद्युत, पंप भंडारण, सिंगरेनी कोलियरी में अप्रयुक्त कोयला ब्लॉक और सिंचाई निकायों और इसकी नहरों सहित विभिन्न चैनलों की खोज कर रही है। उन्होंने कहा, मुझे विश्वास है कि आने वाले दिनों में तेलंगाना देश में बिजली अधिशेष राज्य के रूप में उभरेगा।

सुर्या कोलोनी वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा महाशिवरात्रि का आयोजन

हैदराबाद, 9 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सूर्या कोलोनी वेलफेयर एसोसिएशन के तत्वावधान में कोटेश्वर शिव मंदिर में महाशिवरात्रि का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉर्पोरेटर सुरेश रेड्डी ने की। मंदिर में चौबीस घण्टें ॐ नमः शिवाय मंत्र का जाप किया गया। जिसमें पूरे कॉलोनी के लोगों ने भाग लिया। इस अवसर पर एसोसिएशन के अध्यक्ष एम पी चतुर्वेदी, उपाध्यक्ष एनके दास, महासचिव राहुल तथा कार्यकारिणी सदस्य आकाश, दिलीप, राजू, मिश्रा, गणेश, अनिल, उपाध्याय, लोव, एसएन दुबे, संतोष ठाकुर एवं सभी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

राजस्थानी देवासी समाज द्वारा महाशिवरात्री के अवसर पर सीताराम नगर में जागरण का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विशेष अतिथियों का स्वागत करते हुए समाज के प्रमूख।

बंडलागुडा स्थित देवासी समाज मंदिर में आचार्य स्वामी श्री भगवान दास जी महाराज के सानिध्य एवं श्री देवासी समाज संघ के तत्वावधान में आयोजित महाशिवरात्रि के विशाल जागरण व महाप्रसादी कार्यक्रम में भजन प्रस्तुत करते हुए संत श्री माणकरामजी महाराज।

तेरापंथ महिला मंडल द्वारा प्रेरणा सम्मान समारोह का आयोजन

हैदराबाद, 9 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेरापंथ भवन हिमायत नगर में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर प्रेरणा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। श्रीमती उर्वशी बैद को प्रेरणा सम्मान से सम्मानित किया गया। उर्वशी बैद ने कहा की, हमारा मनोबल ही हमें हर चीज में आगे बढ़ा सकता है।

उन्होंने नारी सशक्तिकरण एवम उनकी गरिमा के बारे में प्रकाश डाला।

अध्यक्ष श्रीमती कविता, विमलेश सिंघी, बाबूलाल बैद, प्रकाश भंडारी एवं वर्षा बैद ने अपने विचार प्रस्तुत किए। नारी एक रूप अनेक विषय पर नुक्कड़ नाटिका प्रस्तुत की गई। हर्षलता दुधोडिया, अनीता गिडिया, सुप्रिया बैद, प्रतिक्षा दूधोडिया, गीतिका नाहटा, स्नेहा कठोतिया, रिंकू डागा, शांता बैद, समता डोशी, अंजू बैंगानी, वृद्धि डागा, मेधा बैद आदि ने नाटिका में भाग लिया। कार्यक्रम में मंत्री सुशील संचेती, सुशीला संचेती, विमलेश सिंघी, चंदा जैन, पुष्पा बोरा, मंजू दूगड, संपत सिंघी, पुष्पा बरडिया, प्रेम पारख, अनीता गिड़िया, अल्पना दूगड़, शीतल सांखला, श्वेता सेठिया, शकुंतला बुच्चा, निर्मल बेंगानी एवं बडी संख्या में लोगों की उपस्थिति रही।

लिंगायत समाज के अध्यक्ष बने संतोष झुबरे

मदनूर, 9 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। महाशिवरात्री के अवसर पर स्थानिक विरशैव लिंगायत समाज प्रतिनिधियों की बैठक हुई। इस बैठक में सर्व सहमति से संतोष हनमंत अप्पा झूबरे को मदनूर लिंगायत समाज अध्यक्ष व शिवदास हाजापुरे को उपाध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया। समाज के तरफ से नव निर्वाचित अध्यक्ष उप अध्यक्ष को सम्मान किया गया। इस बैठक में राजू स्वामी, शिवप्रसाद, सुभाष, श्रीनिवास पाटील, राचप्पा गुरुजी, राजू स्वामी आदि उपस्थित थे।

टास्क फोर्स ने ताश खेलनेवाले 6 लागों को पकडा

वारंगल, 9 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। टास्क फोर्स ने शनिवार को पीएस तिल्स कोलोनी में छापा मार कर ताश खेलने वाले 6 लोगों को पकडा। उनके पास 24 हजार 10 रुपये नकद एवं 3 मोबाईल फोन जब्त किए गए।

करीमबाद में स्थित देवारा रमेश के मकान पर ताश खेलते समय टास्क फोर्स ने 6 लोगों को पकड़ा। जिनमें गद्दाम भास्कर, गद्दाम राजू, मदिशेट्टी श्रीनिवास, पालाकुर्थी सरगापानी, देवरा रमेश, दासी राजू शामिल है। इन 6 लोगों के साथ जब्त संपत्ती टास्क फोर्सने मिल कोलोनी पुलिस को सौंप दी है। इस कारवाई में एसीपी मधुसूदन, आईओपी एस रवि कुमारख एसआई बी शरथ आदि पुलिस कर्मि शामिल हुए।

कल्याण लक्ष्मी और शादी मुबारक के चेक वितरित

भैंसा, 9 (स्वतंत्र वार्ता)। बासर मंडल और मुधोल मंडल के तहसील कार्यालय में कल्याण लक्ष्मी और शादी मुबारक के चेक वितरित किए। इस अवसर पर विधायक पवार रामराव पटेल ने कहा कि महिलाओं के जीवन में खुशियों का मार्ग प्रशस्त करने के उद्देश्य से कल्याण लक्ष्मी और शादी मुबारक योजनाएं शुरू कि गई हैं। केंद्र सरकार गरीबों के कल्याण के लिए कई कल्याणकारी कार्यक्रम चला रही है। इस कार्यक्रम में तहसीलदार स्थानीय एमपीपी, जेडपीटीसी, एमपीटीसी, संबंधित गांवों के पूर्व सरपंच, मंडल नेता, कार्यकर्ता और अन्य उपस्थित थे।

गौरव यात्रा के कर पत्र का विमोचन

हैदराबाद, 9 मार्च(स्वतंत्र वार्ता)। नारनौल अग्रवाल समिति हैदराबाद सिकंदराबाद की कार्यकारिणी सभा का आयोजन अध्यक्ष पंकज कुमार अग्रवाल के अध्यक्षता में नारनौल सदन में किया गया। सभा में गौरव यात्रा के संदर्भ में आज करपत्र जारी किया गया।

सभा में पंकज कुमार अग्रवाल ने बताया कि यह यात्रा 20 जुलाई से 24 जुलाई के बीच हैदराबाद से रवाना होगी। इस 6 दिवसीय यात्रा में अयोध्या श्री रामलला तथा ज्योतिर्लिंग काशी विश्वनाथ के दर्शन का लाभ यात्री ले सकेंगे। सभा में राजेश अग्रवाल, रविंद्र अग्रवाल, विशाल बंसल, जितेंद्र जैन, मनोज मित्तल, अनूप अग्रवाल-भालवाले, कपिल बंसल, प्रवेश कुमार जैन, कमल कुमार एवं अन्य सदस्य उपस्थित थे।

स्कू डाईवर से यूवक की हत्या

भैंसा, 9 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भैंसा शहर के राजू नगर में शनिवार शाम को एक यूवक ने दूसरे युवक की स्क्रू ड्राईव्हर से वार कर हत्या कर दी।

वारदात के वक्त लोगों ने जखमी युवक को सरकारी अस्पाताल में भर्ती कराया जिसको डाक्टरों ने प्रारंभीक उपचार कर निजामाबाद ले जाने की सलाह दी। किंतू उसकी रास्ते में मृत्यू हो गई। स्थानिकों ने मृतक कि पहचान सय्यद सोहैल अहमद (26, ओवैसी नगर) के रूप में बताई। सोहैल पहले पान की दुकान चलाता था और अब आटो चालक का काम कर रहा था। पुलिस ने शव का पोस्ट मार्टम करवा कर आगे की कारवाई शुरू कर दी है।

महिलाओं को विविध क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल करनी चाहिए : कलेक्टर पटनायक

हनुमाकोंडा, 9 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर सिकता पटनायक ने कहा कि महिलाओं को विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्टता हासिल करनी चाहिए। वारंगल में एनआईटी एनएसएस विभाग के तत्वावधान में महिला दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जिलाधिकारी सिक्ता पटनायक ने कहा कि महिलाएं आज कई क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं। विद्यार्थी जीवन में ऊंचे लक्ष्य के साथ आगे बढ़ना चाहते हैं। इस अवसर पर एनआईटी निदेशक बिद्याधर सुबुदी, एनआईटी छात्र कल्याण डीन श्रीनिवासाचार्य, छात्र और अन्य लोगों ने भाग लिया।

मारवाड़ी युवा मंच पर्ल महिला शाखा द्वारा भिक्षुकों को मदद

हैदराबाद, 9 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मारवाडी युवा मंच पर्ल महिला शाखा सिकंदराबाद द्वारा राष्ट्रीय प्रकल्प जन सेवा के तहत पैराडाइज सिग्नल, रोड़ पर भीख मांगने वाले तथा फुटपाथ पर रहने वाले जरूरतमंद लोगों को बढ़ती गर्मी से राहत के लिए चप्पल वितरण की गई। इस कार्यक्रम में शाखा अध्यक्ष रक्षा जैन, मंत्री शीतल जैन, मंजू बिनायकीया, वर्षा मखाना, पूनम बोहरा, संतोष गुजरानी, प्रियका जैन, मीना दुग्गड, प्रीति सोनी, सिद्धि बोहरा आदि ने भाग लिया।

बिहार सहयोग समिति द्वारा अखंड अष्टयाम का आयोजन

हैदराबाद, 9 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार सहयोग समिति, तेलंगाना द्वारा महाशिवरात्रि के अवसर पर अखंड अष्टयाम का आयोजन बिनय कुमार यादव की अध्यक्षता में मल्काजगिरी के दुर्गा माता मंदिर में किया गया। इस कार्यक्रम में समिति के सुशील पंडित अपनी टीम के साथ पूजा की। इस अवसर पर हरे राम, हरे कृष्णा भजन शुक्रवार शाम से शुरु होकर शनिवार को शाम तक चला। जिसमें नॉर्थ पीपुल्स एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष श्याम मोहन यादव, राजपुत समाज के धर्मेंद्र सिंह पाठक, भोजपुरी समाज, रानीगंज अनिल कुमार श्रीवास्तव, नारायण ओझा और पीरजादीगुडा से अरविंद सिंह, शैलेन्द्र , नाचाराम से विजय मास्टर, बिजय यादव, जन सेवा संघ के अध्यक्ष आर पी सिंह, सचिव राजीव चौबे और बिहार समाज सेवा संघ के चेयरमैन राजु ओझा एवं अध्यक्ष मनीष तिवारी, सचिव राज नारायण सिंह, मनोज यादव, अजय कुमार सिंह, सुनील भगत, मनोज भगत, दीपक यादव, कोषाध्यक्ष आनंद गुप्ता, पंकज यादव, हरे राम यादव, ललन मिश्रा, राजेश्वर भगत, जयनाथ सिंह, दशरथ सिंह, चंद्र देव सिंह, शम्भू नाथ भगत, राजनन्दन सिंह, उपाध्यक्ष बिजेंद्र गुप्ता, जयंत यादव, सचिव मनोज यादव, राजेश यादव, बिवेश झा, मनोज भगत, बिनोद यादव, दिपक यादव, कोर कमेटी दिपक गुप्ता, सुनील ठाकुर, ललन मिश्रा, सुनील यादव, सुशील गुप्ता, पंचम भगत, जय प्रकाश भगत, राम फल, सुरज यादव, गुलशन कुमार आदि ने भाग लिया।

जन्मदिन की शुभकामनाएं

विवेक कुमार
माता : रेणुका
पिता : राजेश

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

धर्मशाला में जीत के बाद भारतीय टीम के साथ जुड़ा अजब संयोग, टेस्ट में जीत-हार का आंकड़ा हुआ बराबर

धर्मशाला, 9 मार्च (एजेंसियां)। भारत ने इंग्लैंड को पांचवें और आखिरी टेस्ट में पारी और 64 रन से हरा दिया है। धर्मशाला में खेला गया यह मुकाबला तीन दिन में ही खत्म हो गया। भारत की पहली पारी आज ही पहले सत्र के दौरान समाप्त हुई थी। पहली पारी में इंग्लैंड ने 218 रन बनाए थे। जवाब में भारत की पहली पारी 477 रन पर खत्म हुई थी। इस तरह टीम इंडिया को 259 रन की लीड मिली थी। इंग्लैंड की दूसरी पारी 195 रन पर सिमट गई और भारत ने पारी और 64 रन से जीत हासिल की।

इंग्लैंड की टीम दूसरी पारी में लुढ़की

आज इंग्लैंड की पूरी टीम दूसरी पारी में लुढ़क गई। इस जीत के साथ टीम इंडिया ने पांच मैचों की सीरीज को 4-1 से अपने नाम किया। अपना 100वां टेस्ट खेल रहे रविचंद्रन अश्विन का प्रदर्शन शानदार रहा। उन्होंने पहली पारी में चार और दूसरी पारी में पांच विकेट झटके। इसके अलावा रोहित शर्मा और शुभमन गिल ने शतकीय पारी खेली थी। टीम इंडिया को पहले ही टेस्ट में हार मिली थी, लेकिन उसके बाद रोहित एंड कंपनी ने जबरदस्त वापसी करते हुए बाकी के चार मैच जीते।

कुलदीप को उनके ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड दिया गया। उन्होंने पहली पारी में पांच विकेट लिए थे। इसके बाद भारत की पहली पारी में जसप्रीत बुमराह के साथ 49 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी निभाई थी। वहीं, यशस्वी जायसवाल को प्लेयर ऑफ द सीरीज अवॉर्ड दिया गया। उन्हें ढाई लाख का चेक मिला। यशस्वी ने सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाए। उन्होंने इस सीरीज में 712 रन बनाए।

धर्मशाला टेस्ट में जीत के साथ ही भारत के साथ एक अजब आंकड़ा जुड़ गया। पहली बार टीम इंडिया की जीत और हार की संख्या बराबर हो गई है। भारतीय टीम ने पहला टेस्ट मैच साल 1932 में खेला था। तब से अब तक उसने 579 टेस्ट मैच खेले हैं। इनमें टीम

इंडिया ने 178 मुकाबले अपने नाम किए हैं, जबकि 178 मैचों में टीम को हार का सामना करना पड़ा है। 222 मुकाबले ड्रॉ रहे और एक मैच टाई हुआ। भारत की जीत और हार का आंकड़ा 178-178 है।

टेस्ट में सभी टीमों के हार-जीत के आंकड़े

टीम	मैच	जीत	हार	टाई	ड्रॉ
ऑस्ट्रेलिया	866	413	232	2	218
इंग्लैंड	1071	392	324	0	355
वे.इंडीज	575	183	210	1	181
भारत	579	178	178	1	222
द.अफ्रीका	464	178	161	0	125
पाकिस्तान	456	148	142	0	166
न्यूजीलैंड	470	115	184	0	170
श्रीलंका	314	101	121	0	92
बांग्लादेश	140	19	103	0	18

इंग्लैंड की पहली पारी 218 रन पर सिमटी थी

इससे पहले इंग्लैंड की पहली पारी 218 रन पर सिमट गई थी। कुलदीप यादव ने पांच विकेट झटके। वहीं, 100वां टेस्ट खेल रहे रविचंद्रन अश्विन ने चार विकेट लिए। इसके अलावा रवींद्र जडेजा को एक विकेट मिला। यानी इंग्लैंड के सभी 10 विकेट भारतीय स्पिनर्स ने लिए। डकेट 27 रन बना सके। क्राउली ने 108 गेंद में 11 चौके और एक छक्के की मदद से 79 रन बनाए। वहीं, जो रूट 26 रन, 100वां टेस्ट खेल रहे जॉनी बेयरस्टो 29 रन बनाकर आउट हुए।

कप्तान बेन स्टोक्स को कुलदीप ने खाता भी नहीं खोलने दिया। जब इंग्लैंड का स्कोर 175 रन था, तब टीम ने बेयरस्टो, रूट और स्टोक्स तीनों का विकेट गंवाया था। अश्विन ने हार्टले (6) और वुड (0) को पारी के 50वें ओवर में पवेलियन भेजा। इसके बाद एंडरसन (0) को पवेलियन भेज इंग्लैंड की पारी को 218 रन पर समेट दिया। बशीर 11 रन बनाकर नाबाद रहे।

भारत ने पहली पारी में बनाए 477 रन

भारत को रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल ने बेहतरीन शुरुआत दिलाई। दोनों ने 104 रन की साझेदारी की। यशस्वी 57 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद रोहित ने शुभमन गिल के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 171 रन की साझेदारी निभाई। रोहित ने टेस्ट करियर का 18वां और शुभमन ने चौथा शतक लगाया। इस साझेदारी को बेन स्टोक्स ने तोड़ा। नौ महीने बाद गेंदबाजी के लिए आए स्टोक्स ने इस सीरीज में पहली बार गेंदबाजी की और अपनी पहली ही गेंद पर रोहित को क्लीन बोल्ड किया।

रोहित ने 162 गेंद पर 13 चौके और तीन छक्के की मदद से 103 रन की पारी खेली। यह पारी के 62वें ओवर में हुआ और इसके अगले ही ओवर में जेम्स एंडरसन ने शुभमन गिल को क्लीन बोल्ड किया। गिल 150 गेंद में 12 चौके और पांच छक्के की मदद से 110 रन बना पाए। इसके बाद सरफराज खान और डेब्यू कर रहे देवदत्त पडिक्कल ने चौथे विकेट के लिए 97 रन की साझेदारी की। सरफराज के आउट होने के बाद पडिक्कल ने अर्धशतक पूरा किया। वह 10 चौके और एक छक्के की मदद से 65 रन बनाकर आउट हुए।

फिर ध्रुव जुरेल भी 15 रन बनाकर चलते बने। टॉम हार्टले ने रवींद्र जडेजा और आर अश्विन को आउट किया। जडेजा 15 रन बनाकर और अश्विन खाता खोले बिना आउट हुए। भारत ने शनिवार को आठ विकेट पर 473 रन से आगे खेलना शुरू किया और चार रन बनाने में बाकी दो विकेट गंवा दिए। बुमराह और कुलदीप ने 49 रन की साझेदारी निभाई। कुलदीप यादव (30) के रूप में शनिवार को भारत को पहला झटका लगा।

जेम्स एंडरसन ने कुलदीप को विकेटकीपर फोक्स के हाथों कैच कराया। यह उनके टेस्ट करियर का 700वां विकेट रहा। वहीं, शोएब बशीर ने बुमराह (20) को स्टंप कराया और भारतीय पारी को 477 रन पर समाप्त कर दिया। एंडरसन 700 विकेट के मुकाम को छूने वाले दुनिया के पहले तेज गेंदबाज और ओवरऑल तीसरे गेंदबाज हैं। उनसे ज्यादा टेस्ट विकेट सिर्फ मुथैया मुरलीधरन (800) और शेन वॉर्न (708) ने लिए हैं। इंग्लैंड की ओर से बशीर ने पांच विकेट लिए।

फ्रेंच ओपन बैडमिंटन: सात्विक-चिराग की जोड़ी सेमीफाइनल में पहुंची

पीवी सिंधू कड़े संघर्ष में चेन यू से हारीं

पेरिस, 9 मार्च (एजेंसियां)। शीर्ष वरीय भारतीय जोड़ी सात्विक साईराज रैंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने फ्रेंच ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। हालांकि चार माह बाद वापसी कर रहीं पीवी सिंधू को एक घंटे 32 मिनट के संघर्ष के बाद टोक्यो ओलंपिक विजेता चीन की चेन यू फेई के हाथों हारना पड़ा।

पिछड़ने के बाद सात्विक-चिराग की वापसी

सात्विक-चिराग ने थाईलैंड के सुपाक जोमकोह और कित्तनुपांग केदरेन को 21-19, 21-13 से पराजित किया। सेमीफाइनल में उनका मुकाबला तीसरी वरीय कोरियाई जोड़ी कांग मिन हयूक सियो सियूंग जेई से होगा। सात्विक-चिराग की शुरुआत बेहद खराब रही और दोनों 1-6 से पिछड़ गए। पहले गेम के मध्यांतर के समय उन्होंने स्कोर 8-11 कर दिया। इसके बाद जल्द ही दोनों ने 12-12 की बराबरी हासिल करते हुए अपना दबदबा बना लिया। अंत में 21-19 से उन्होंने गेम अपने नाम किया। दूसरे गेम में दोनों को ज्यादा संघर्ष नहीं करना पड़ा।

तीन गेमों में सिंधू को मिली हार

दूसरी वरीय चेन यू फेई के हाथों सिंधू को 24-22, 17-21, 18-21 से हार मिली। दिग्गज प्रकाश पादुकोण बतौर कोच सिंधू के साथ इस टूर्नामेंट में कोर्ट पर बैठे हैं। मिचेल ली और बेईवान झांग के खिलाफ भी प्रकाश की सलाह सिंधू के काम आई थी। यहां भी मुकाबला पहले दो मैचों की तरह संघर्षपूर्ण था, लेकिन चेन यू फेई सिंधू पर भारी पड़ीं। अंतिम बार सिंधू ने चेन को 2019 की विश्व चैंपियनशिप के दौरान हराया था।

महिला खिलाड़ियों की आत्मसुरक्षा पर आयोजित होगी वर्कशॉप

नई दिल्ली, 9 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय खेल सचिव सुजाता चतुर्वेदी की अगुवाई में देश के भर के साई के क्षेत्रीय केंद्रों और 23 राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्रों (एनसीओई) में महिला दिवस मनाया गया। खेल सचिव इस दौरान सभी केंद्रों में मौजूद महिला खिलाड़ियों से वर्चुअली जुड़ीं।

उन्होंने कहा कि सभी क्षेत्रीय केंद्रों और उत्कृष्टता केंद्रों में महिला खिलाड़ियों की सुरक्षा प्रमुखता होनी चाहिए। इसके लिए सभी केंद्र अपने स्तर आत्मसुरक्षा वर्कशॉप आयोजित कराएं। यही नहीं महिला खिलाड़ियों का मानसिक स्वास्थ्य भी बेहद जरूरी है।

इसके लिए सभी केंद्र महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर भी काम करें। इस दौरान साई के सभी केंद्रों की महिला खिलाड़ियों ने खेल गतिविधियों का भी आयोजन किया।

आईपीएल 2024 से पहले मुश्किल में सीएसके

एक और प्लेयर को लगी चोट; 3 खिलाड़ियों पर बाहर होने का खतरा

मुंबई, 9 मार्च (एजेंसियां)। आईपीएल की सबसे सफल टीमों में से एक चेन्नई सुपर किंग्स की टीम के लिए इस सीजन मुश्किलें बढ़ती जा रही है। इससे ना सिर्फ सीएसके टीम को बल्कि उनके करोड़ों फैंस को भी करारा झटका लगा है। सीएसके के फैंस एक ओर उम्मीद लगाए बैठे हैं कि वह अपनी टीम को छठी बार ट्रॉफी उठाते देखेंगे। लेकिन क्रिकेट के सबसे बड़े टूर्नामेंट आईपीएल का आगाज होने से पहले ही चेन्नई सुपर किंग्स के लिए कई मुश्किलें खड़ी हो गई है। चेन्नई के एक या फिर 2 खिलाड़ी नहीं बल्कि 3 खिलाड़ी चोटिल हो गए हैं। इससे आईपीएल के मुकाबले में सीएसके के लिए इन तीनों स्टार के बिना खेलना आसान नहीं होगा।

ये 2 खिलाड़ी पहले ही हो गए थे चोटिल

बता दें कि चेन्नई सुपर किंग्स के स्टार खिलाड़ी डेवोन कॉन्वे और शिवम दुबे की चोटिल होने की खबर आई ही थी कि अब सीएसके के एक और खिलाड़ी चोटिल हो गए हैं। बता दें कि अब मथीशा पथिराना भी चोटिल हो गए हैं। इससे सीएसके की मुश्किलें कम होने की बजाय और बढ़ती ही जा रही है। श्रीलंका के तेज गेंदबाज पथिराना के बाएं पैर में हैमर्सट्रिंग की समस्या हो गई है। इस कारण से खिलाड़ी बांग्लादेश के खिलाफ खेली जा रही टी20 सीरीज के तीसरे मुकाबले से बाहर हो गए हैं। अब खिलाड़ी के आईपीएल खेलने पर भी संदेह है।

खिलाड़ी 6 मार्च को हुए थे चोटिल

है कि मथीशा पथिराना को उस दौरान बाएं पैर में हैमर्सट्रिंग हो गया, जब वह 6 मार्च को खेले जा रहे दूसरे टी20 मुकाबले में गेंदबाजी के लिए आए थे। हैमर्सट्रिंग होते ही खिलाड़ी को बाहर जाना पड़ा था। शुरुआत में तो ऐसा लग रहा था कि यह चोट मामूली है और वह तीसरे टी20 में वापसी करने में कामयाब रहेंगे, लेकिन खिलाड़ी तीसरे टी20 से बाहर हो गए हैं। इसके अलावा वह आईपीएल के भी कुछ मुकाबले मिस कर सकते हैं। वह कब तक फिट हो पाएंगे इसकी जानकारी अभी तक नहीं मिल पाई है। लेकिन इससे सीएसके की टीम और उनके करोड़ों फैंस को जोरदार झटका जरूर लगा है।

दीप्ति ने हैट्रिक लेकर तोड़े दिल्ली के अरमान

1 ओवर में पलट दी बाजी, कैपिटल्स के मुंह से छीनी जीत

मुंबई, 9 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली कैपिटल्स को जीत के लिए 139 रन चाहिए थे और 18वें ओवर तक लग रहा था कि ये टीम आसानी से मैच अपने नाम कर लेगी, लेकिन तभी 19वें ओवर में दीप्ति ने अपनी गेंदों से कहर बरपाया और यूपी वॉरियर्स को मैच में वापस लाते हुए टीम की जीत की इबारत लिखी. दीप्ति ने गेंदबाजी से पहले बल्लेबाजी में भी अहम रोल निभाया और अर्धशतक जमाया.

भारत की स्पिनर दीप्ति शर्मा ने विमंस प्रीमियर लीग में खेले गए मैच में तहलका मयचा दिया और अपनी टीम यूपी वॉरियर्स को रोमांचक मैच में जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई. दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में यूपी का सामना दिल्ली कैपिटल्स से था. मैच में दिल्ली की जीत तय लग रही थी लेकिन दीप्ति ने हैट्रिक लेकर बाजी पलट दी और अपनी टीम को मैच में वापस ला दिया. यूपी ने ये मैच एक रन से अपने नाम किया. दीप्ति ने ये हैट्रिक दो ओवरों में ली लेकिन ये विकेट तब आए जब यूपी को इसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी. यूपी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए आठ विकेट खोकर 138 रन ही बनाए थे. दिल्ली की टीम एक गेंद पहले 137 रनों पर ही ढेर हो गई.

दिल्ली को 139 रनों का टारगेट मिला था. ये टीम आसानी से ये लक्ष्य हासिल करती दिख रही थी. टीम ने 18 ओवरों में चार विकेट खोकर 124 रन बना लिए थे. इस स्कोर को देख लग रहा था कि दिल्ली आसानी से मैच अपने नाम कर लेगी लेकिन तभी दीप्ति ने दिल्ली को बैकफुट पर धकेल दिया और आखिरकार दिल्ली को हार मिली.

दीप्ति ने 14वें ओवर में दिल्ली के कप्तान मेग लेनिंग को आखिरी गेंद पर आउट किया. लेनिंग 46 गेंदों पर 60 रन बनाकर आउट हो गईं. इसके बाद 19वें ओवर में दीप्ति ने वापसी की और शुरुआती दो गेंदों पर दो विकेट लेकर अपनी हैट्रिक पूरी की. दीप्ति ने दिल्ली की दो अनुभवी खिलाड़ियों एनाबेल सदरलैंड (6) और अरुंधती रेड्डी (0) को पवेलियन की राह दिखाई. चौथी गेंद पर दीप्ति ने फिर शिखा पांडे (4) को आउट कर दिल्ली की कमर तोड़ दी. इस ओवर में दीप्ति ने पांच रन दिए. आखिरी ओवर में दिल्ली को 10 रनों की जरूरत थी. दिल्ली काफी कोशिश के बाद भी ये रन नहीं बना पाई और एक रन से मैच हार गई.

पीएसएल 2024 में हैट्रिक लेकर इस गेंदबाज ने मचाया तहलका, रोने लगी बाबर आजम की फैन

इस्लामाबाद, 9 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान के स्टार बल्लेबाज और पेशावर जाल्मी के कप्तान बाबर आजम ने इस मैच में एक दमदार अर्धशतक जमाया लेकिन अपनी पारी को बड़े स्कोर में नहीं बदल सके. फिर बाबर को आउट करने वाले गेंदबाज ने ही पेशावर के खिलाफ कमाल करते हुए पीएसएल 2024 सीजन की पहली हैट्रिक लेकर इतिहास रच दिया. पाकिस्तान सुपर लीग में बाबर आजम की कप्तानी वाली टीम पेशावर जाल्मी का प्रदर्शन बहुत उतार-चढ़ाव भरा रहा है. टीम लगातार जीतने में नाकाम रही है और बीच-बीच में उसे हार का सामना करना पड़ा है. हालांकि, खुद कप्तान बाबर आजम ने इस सीजन में अपने प्रदर्शन को सुधारा है और ता ब ड़ तो ड़ बैटिंग करते हुए दिखे हैं और उससे उनके फैन काफी खुश भी हैं लेकिन एक गेंदबाज ने स न स नी खे ज हैट्रिक लेकर बाबर और पेशावर के फैंस को रुला दिया.

रावलपिंडी में पेशावर का सामना क्वेटा ग्लैडिएटर्स से हुआ. इस मुकाबले में पेशावर ने पहले बैटिंग की और कप्तान बाबर ने युवा ओपनर सैम अयूब के साथ मिलकर टीम को विस्फोटक शुरुआत दिलाई. दोनों ने क्वेटा के गेंदबाजों की जमकर धुनाई की और 3.4 ओवरों में ही 46 रनों की पार्टनरशिप कर डाली. बाबर आजम ने भी सिर्फ 30 गेंदों में 53 रनों की जबरदस्त पारी खेली. उन्हें बाएं हाथ के स्पिनर अकील होसैन ने अपना शिकार बनाया.

पेशावर की टीम जबरदस्त बैटिंग कर रही थी और लग रहा था कि 200 से ज्यादा का स्कोर तो पक्का है. फिर 16वें ओवर में सब बदल गया. बाबर को आउट करने वाले अकील होसैन ने ही यहां पेशावर की रफ्तार पर लगाम लगा दी. वेस्टइंडीज के इस गेंदबाज ने ओवर की दूसरी गेंद पर आमेर जमाल का विकेट झटक लिया. फिर अगली 2 गेंदों पर मेहरान मुमताज और ल्यूक वुड के विकेट चटकाकर सनसनी फैला दी. अकील होसैन ने PSL 2024 की पहली हैट्रिक लेने का कमाल किया. अपनी टीम का ये हाल देखकर जहां पेशावर के विंडीज बल्लेबाज रोवमैन पावेल ने गुस्से में बल्ला हवा में उछाल दिया तो वहीं स्टेडियम में बैठी बाबर और पेशावर की एक छोटी से फैन की आंखों में आंसू आ गए और वो रोने लगी. हालांकि पावेल ने इसके बावजूद आखिरी 4 ओवरों में दमदार बैटिंग करते हुए टीम को 196 के मजबूत स्कोर तक पहुंचाया. अकील ने अपने 4 ओवरों में सिर्फ 23 रन खर्च कर 4 विकेट लिए.

विश्व चैंपियन फिशर के लिए जीनियस शब्द भी पड़ जाता था छोटा

नई दिल्ली, 9 मार्च (एजेंसियां)। 'इस तारीख को जन्मे' चैंपियन की सीरीज में मुझे एक ऐसे ग्रैंडमास्टर की कहानी बयां करने में हर्ष हो रहा है, जिसने दुनिया में अपना दबदबा बनाया। यह कोई और नहीं बल्कि दिग्गज राबर्ट जेम्स (बॉबी) फिशर हैं, जिनका 9 मार्च 1943 को जन्म हुआ। बॉबी फिशर का सफर शतरंज जगत से बाहर भी हमेशा एक जिज्ञासा का विषय रहा है चाहे उनका अचानक उभरना हो, असाधारण जीतें हों, विवादास्पद विचार और साक्षात्कार हों।

पेशेवर और निजी जिंदगी में उनके हैरतअंगेज निर्णय। उनकी हर चीज दुनिया भर में बहस, आकलन और आलोचना का विषय भी हो सकती है। अपने अंतमुर्खी स्वभाव के कारण उनका तभी लोगों से संपर्क हुआ जब बेहद जरूरी हुआ। शायद इसीलिए उनकी निजी जिंदगी और असल व्यक्तित्व हमेशा एक रहस्य रहा। बहरहाल, कुछ युक्तिसंगत पत्रकार फिशर के नजरिए को जानने में सफल रहे। बॉबी ने कभी सवालों को नहीं टाला और हमेशा वो जवाब दिया, जो वह समझते थे कि उनकी नजर में सही है।

यद्यपि फिशर बेसिक स्कूली शिक्षा ढाई साल ही ली लेकिन वह अपने समकालीन शतरंज खिलाड़ियों और आयोजकों से ज्यादा जानकार और चीजों से अवगत रहते थे। अंकगणित और तार्किक पहेलियों को तत्काल सुलझा देते थे जिसने पूरे अमेरिकी समुदाय को हैरान कर रखा था। अमेरिका और यूरोप में जो अध्ययन किए गए उसमें खुलासा हुआ कि फिशर का आईक्यू स्तर 180 अंकों से ऊपर था जोकि एक जीनियस से भी ज्यादा है।

फिशर का विलक्षण व्यक्तित्व और शतरंज में उनका योगदान अनूठा रहा। शतरंज को लेकर वह बेहद पेशेवर थे और अपनी राह में आने वाली चुनौतियों से उन्होंने कभी मुंह नहीं मोड़ा। वह अपने आदर्शों को लेकर अडिग रहते थे।

वह सोवियत को अपना दुश्मन समझते थे लेकिन वह पश्चिम के पहले शतरंज खिलाड़ी रहे जिसने सोवियत शतरंज स्कूल की पेचीदगियों का अध्ययन किया। उन्होंने सोवियत मास्टर्स से बेहतर किया। उन्होंने सोवियत शतरंज की रणनीतियों को नया क्षितिज प्रदान किया।

पांच बार के विश्व चैंपियन मिखाइल बोटविनिक के अनुसार उन्होंने शतरंज की रणनीतिक सूझबूझ को बेहतर किया। उनके कुछ अलग विचार थे जिसे समकालीन शतरंज मास्टर्स ने नहीं स्वीकारा। पूरी दुनिया विल्हेल्म स्टेनिट्ज को आधुनिक शतरंज रणनीति का जनक मानती थी लेकिन फिशर की नजर में पाल मोरफी ज्यादा बेहतर और व्यावहारिक खिलाड़ी थे।

अब आधुनिक चेस इंजन ने अब साबित कर दिया कि मोरफी का खेलने का तरीका सही था लेकिन फिशर ने यह बात छह दशक पहले कह दी थी। तब तो चेस इंजन भी नहीं थे। फिशर ने जिंदगी में अच्छी सेहत, फिटनेस और स्टेमिना की अहमियत को समझा। वह पूरी मानसिक और शारीरिक ऊर्जा के साथ मैच खेलते थे।

वह एकमात्र विश्व चैंपियन थे जो बिना ट्रेनर और प्रैक्टिस पार्टनर के उतरते थे। उन्होंने 1972 में विश्व चैंपियन बनने के बाद टूर्नामेंट खेलना बंद कर दिया लेकिन शतरंज का गंभीरता से अध्ययन करते रहे। ताउम्र उन्होंने अपने को नई तकनीकों से अपडेट किया। 1992 में फिशर स्पेसकी मैच से खुलासा हुआ कि फिशर रुई लोपेज में सिद्धहस्त हैं। बाद में इसके कारण सत्तर के दशक में रणनीतिक बदलाव हुए जिसका बहुत कुछ श्रेय अनातोली कार्पोव को जाता है जो फिशर के बाद नए विश्व चैंपियन बने।

शतरंज को लेकर विश्लेषण और व्याख्या में उन्होंने कभी गलती नहीं की, तब भी नहीं जब वह जेल या निगरानी में इलाज के दौरान रहे। उन्होंने शतरंज में छठी इंद्री का विकास किया। कई अवधारणाएं बनाईं जिसमें फिशर चेस क्लॉक और फिशर रेंडम चेस (चेस 960) शामिल है जिसका खिलाड़ी अब अभ्यास करते हैं।

फिशर क्लॉक तो आधुनिक शतरंज का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गई है। फिशर का मानना रहा कि शतरंज के खिलाड़ी अपने खेल के राजदूत हैं और अपनी अंतिम सांस तक उन्होंने खुद को भी यही माना। उनका 64 साल की उम्र में निधन हो गया। उनकी पहचान शतरंज के संपूर्ण खिलाड़ी के रूप में हुई।

हार्टफुलनेस के सहयोग से संस्कृति मंत्रालय का सबसे बड़ा आध्यात्मिकता समागम

राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति शिखर सम्मेलन को संबोधित करेंगे

हैदराबाद, 9 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। संस्कृति मंत्रालय (विशेष सेल) और हार्टफुलनेस 14 से 17 मार्च तक हार्टफुलनेस के मुख्यालय कान्हा शांति वनम में एक अनूठी आध्यात्मिक सभा आयोजित करने जा रहे हैं, जिसे वैश्विक आध्यात्मिकता महोत्सव कहा जाता है। हैदराबाद के बाहरी इलाके में स्थित है। यह आयोजन सभी धर्मों और विश्वासों के आध्यात्मिक नेताओं को दुनिया के सबसे बड़े ध्यान केंद्र में एक स्थान पर लाएगा। आज आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में मुख्य अतिथि, केंद्रीय पर्यटन, संस्कृति और उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के विकास मंत्री किशन रेड्डी, चिन्ना जीयर स्वामी- श्री वैष्णववाद, बोधमयानंद- निदेशक, विवेकानन्द इंस्टीट्यूट ऑफ ह्यूमन एक्सीलेंस और रेव्ह दाजी- हार्टफुलनेस के मार्गदर्शक और राम चंद्र मिशन के अध्यक्ष ने आगामी वैश्विक आध्यात्मिकता महोत्सव और इसके महत्व की घोषणा की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ क्रमशः 15 और 16 मार्च को शिखर सम्मेलन की शोभा बढ़ाएंगे। संस्कृति मंत्रालय (भारत सरकार) और हार्टफुलनेस द्वारा लाए जा रहे चार दिवसीय आध्यात्मिकता शिखर सम्मेलन का विषय "आंतरिक शांति से विश्व शांति" है। सम्मेलन का उद्देश्य अंतरधार्मिक संवाद लाना और हर उम्र और जीवन के हर क्षेत्र के लोगों को दैनिक जीवन में आध्यात्मिकता से जुड़ने में मदद करना है। केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी ने कहा, भारत संस्कृति, आध्यात्मिकता और जीवन शैली का प्रदर्शन करता है जो दुनिया को प्रेरित कर रहा है। हम अपने आध्यात्मिक ज्ञान से दुनिया के सामने एक उदाहरण बनकर खड़े हैं और दुनिया की आध्यात्मिक राजधानी बन गये हैं। भारत में आध्यात्मिक पर्यटन बढ़ रहा है। वैश्विक आध्यात्मिक महोत्सव में, जो रेव्ह दाजी के कुशल मार्गदर्शन में दुनिया के सबसे बड़े ध्यान केंद्र में आयोजित किया जाएगा, आध्यात्मिक गुरु विश्व शांति की दिशा में एक मंच पर आ रहे हैं। श्री वैष्णववाद के गुरु चिन्ना जीयर स्वामी ने कहा, हमारे एमओसी और विशेष रूप से कृष्ण रेड्डी जिन्होंने इस कार्यक्रम के आयोजन की पहल की, सभी धार्मिक और आध्यात्मिक नेताओं और बड़े पैमाने पर कान्हा शांति वनम की व्यवस्था करने के लिए एक पल में महान हैं। प्रत्येक धर्म का उद्देश्य लोगों को एकजुट करना है, लेकिन प्रत्येक धर्म में कुछ ऐसे बिंदु होते हैं जो अपने आप में अद्वितीय होते हैं और जो सभी के लिए समान होते हैं। श्री रामकृष्ण मठ के स्वामी बोधमयानंद ने कहा, धर्म एक बहुत ही भ्रामक शब्द है इसलिए लोगों में गलतफहमी है। हमें सच्चाई के रास्ते पर मिलकर काम करना चाहिए। हार्टफुलनेस के मार्गदर्शक और श्रीराम चंद्र मिशन के अध्यक्ष रेव्ह दाजी ने कहा, पूरा विचार स्वामी विवेकानन्द के साथ शुरू हुआ। वह मेरी प्रेरणा थे। सभी धर्म एक मूल की ओर ले जाते हैं। समय आ गया है जब हमें एक साथ आने की जरूरत है।

तापमान में तीन डिग्री सेल्सियस की वृद्धि

हैदराबाद, 9 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में अधिकतम और न्यूनतम तापमान सामान्य से 3 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया गया। दिन के तापमान के समानांतर रात का तापमान भी बढ़ रहा है। पिछले एक सप्ताह से तापमान तेजी से बढ़ रहा है। शुक्रवार को राज्य में अधिकतम और न्यूनतम तापमान पर नजर डालें तो अधिकतम तापमान खम्मम में 38.7 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान आदिलाबाद में 16.6 डिग्री सेल्सियस रहा। राज्य के कई हिस्सों में अधिकतम और न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक रहा। मेदक में तापमान सामान्य से 3 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया गया। महबूबनगर में 2 डिग्री सेल्सियस और अन्य स्थानों पर 1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अधिकारियों का कहना है कि अगले तीन दिनों तक राज्य में तापमान और बढ़ेगा। जैसे-जैसे वातावरण में नमी कम हो रही है, तापमान भी बढ़ता जा रहा है।

महिलाओं के नाम पर राजनीति करने की जरूरत नहीं : यशस्विनी रेड्डी

हैदराबाद, 9 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पालकुर्ती विधायक यशस्विनी रेड्डी विधायक ने गांधी भवन में कहा कि लोग बड़ी संख्या में कांग्रेस पार्टी में शामिल हो रहे हैं। सभी का हार्दिक स्वागत है। पिछले तीन महीनों से मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और कांग्रेस सरकार की विकास और कल्याण योजनाओं को लोगों से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के व्यापक कार्यक्रमों के कारण विभिन्न दलों के नेता और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में कांग्रेस में आ रहे हैं। कांग्रेस पार्टी इन सभी का समर्थन करती है। पुराने नेताओं और नये नेताओं को मिलकर काम करना चाहिए और संसद चुनाव में कांग्रेस को बड़ी जीत दिलानी चाहिए। उन्होंने कहा कि पूर्व सीएम केसीआर की बेटी एमएलसी कविता ने कल शिवरात्रि पर धरना चौक पर धरना दिया। उसका रवैया मुझे हंसाता है। कविता का भाव उस बिल्ली की तरह है जो एक हजार चूहे खाकर पुण्य के लिए तीर्थयात्रा पर निकल गई। उन्होंने आरोप लगाया कि जागृति संस्था को बहुत दिनों से एक तरफ रखा हुआ था, उसे फिर से खोल दिया। क्या तेलंगाना जागृति ने बीआरएस सरकार के दस वर्षों में कभी महिलाओं के बारे में बात की है। कविता को ऑफिस छोड़ने पर उन महिलाओं की याद आई जिन्हें कभी याद नहीं किया गया था। कांग्रेस की सरकार आई तो हम महिलाओं को प्राथमिकता देकर काम कर रहे हैं। कांग्रेस सरकार द्वारा सबसे पहले लागू की गई मुफ्त बस सुविधा केवल महिलाओं के लिए थी।

महिलाओं के लिए 500 रुपये की गैस योजना, मुफ्त घरेलू बिजली सभी योजनाएं महिलाओं के लिए हैं। महिलाओं के लिए राजनीति करने की जरूरत नहीं है। कांग्रेस प्रभारी दीपा दासमुंशी की मौजूदगी में लोगों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

किशन रेड्डी आलाकमान के बुलावे पर दिल्ली रवाना

हैदराबाद, 9 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पार्टी मुख्यालय से बुलावा आने के बाद केंद्रीय मंत्री और बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष जी. किशन रेड्डी आज दोपहर दिल्ली के लिए रवाना हो गये। इस मौके पर मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि हम तेलंगाना में बहुमत सीटें जीतने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहे हैं। बाकी 8 उम्मीदवारों की घोषणा केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक के बाद की जाएगी। कई लोग भाजपा से जुड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह प्रदेश अध्यक्ष के तौर पर दिल्ली जा रहे हैं। वह राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात करेंगे और राजनीतिक मुद्दों और उम्मीदवारों पर चर्चा करेंगे।

कांग्रेस की अगली सूची 20 मार्च के बाद

हैदराबाद, 9 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। ऐसा लगता है कि एआईसीसी, जिसने अभी तक केवल चार लोकसभा सीटों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की है, इस महीने की 20 तारीख के बाद तेलंगाना की बाकी सीटों के लिए भी स्थिति साफ कर पाएगी। ऐसी संभावना है कि इस महीने की 11 या 14 और 15 तारीख को केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) की एक और बैठक होगी, लेकिन उस बैठक में तेलंगाना के उम्मीदवारों पर चर्चा नहीं हो सकती है। गांधी भवन के सूत्रों का कहना है कि अगली बैठक में तेलंगाना में बाकी उम्मीदवारों पर फैसला लिया जाएगा और यह बैठक इस महीने की 20 तारीख के बाद होने की संभावना है। यह पता चला है कि हालिया सीईसी बैठक के एजेंडे में राज्य की 9 संसदीय सीटों पर निर्णय लेने का मुद्दा शामिल था, लेकिन केवल पांच पर चर्चा हुई। लेकिन एआईसीसी ने केवल चार की घोषणा की। चेवेल्ला से सुनीता महेंदर रेड्डी की उम्मीदवारी भी तय हो गई है और पहली सूची में उनके नाम की घोषणा की गयी।

हाल ही में घोषित चार पदों में से एक आरक्षित और तीन सामान्य पद हैं। इसमें महबूबाबाद (एसटी) से पुराने दावेदार बलराम नाइक को एक और मौका दिया गया। विजया बाई और बेलैया नाइक ने यहां टिकट पाने की पूरी कोशिश की, लेकिन आलाकमान ने बलराम नाइक का पक्ष लिया। और जैसा कि महबूबनगर में उम्मीद थी, वमशीचंद रेड्डी का नाम तय हो गया है। विधानसभा चुनाव से पहले हुए समझौते के तहत बीसी नेता सुरेश शेटकर को जहीराबाद की सीट आवंटित की गई है। वहीं नलगोंडा में वरिष्ठ नेता जाना रेड्डी ने एक बार फिर अपना कब्जा बरकरार रखा है। गौरतलब है कि जाना अपने बेटे रघुवीर को टिकट दिलाने में सफल रहे, जबकि इस पद को लेकर काफी अटकलें चल रही थीं। इसके अलावा, घोषित चार सीटों में से दो रेड्डी समुदाय को, एक बीसी को और दूसरी एसटी को आवंटित की गई है।

महबूबनगर लोकसभा कांग्रेस प्रत्याशी चल्ला वामसीचंद रेड्डी ने मुख्यमंत्री एनुमुला रेवंत रेड्डी से हैदराबाद में शिष्टाचार भेंट की।

अगली बैठक में तेलंगाना में बाकी उम्मीदवारों पर फैसला लिया जाएगा और यह बैठक इस महीने की 20 तारीख के बाद होने की संभावना है।

कांग्रेस और बीआरएस नेताओं के बीच हाथापाई

जगित्याल, 9 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के जगित्याल में कल्याण लक्ष्मी एवं शादी मुबारक चेक का वितरण कार्यक्रम में कांग्रेस और बीआरएस नेताओं के बीच हाथापाई हो गई। प्रोटोकॉल विवाद को लेकर दो गुटों के बीच झड़प हो गई पुलिस ने भी दोनों गुटों को खदेड़ दिया। शनिवार की सुबह, जगित्याल के स्थानीय तहसीलदार कार्यालय में कल्याण लक्ष्मी और शादी मुबारक से संबंधित चेक का वितरण शुरू किया। इस कार्यक्रम में विधायक धर्मपुरी, सचेतक अदलूरी लक्ष्मण कुमार, एमएलसी जीवन रेड्डी, जगित्याला बीआरएस विधायक डॉ. संजय कुमार ने भाग लिया। विधायक संजय कुमार ने जब पिछली सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के बारे में बताया तो कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उन्हें बोलने से रोक दिया। इसको लेकर बीआरएस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच हल्की बहस और हाथापाई भी हुई। एमएलसी जीवन रेड्डी और सरकारी सचेतक अदलूरी लक्ष्मण ने दोनों पक्षों को शांत कराया।

विधायक ने जनजातीय कल्याण विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की

हनुमाकोंडा, 9 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हनमकोंडा में बीआरएस पार्टी के विधायक कडियम श्रीहरि के आवास पर निर्वाचन क्षेत्र के आदिवासी कल्याण विभाग के अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर बोलते हुए, पूर्व उपमुख्यमंत्री और स्टेशन घनापुर विधायक कडियम श्रीहरि ने निर्वाचन क्षेत्र में पहले स्वीकृत विकास कार्यों पर चर्चा की। विधायक ने अपने आवास पर अधिकारियों के साथ लंबित मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने संबंधित जनप्रतिनिधियों के साथ चल रहे कार्यों और कार्यों को तेजी से पूरा करने से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों और ठेकेदारों को कार्यों की निगरानी करने और कार्यों को तेजी से पूरा करने के निर्देश दिये। श्रीहरि ने संबंधित विभागों के अधिकारियों और जन प्रतिनिधियों से आग्रह किया कि वे एक-दूसरे के साथ समन्वय बनाकर काम करें और यह सुनिश्चित करें कि सभी लोग हमेशा लोगों के लिए उपलब्ध रहें और उनकी समस्याओं के समाधान की दिशा में काम करें। बैठक में आदिवासी कल्याण अधिकारी, जन प्रतिनिधि, ठेकेदार एवं अन्य लोग शामिल हुए।

वारंगल डीसीसीबी अध्यक्ष कांग्रेस में शामिल हुए

हैदराबाद, 9 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी को एक और झटका लगा है। पूर्व सांसद सीताराम नाइक ने शुक्रवार को घोषणा की कि वह बीआरएस पार्टी छोड़ रहे हैं। अगले ही दिन, अविभाजित वारंगल डीसीसीबी के अध्यक्ष मार्नेनी रविंदर राव और उनकी पत्नी ऐनोलू एमपीपी मधुमति ने बीआरएस छोड़ दिया और सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए। पूर्व सीएम केसीआर के परिवार के करीबी पूर्व मंत्री एर्राबेली दयाकरराव, मार्नेनी के मुख्य समर्थक हैं, और ऐसी व्यापक अटकलें हैं कि वह विधानसभा चुनाव के बाद पार्टियां बदल लेंगे। इसी पृष्ठभूमि में वह बीआरएस पार्टी से दूर रह रहे हैं। हालांकि उन्होंने बीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर और विधायक हरीश राव से कई बार बातचीत की, लेकिन उनका कांग्रेस में शामिल होना चर्चा का विषय बन गया है।

ईटेला का दावा, कांग्रेस दोबारा केंद्र की सत्ता में नहीं लौटेगी

हैदराबाद, 9 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के मल्काजगिरी लोकसभा उम्मीदवार ईटेला राजेंदर ने आज कहा कि पांच दशकों से अधिक समय तक देश पर शासन करने के बाद कांग्रेस पार्टी के केंद्र में सत्ता में वापस आने का कोई सवाल ही नहीं है। हम जानते हैं कि यूपीए शासन के पांच वर्षों के दौरान कितने प्रधानमंत्री बदले गए और कहा कि भारत के गठबंधन के नाम पर कांग्रेस पार्टी गठबंधन के नाम पर पार्टियों को एक साथ लाने और सत्ता में आने की कोशिश कर रही थी। शनिवार को अलवाल में पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं की एक सभा में बोलते हुए, राजेंद्र ने कहा कि दुनिया में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कोई विरोध नहीं है और उन्होंने कहा कि पीएम को सबसे महान नेता के रूप में जाना जाता है। उन्होंने कहा, अगर लोग राज्य में सत्तासीन पार्टी को वोट देना चाहते हैं, तो संसद सदस्यों के लिए यह मूर्खतापूर्ण और नासमझी है कि उन्हें केवल तभी धन मिलता है, जब वे केंद्र में सत्तासीन पार्टी को वोट देते हैं। मोदी राज में राज्य का विकास तेजी से हो रहा है। उन्होंने कहा कि देश के सभी लोग प्रधानमंत्री मोदी का परिवार हैं। उन्होंने कहा, पीएम मोदी एक ऐसे नेता हैं, जो बिना किसी व्यक्तिगत स्वार्थ के देश के विकास के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने याद दिलाया कि प्रधानमंत्री ने 'एक राष्ट्र, एक कानून' की नीति लागू की थी और लंबे समय से चली आ रही कश्मीर समस्या का समाधान किया था। उन्होंने दावा किया, भारत की अर्थव्यवस्था, जो पहले दुनिया में सातवें स्थान पर थी, अब चौथे स्थान पर पहुंच गई है और प्रौद्योगिकी तेजी से विकसित हुई है। इटेला ने खुलासा किया कि 'मेक इन इंडिया' के नारे के साथ कई उद्योगों का गठन किया गया था, पहले, देश भर में 75 हवाई अड्डे थे, लेकिन आज 150 हवाई अड्डे स्थापित किए गए हैं और राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण बहुत तेज गति से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि परिवहन प्रणाली विकसित करने से लोग बहुत कम समय में एक स्थान से दूसरे स्थान तक यात्रा करने में सक्षम हुए। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो पहल और साहस दिखाया वह बहुत अच्छा है और दुनिया को वैक्सीन उपलब्ध कराने का श्रेय भी पीएम मोदी को जाता है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जहां भी जाते हैं, सभी देश उन्हें सुनते हैं।

उन्होंने कहा कि अन्य पार्टियां सोच रही हैं कि बड़े मल्काजगिरी संसदीय क्षेत्र में कितने करोड़ रुपये खर्च करने की जरूरत है। लेकिन मुझे पता है कि अगर लोग सोचेंगे तो वे धर्म के लिए वोट करेंगे और भाजपा को जिताएंगे। पीएम मोदी सिर्फ जनता का आशीर्वाद मांग रहे हैं।

टीएसआरटीसी कर्मचारियों को 21 प्रतिशत वेतन वृद्धि

हैदराबाद, 9 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सरकार ने 1 जून से तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीएसआरटीसी) के कर्मचारियों को 21 प्रतिशत वेतन संशोधन की घोषणा की। पिछली बीआरएस सरकार ने 2017 में टीएसआरटीसी कर्मचारियों को 16 प्रतिशत वेतन संशोधन दिया था। वेतन संशोधन से टीएसआरटीसी को सालाना 418 करोड़ रुपये अधिक खर्च होंगे।

टीएसआरटीसी बस भवन में मीडिया से बात करते हुए परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि वित्तीय संकट के बावजूद, राज्य सरकार ने कर्मचारियों के लिए 21 प्रतिशत वेतन संशोधन की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि टीएसआरटीसी का वेतन बिल प्रति माह 35 करोड़ रुपये और प्रति वर्ष 418 करोड़ रुपये बढ़ जाएगा, जिससे 53,071 कर्मचारियों को लाभ होगा। प्रभाकर ने कहा कि हर चार साल के लिए टीएसआरटीसी कर्मचारियों के वेतनमान को संशोधित किया जाना चाहिए।

टीएसआरटीसी विकास में कर्मचारियों के प्रयासों को मान्यता देता है और 2017 के वेतन संशोधन के लिए 21 प्रतिशत फिटमेंट प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत की है। टीएसआरटीसी के एमडी वीसी सज्जनार को स्टाफ द्वारा सम्मानित किया गया।

हालांकि, पिछली बीआरएस सरकार ने 2017 में कर्मचारियों को केवल 16 प्रतिशत वेतन संशोधन दिया था और तब से उनके कार्यकाल के दौरान वेतन में कोई वृद्धि नहीं हुई थी। परिवहन मंत्री ने आगे कहा कि सेवानिवृत्त कर्मचारियों को वेतन पुनरीक्षण बकाया का भुगतान भी बिना किसी ब्याज के किया जाएगा। वेतन संशोधन आयोग (पीआरसी) 2017 के अनुसार, वित्तीय लाभ सेवा में मौजूद 42,057 कर्मचारियों और 1 अप्रैल, 2017 से निगम में अपनी सेवाओं से सेवानिवृत्त हुए 11,014 कर्मचारियों के लिए लागू होंगे। उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर, 53,071 कर्मचारियों को वित्तीय लाभ होगा। जून से 2,500 नई बसें महालक्ष्मी योजना पर, प्रभाकर ने कहा कि कांग्रेस की प्रमुख महालक्ष्मी योजना के तहत 9 दिसंबर से 9 मार्च तक तेलंगाना में 25 करोड़ से अधिक महिलाओं ने मुफ्त बस यात्रा का उपयोग किया। राज्य के विभिन्न जिलों से बस संचालन की मांग धीरे-धीरे बढ़ रही है। परिवहन मंत्री ने कहा, हम यात्रियों के लिए परेशानी मुक्त यात्रा सुनिश्चित करने के लिए जून तक चरणबद्ध तरीके से 2,500 से अधिक नई बसें शुरू करने जा रहे हैं।

'धरणी' विशेष अभियान समाप्त

हैदराबाद, 9 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। धरणी में लंबित आवेदनों को राहत देने के लिए सरकार द्वारा चलाया गया विशेष अभियान आज समाप्त हो गया। राजस्व सूत्रों ने बताया कि शुक्रवार तक 91,000 से अधिक आवेदनों पर कार्रवाई की जा चुकी थी। कहा जा रहा है कि सरकार ने भले ही आज तक की डेडलाइन दी है, फिर भी स्पेशल ड्राइव जारी रहेगी। जब राज्य में कांग्रेस की सरकार बनी तो धरणी पोर्टल पर विशेष फोकस किया गया। धरणी के स्थान पर भूमाता के नाम से नया पोर्टल बनाने का प्रयास किया जा रहा है। इसके तहत धरणी पोर्टल से संबंधित समस्याओं और समाधानों पर एक समिति नियुक्त की और रिपोर्ट लाई। इसी क्रम में, तेलंगाना में धरणी पोर्टल के लंबित आवेदनों को हल करने के लिए सरकार द्वारा चलाया गया विशेष अभियान आज समाप्त हो गया।

ज्ञात हो कि तेलंगाना सरकार ने महीनों से लंबित 2.46 लाख आवेदनों को हल करने के लिए इस महीने की 1 तारीख को एक विशेष अभियान शुरू किया है। पिछले महीने तक, इसने विभिन्न प्रकार की उपचारात्मक जिम्मेदारियाँ तहसीलदारों और आरडीओ को हस्तांतरित कर दी हैं, जो कलेक्टरों तक सीमित थीं। राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने आवेदनों की संख्या के आधार पर जांच दल गठित करने के आदेश जारी किये हैं।, मंडल स्तर पर तहसीलदार और नायब तहसीलदारों के निर्देशन में समितियों का गठन किया गया था। पूरे तेलंगाना में 2,46,536 आवेदन लंबित हैं। रंगा रेड्डी जिले में 39,000, नलगोंडा में 23,000, संगारेड्डी में 19,000, विकाराबाद में 14,000, नगरकर्नूल में 11,000 और खम्मम में 10,000 हैं।

गाद निकालने का काम कब होगा पूरा

हैदराबाद, 9 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कई इलाकों में हर साल नहरों से गाद निकालने का काम पूरा नहीं हो पाया है। इस वजह से मानसून के दौरान भारी बाढ़ के दौरान कॉलोनियां और बस्तियां पानी में डूब जाती हैं। नई सरकार के सत्ता में आने पर भी यह स्थिति बदल जाएगी, तो ऐसी कोई संभावना नहीं है। नहरों में सिल्ट सफाई का काम आधा-अधूरा है, लेकिन कई इलाकों में अब तक काम शुरू नहीं हुआ है। कुछ क्षेत्रों में अभी तक टेंडर की प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी है। यहां तक कि नदीम कॉलोनी जैसे इलाके में, जो बाढ़ के कारण जलमग्न हो जाता है, वहां भी टेंडर प्रक्रिया अभी तक पूरी नहीं हुई है।

मानसून शुरू होने से पहले नहरों में गाद जमा करने का काम पूरा करना है। बरसात का मौसम खत्म होते ही टेंडर बुलाए जाते हैं और जनवरी से काम शुरू होता है तो गर्मी तक पूरा करने का लक्ष्य होता है। लेकिन कई इलाकों में पिछले महीने के अंत तक भी टेंडर पूरे नहीं हुए हैं। अभी भी कुछ क्षेत्र पूरे होने बाकी हैं। बरसात या गर्मी के मौसम में गाद निकालने का काम पूरा होने की कोई संभावना नहीं है। जनवरी में काम शुरू हुआ तो पूरा काम पूरा होने में चार से पांच महीने लगेंगे, लेकिन हाल तक टेंडर पूरा नहीं होने के कारण काम शुरू होने में समय लगेगा। संभावना कम है कि गर्मी से पहले ये पूरे हो जाएंगे। 56.38 करोड़ रुपये से काम करना है पिछले साल 63 कार्य कराने के लिए 53.60 करोड़ रुपये के कार्य कराए गए, लेकिन कितने पूरे हुए, इसकी जानकारी नहीं है। इस वर्ष 201 कार्यों को पूरा करने में 56.38 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। यह ज्ञात नहीं है कि इनमें से कितने टेंडर पूरे हो चुके हैं और कितने टेंडर प्राप्त नहीं हुए हैं। जीएचएमसी में फंड की कमी के कारण कार्यों के बिलों के भुगतान में देरी हो रही है। इसको लेकर ठेकेदार आगे नहीं आ रहे हैं। कुछ ठेकेदार हैं जो नहरों में गाद भरने का काम करते हैं। टेंडर पूरा न होने का बड़ा कारण यह है कि ठेकेदार समय पर बिल न मिलने से पीछे हट रहे हैं। पुडीकाथी कार्यों में अनियमितता के कारण पूर्व में पुलिस में मामला दर्ज होने के कारण वे इन कार्यों को लेकर झिझक रहे हैं। पिछले साल भी ऐसी घटनाएं हुई थीं जहां बिल रोक दिए गए थे क्योंकि कीचड़ को डंपिंग यार्ड में नहीं ले जाया गया था।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.